ran ji-1-2_Layout 1 1/21/2024 7:14 PM Page 1

बिलासपुर, सोमवार 22 जनवरी 2024

haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

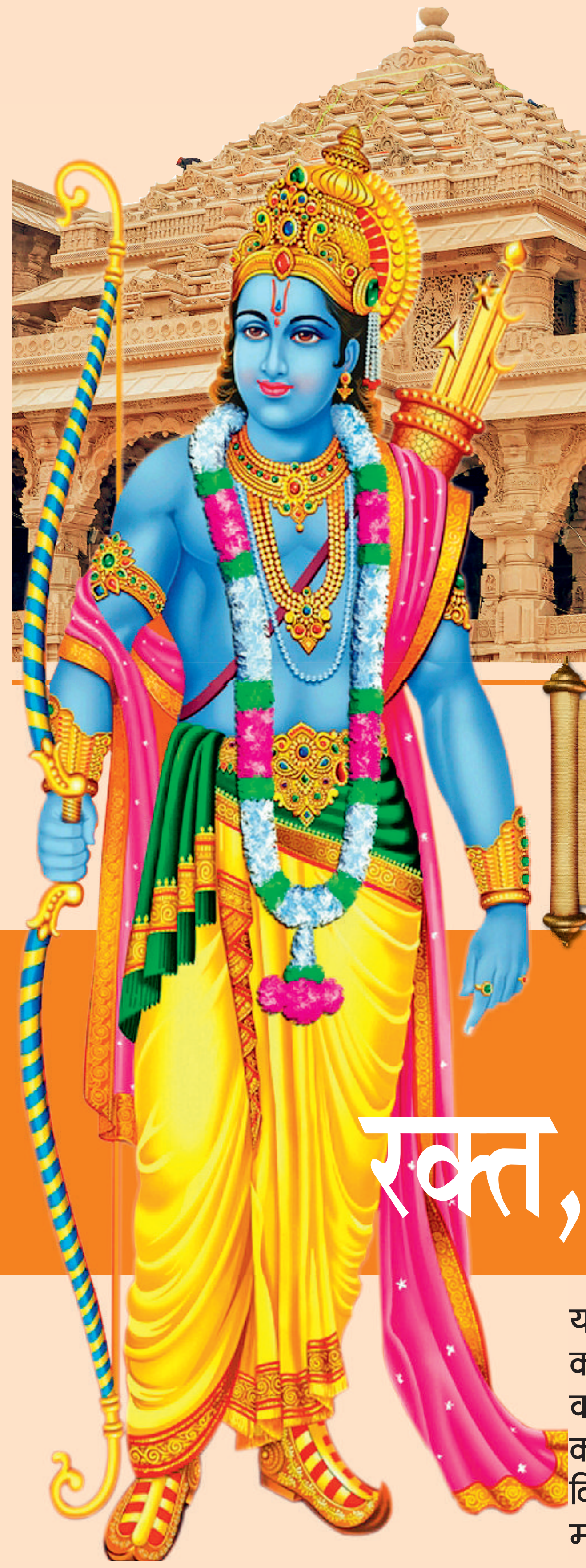

सबको हरिभूमि की राम-राम

अयोध्या विवाद का फैसला

500 साल पहले शुरू हुआ था विवाद

206 साल लगे इस विवाद में फैसला आने में

05 जजों की संवैधानिक पीठ ने सुनाया फैसला

40 दिन तक सुप्रीम कोर्ट में लगातार सुनवाई

2.77 एकड़ विवादित भूमि राम मंदिर के लिए दी गई | 5 एकड़ जमीन अलग से मिली मुस्लिम पक्ष को

अवधपुरी प्रभु आवत जानी। भई सकल सोभा कै खानी॥
बहइ सुहावन त्रिबिध समीरा। भइ सरजू अति निर्मल नीरा॥

भावार्थः- प्रभु को आते जानकर अवधपुरी संपूर्ण शोभाओं की खान हो गई। तीनों प्रकार की सुंदर वायु बहने लगी। सरयू अति निर्मल जलवाली हो गईं (अर्थात सरयू का जल अत्यंत निर्मल हो गया)।

बहुतक चढ़ीं अटारिन्ह निरखहिं गगन बिमान।
देखि मधुर सुर हरषित करहिं सुमंगल गान॥

भावार्थः- बहुत-सी स्त्रियाँ अटारियों पर चढ़ीं आकाश में विमान देख रही हैं और उसे देखकर हर्षित होकर मीठे स्वर से सुंदर मंगल गीत गा रही हैं॥

500 वर्ष बाद अयोध्या में अराध्य की प्राण प्रतिष्ठा

रक्त, राजनीति और भक्ति की गौरव गाथा

यह क्षण पुलकित करने वाला है। भारत का कण–कण राम...राम....मेरे राम बोल रहा है। धरा हर्षित है देश के अंतर्मन में श्रीराम के नाम की गूंज सुनाई दे रही है। वैसे तो प्राण प्रतिष्ठा अयोध्या में होगी लेकिन आज देश के हर कोने में प्रसन्नता का भाव होगा। पल होगा पांच सौ वर्ष की प्रतीक्षा के अंत का....पल होगा खंड-खंड मंदिर के एक कोने में तंबू में रहे भारत के अराध्य श्री राम के भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का। गौरवान्वित करने वाले क्षण को ऐतिहासिक बनाने के लिए हरिभूमि ने यह विशेष अंक प्रकाशित किया है। यह अंक श्रीराम के लिए किए गए पांच सौ वर्ष के संघर्ष का साक्षी बनेगा तो प्राण प्रतिष्ठा के भावुक क्षण पर भावनाएं प्रकट करने का माध्यम भी। इस अंक श्रीराम मंदिर के लिए जीवन खपा देने वालों की दास्तां हैं तो मनीषियों के भाव भी।

ये हैं राममंदिर की नींव

अशोक सिंघल | लालकृष्ण आडवाणी | मुरली मनोहर जोशी | कल्याण सिंह | विनय कटियार | प्रवीण तोगड़िया | साध्वी ऋतंभरा | उमा भारती

हरिभूमि के लिए इन्होंने लिखे अनमोल भाव

श्री श्री रविशंकर अध्यात्मिक गुरु | श्रीमहंत फूलडोल बिहारी दास | आचार्य सत्येंद्र दास मुख्य पुजारी | पं. महेश पुजारी महाकालेश्वर मंदिर | सदगुरु वासुदेव जग्गी महाराज | गुरु शरण महाराज | अवधेशानंद जी महाराज | पंडित प्रदीप मिश्रा कथा वाचक | ज्ञान दास जी अयोध्या धाम | महंत जगदीश दास

कोठारी बंधुओं ने फहराया था भगवा

21 से 30 अक्टूबर 1990 तक अयोध्या में लाखों कारसेवक जुट चुके थे। सब विवादित स्थल की ओर जाने की तैयारी में थे। विवादित स्थल के चारों तरफ भारी सुरक्षा थी। अयोध्या में लगे कर्फ्यू के बीच सुबह करीब 10 बजे चारों दिशाओं से बाबरी मस्जिद की ओर कारसेवक बढ़ने लगे। इनका नेतृत्व कर रहे थे अशोक सिंघल, उमा भारती, विनय कटियार जैसे नेता। विवादित स्थल के चारों तरफ और अयोध्या शहर में यूपी पीएसी के करीब 30 हजार जवान तैनात किए गए थे। इसी दिन बाबरी मस्जिद की गुंबद पर शरद (20 साल) और रामकुमार कोठारी (23 साल) नाम के भाइयों ने भगवा झंडा फहराया।

3 दिन बाद फायरिंग में गई थी जान

कोठारी भाइयों के दोस्त राजेश अग्रवाल के अनुसार 22 अक्टूबर की रात शरद और रामकुमार कोठारी बनारस आकर रुक गए थे। सरकार ने ट्रेनें और बसें बंद कर रखी थीं तो वे टैक्सी से आजमगढ़ के फूलपुर कस्बे तक आए। दोनों करीब 200 किलोमीटर पैदल चलने के बाद 30 अक्टूबर को दोनों अयोध्या पहुंचे।

2 नवंबर को दोनों भाइयों को लगी गोली, गई जान

किताब 'अयोध्या के चश्मदीद' के अनुसार 30 अक्टूबर को गुंबद पर झंडा लहराने के बाद शरद और रामकुमार 2 नवंबर को विनय कटियार के नेतृत्व में दिगंबर अखाड़े की तरफ से हनुमानगढ़ी की तरफ जा रहे थे। जब पुलिस ने गोली चलाई तो दोनों पीछे हटकर लाल कोठी वाली गली के एक घर में छिप गए, लेकिन थोड़ी देर बाद जब वे दोनों बाहर निकले तो पुलिस फायरिंग का शिकार बन गए। दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

भव्य है श्रीराम मंदिर

107 एकड़ में मंदिर प्रांगण | **2.77** एकड़ में मुख्य मंदिर का एरिया | **161** फीट मंदिर की ऊंचाई | **235** फीट मंदिर की चौड़ाई

ऐसा रहा श्रीराम जन्म भूमि अयोध्या का इतिहास

साल 1528

बाबरी मस्जिद का निर्माण

बाबरी मस्जिद का निर्माण मुगल सम्राट कमांडर मीर बाकी ने कराया था। मीर बाकी ने ही इस मस्जिद का नाम बाबरी रखा था।

साल 1885

कोर्ट पहुंचा मामला

मामला पहली बार अदालत में पहुंचा। महंत रघुवरदास ने फैजाबाद अदालत में बाबरी मस्जिद से लगे राम मंदिर के निर्माण की इजाजत के लिए अपील दायर की।

साल 1950

पूजा के लिए मुकदमा

गोपाल सिंह विषारद ने फैजाबाद कोर्ट में मुकदमा दायर करके पूजा के अधिकार की मांग की थी। इसी केस के बाद हिंदुओं को मंदिर में पूजा-अर्चना का अधिकार मिला था।

साल 1950

मूर्तियां रखने मुकदमा

परमहंस रामचंद्र दास ने पूजा और मूर्तियों को रखने की लिए फैजाबाद कोर्ट में मुकदमा दायर किया था। परमहंस के इस कदम से राम मंदिर के आंदोलन को नई धार मिली।

साल 1959

विवादित स्थल पर मुकदमा

निर्मोही अखाड़ा ने विवादित स्थल पर कब्जे के लिए मुकदमा दायर किया।

साल 1981

वक्फ बोर्ड ने किया मुकदमा

यूपी सुन्नी वक्फ बोर्ड ने कब्जे को लेकर मुकदमा दायर किया।

साल 1986

हिंदुओं को पूजा करने की मिली अनुमति

1 फरवरी, 1986: स्थानीय अदालत ने स्थल को हिंदुओं की पूजा के लिए खोलने का आदेश दिया।

साल 1989

हिंदू पक्ष को राहत

14 अगस्त, 1989: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मामले में यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया।

साल 1992

बाबरी विध्वंस

6 दिसंबर, 1992: विवादित ढांचे को ढहा दिया गया। इसके बाद राम मंदिर के लिए आंदोलन ने और गति पकड़ी।

साल 2002

इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचा मामला

अप्रैल 2002: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने विवादित स्थल पर मालिकाना हक को लेकर सुनवाई शुरू की।

साल 2010

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

30 सितंबर, 2010: हाईकोर्ट ने विवादित स्थल को तीन बराबर हिस्सों में सुन्नी वक्फ बोर्ड, निर्मोही अखाड़ा और रामलला में बांटने का फैसला सुनाया।

साल 2011

हाईकोर्ट के फैसले पर 'सुप्रीम' रोक

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के तीन बराबर हिस्सों में बांटने के फैसले पर रोक लगाई।

साल 2018

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू

8 फरवरी, 2018: सुप्रीम कोर्ट ने सिविल अपीलों पर सुनवाई शुरू की।

साल 2019

संवैधानिक पीठ का गठन

सुप्रीम कोर्ट ने चीफ जस्टिस रंजन गोगोई की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय संविधान पीठ का गठन किया।

राम मंदिर पर ऐतिहासिक फैसला

2019 — **09 नवंबर**: सुप्रीम कोर्ट के 5 जजों की बेंच ने श्री राम जन्म भूमि के पक्ष में फैसला सुनाया। 2.77 एकड़ विवादित भूमि हिंदू पक्ष को मिली और मस्जिद के लिए अलग से 5 एकड़ जमीन मुस्लिम पक्ष को मुहैया कराने का आदेश दिया गया।

श्री राम मंदिर आंदोलन के दौरान पालथी मारकर कभी आराम से भोजन नहीं किया

साध्वी ऋतंभरा दीदी मां

श्री राम मंदिर के लिए काफी कीमत चुकाई अपमान झेले

इतने भाषण दिए थे कि गले में खून का थक्का जम गया था

श्री राम मंदिर के लिए काफी कीमत चुकाई, अपमान झेले। जो प्रताड़ना दी गईं, वह कभी भुलाई नहीं जा सकतीं। आंदोलन के दौरान भाषण देने इंदौर गई थी, तब मुझे एक घर से दिग्विजय सिंह की सरकार के इशारे पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने ऐसा तांडव मचाया कि डर के कारण उस घर की महिला का गर्भपात हो गया। इंदौर में सेंट्रल जेल थी, लेकिन पुलिस मुझे वहां नहीं ले गई। जंगल-जंगल सारा दिन घुमाते हुए मुझे ग्वालियर की जेल ले गए। उस वक्त भाषण बहुत देने होते थे। ऐसे में मुझे अस्थमा था। अस्थमा रोगी को इनहेलर तुरंत चाहिए होता है, लेकिन उन लोगों ने न तो इनहेलर लेने दिया और न ही दवाएं। ग्वालियर की जेल में जिस बैरक में रखा, उसमें 70-72 लोग थे। बहुत से झींगुर थे। शौचालय में घुटनों तक मलमूत्र भरा था। दुर्गंध के बीच सांस लेना भी मुश्किल हो रहा था। बड़ा सा बल्ब मेरे सिर के ऊपर लगा दिया। जिससे उसकी तेज रोशनी में मैं सो न पाऊं। ये मेरे खिलाफ षड्यंत्र था दिग्विजय सिंह की सरकार का। चार दिन मुझे अवैध रूप से बैरक में रखा। जबकि बड़े से बड़े अपराधी को 24 घंटे में कोर्ट के सामने ले जाया जाता है। मेरे साथ ऐसा व्यवहार कर रहे थे, जैसे मैं पाकिस्तान से आई आतंकवादी हूं। इसी तरह नागपुर में भाषण के बाद ही गिरफ्तार करने की योजना बनी। मेरे कार्यकर्ताओं ने ये बताया तो मैं स्टेज से कूद गई। मेरे साथ गुरु बहन साध्वी साक्षी थीं। हम पीछे दौड़ते गलियों में गए। एक लकड़ी के कारखाने में बुरादे के बोरे में छिपकर खुद को बचाया। भेष बदलकर इतनी बार भागना पड़ा कि उसकी गिनती नहीं। ललितपुर में सभा के दौरान जिस घर में मैं रुकी थी, पुलिस ने वह घर घेर लिया। मेरे लंबे बाल थे, सारे बाल काटकर छोटे करने पड़े। ललितपुर में मैंने साड़ी पहनी और एक बच्चा गोद में लिया, तब पुलिस से बचकर निकली। इंदौर में एक आधुनिक लड़की बनकर साइकिल चलाते पुलिस के सामने से निकलना पड़ा, ताकि वह पहचान न सके।

हमारी तो भूमिका एक गिलहरी के जैसी थी

रामविलास वेदांती को मुझे राम मंदिर आंदोलन में ले जाने का श्रेय जाता है। वह उत्तर प्रदेश के जालौन में एक गांव में जनसभा में मुझे मिले। उन्होंने हमें रामजन्मभूमि आंदोलन में आने को कहा। तब हम अयोध्या गए थे, वहां सरयू का जल हाथ में लेकर रामकाज करने की शपथ ली और अपना जीवन रामजन्मभूमि आंदोलन को समर्पित कर दिया। विहिप का ये आंदोलन था, मार्गदर्शक मंडल के संतों ने सब तय किया था। अशोक सिंघल जी, आचार्य गिरिराज किशोर, दिगंबर अखाड़े के रामचंद्र परमहंस समेत बड़े-बड़े संत थे। हमारी तो भूमिका एक गिलहरी के जैसी थी। हां, इतना जरूर था कि जिस जनसभा में ऋतंभरा को बोलना होता था, उस मंच पर किसी और का भाषण सुनने को जनता तैयार नहीं होती थी। मैं प्रमुख चेहरों में खुद को नहीं मानती।

कंटेंट टीम : अयोध्या से राजेंद्र पांडे, मथुरा से डॉ. कमलकांत उपमन्यु, भोपाल से मधुरिमा राजपाल, सीहोर से जुगलकिशोर पटेल, दतिया से राजीव मिश्रा।
ग्राफिक्स एवं ले-आउट- अशोक कुमार साहू, गोपीचंद जायसवाल

Page-2_Layout 1 1/21/2024 6:28 PM Page 1

प्रसन्नतां या न गताभिषेकतस्तथा न मम्ले वनवासदुःखतः।
मुखाम्बुजश्री रघुनन्दनस्य मे सदास्तु सा मंजुलमंगलप्रदा॥2॥

रघुकुल को आनंद देने वाले श्री रामचन्द्रजी के मुखारविंद की जो शोभा राज्याभिषेक से (राज्याभिषेक की बात सुनकर) न तो प्रसन्नता को प्राप्त हुई और न वनवास के दुःख से मलिन ही हुई, वह (मुखकमल की छबि) मेरे लिए सदा सुंदर मंगलों की देने वाली हो॥2॥

श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा

प्राण-प्रतिष्ठा कई पीढ़ियों के आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और हमारी सभ्यता के साथ गहरे जुड़ाव का है 'प्रतीक'

काल और देश से परे क्यों हैं मर्यादा पुरुषोत्तम राम

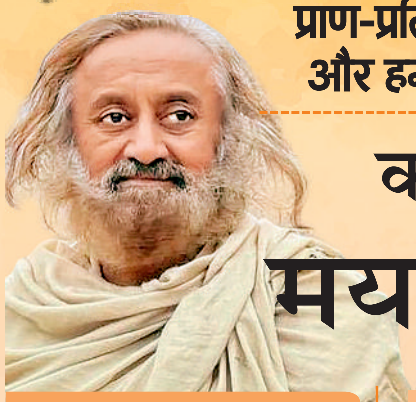

राम का अर्थ है, 'मेरे हृदय का प्रकाश'। जो आपके भीतर प्रकाशमान है, वे राम हैं । जो सृष्टि के कण-कण में दीप्तिमान है, वे राम हैं।

श्री श्री रविशंकर
अध्यात्मिक गुरु

इस देश में, राम हर किसी के जीवन का एक अंश हैं। रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा, सद्भाव के उत्सव का प्रतीक है। इस उत्सव के आनंद और आपसी सौहार्द्र की भावना, धार्मिक सीमाओं से परे है और सभी को एकजुट करती है। प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान, एक गहन समारोह होता है, जो दिव्य मूर्ति में प्राण के संचार का प्रतीक है। साधारण जनमानस ईश्वर को मूर्तियों, पत्थरों और पेड़-पौधों में भी देखता है और प्राण प्रतिष्ठा, सूक्ष्म विज्ञान और उत्सव की एक श्रृंखला का प्रतिनिधित्व करती है जो भौतिकता और आध्यात्मिकता के मध्य एक मधुर संबंध को दर्शाता है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा एक ऐतिहासिक क्षण है, जहां लाखों लोगों का सपना साकार हो रहा है। यह केवल एक मंदिर निर्माण के वि में नहीं है बल्कि उससे कहीं अधिक है; यह कई पीढ़ियों के आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और हमारी सभ्यता के साथ गहरे जुड़ाव का प्रतीक है।

अयोध्या यानी जहां कोई युद्ध नहीं हो सकता

राम का अर्थ है, 'मेरे हृदय का प्रकाश'। जो आपके भीतर प्रकाशमान है, वे राम हैं । जो सृष्टि के कण-कण में दीप्तिमान है, वे राम हैं। भगवान राम का जन्म दशरथ और कौशल्या से हुआ था। संस्कृत में दशरथ का अर्थ है, 'दस रथों वाला'। यह पांच ज्ञानेंद्रियों और पांच कर्मेंद्रियों का प्रतीक है। संस्कृत में कौशल्या का अर्थ है, 'कुशल'। दस रथों का कुशल सारथी ही राम को जन्म दे सकता है। जब पांचों ज्ञानेंद्रियों और पांचों कर्मेंद्रियों का कुशलतापूर्वक उपयोग किया जाता है तो भीतर प्रकाश का उदय होता है। राम का जन्म अयोध्या में हुआ था, जिसका अर्थ है 'वह स्थान जहां कोई युद्ध नहीं हो सकता'। जब मन में कोई द्वंद्व नहीं होता तो प्रकाश का उदय होता है। मन की पकड़ से मुक्त होने की दिशा में पहला कदम यह पहचानना है, ओह, मैं यह नहीं हूं। दूसरा चरण है, यह अनुभव करना कि मन आपको पकड़ रहा है। तीसरा चरण है, इसके साक्षी हो जाएं। इससे बचने की कोशिश करने या इसमें सम्मिलित होने के बजाए, परिस्थितियों को स्वीकार करने से आपको साक्षी बनने में सहायता मिलती है। इस स्तर पर, आप देख सकते हैं कि चीजें हो रही हैं-आपका मन कल्पनाओं और विचारों से भरा हुआ है और वे मन में आते-जाते रहते हैं।

राम मर्यादा पुरुषोत्तम क्यों ?

श्री राम ने सम्पूर्ण मानवता के लिए सत्यवादिता, अनुशासन और प्रतिबद्धता का आदर्श उदाहरण स्थापित किया । उन्होंने स्वयं एक बहुत ही अनुशासित जीवन जिया। वे एक आदर्श पुत्र, एक आदर्श शिष्य और एक आदर्श राजा थे। उन्होंने जीवन की सभी भूमिकाओं का निर्वहन बहुत अच्छे से किया इसीलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है। आज भी यदि कोई ऐसा कार्य है जिसमें विफलता की कोई संभावना नहीं है, तो उसे रामबाण कहा जाता है। क्या आप जानते हैं, यदि कोई ऐसी दवा है जो बिना किसी असफलता के काम करती है, तो उसे बोलचाल की भाषा में रामबाण कहते है। इसलिए, चिकित्सा शब्दावली में बोलचाल की भाषा में इस शब्द का उपयोग बहुत किया जाता है। अन्य संदर्भों में भी, यदि कोई रणनीति 100% प्रभावी है तो उसे रामबाण के रूप में संदर्भित किया जाता है। रामबाण बिना किसी विफलता के लक्ष्य को भेदता है।

क्या है रामराज्य ?

जीवन के उच्च सत्य को प्राप्त करने की दिशा

एक सुव्यवस्थित राज्य को रामराज्य कहा जाता है। रामराज्य का सपना हजारों वर्षों से हमारे साथ रहा है। रामराज्य क्या है? यह एक ऐसा राज्य है जहाँ सभी को न्याय मिलता है, हर कोई समृद्ध है और हर कोई संतुष्ट है। जब समाज में स्वास्थ्य, आनंद, समृद्धि और न्याय प्रचलित होता है, और लोग भौतिक संपत्ति या शत्रुता में उलझने के बजाए जीवन के उच्च सत्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहे होते हैं, तो वह रामराज्य होता है। इस तरह का समाज हमेशा से इस देश के लोगों का सपना रहा है। यही कारण है कि रामराज्य के समाज के वर्णन ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लोगों को और भी अधिक प्रेरित किया है। भारत को रामराज्य बनाना, महात्मा गांधी का बहुत बड़ा सपना था। उन्होंने श्री र का नाम लिया और भारत की स्वतंत्रता के लिए राम के नाम से पूरे भारत को एकजुट की।

उस समय ब्रज की गलियों में गूंज रहा था

चतुः विरक्त वैष्णव परिषद के श्रीमहंत फूलडोल बिहारी दास बताते है कि राम मंदिर आंदोलन के लिए सन 89 से ही लगातार सक्रिय रहकर हर आंदोलन में अपनी सहभागिता दी है। राम मंदिर आंदोलन के लिए ब्रज क्षेत्र में 1992 के आंदोलन को ब्रज में धार देने के लिए विश्व हिंदू परिषद की ओर से संतों को एकजुट करने की जिम्मेदारी मेरी ही कंधों पर थी।

'बच्चा-बच्चा राम का जन्मभूमि के काम का'

कारसेवा के लिए हजारों की संख्या में संतों के साथ बृजवासियों ने भी किया था अयोध्या कूच

राम मंदिर आंदोलन के लिए 40 दिन की जेल यात्रा भी संघर्ष का एक वह सुनहरा अध्याय था, जिसने राम मंदिर के लिए हमारे संकल्प को और मजबूत करने का कार्य किया। 'बच्चा-बच्चा राम का जन्मभूमि के काम का' के नारे के साथ ब्रज क्षेत्र में आम जनमानस को राम मंदिर आंदोलन से जोड़ने के लिए संतों की टोली बनाकर उस समय वृंदावन, गोवर्धन, नंदगांव, बरसाना, महावन, गोकुल, दाऊजी आदि क्षेत्रों में कार्य को गति प्रदान की थी। सपा सरकार के दौरान छिप-छिपाकर रात में वह राम मंदिर आंदोलन को गति देने का कार्य करते थे। मोतीझील स्थित स्वामी अखंडानंद आश्रम में राम मंदिर आंदोलन के पुरोधा रहे स्वामी वामदेव महाराज के सानिध्य में स्वामी महेशानंद सरस्वती के द्वारा भी राम मंदिर आंदोलन के लिए के लिए उस समय अलख जगाने का कार्य किया गया था। स्वामी महेशानंद सरस्वती बताते हैं कि सपा नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार द्वारा उस समय संतों को पुलिस द्वारा नजरबंद कर दिया जाता था। राम मंदिर के लिए हिंदुओं को एकजुट करने के लिए घर-घर जाकर लोगों को जागृत करने का कार्य किया जाता था । अयोध्या में कारसेवा के आह्वान पर वह भी अयोध्या में कारसेवा के लिए निकले थे। इसी दौरान पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन उन्हें जेल न भेजकर एक स्कूल में नजरबंद करके रखा गया। नाभापीठाधीश्वर महंत सुतीक्ष्ण दास महाराज बताते हैं कि उनके गुरु महंत भगवान दास महाराज के सानिध्य में राम मंदिर आंदोलन के दौरान उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई थी।

प्रभु श्री राम का अयोध्या और अवंतिका से बहुत गहरा संबंध और यह वनवास मार्ग का सबसे प्रमुख स्थान है

अपलक देखिए तो भगवान के श्रीमुख से आनंद 'टपकता' महसूस होता है...

दिव्य, भव्य, अलौकिक होगा रामलला का मंदिर

मैं तो उन्हीं से प्रतिदिन याचना करता था कि हे प्रभु, आप तो दुनिया का कल्याण करते हैं, फिर इस टेंट से आप कब अपने मंदिर में पहुंचेंगे?

आचार्य सत्येंद्र दास
मुख्य पुजारी
श्रीराम जन्मभूमि मंदिर अयोध्या

अयोध्या और मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अन्योन्याश्रित हैं। इन्हें अलग नहीं देखा जाना चाहिए। मैंने वह दौर भी देखा है, जब रामलला के पास तक पहुंचने में श्रद्धालुओं को बड़े कष्ट झेलने पड़ते थे। एक अस्थायी मंदिर में रामलला विराजमान हुआ करते थे। श्रद्धालु चाह कर भी उन तक नहीं पहुंच पाते थे। मंदिर ही नहीं अयोध्या बंदिशों में जकड़ी रहती थी। कारण चाहे कुछ भी रहे हों लेकिन श्रद्धालुओं के साथ ही हम सभी को भी इसकी असह्य पीड़ा हुआ करती थी। यह सोच कर मन कभी-कभी उदास हो जाता था कि हम लोग तो विविध भौतिक संसाधनों के साथ निवास करते हैं, लेकिन हमारे आराध्य टेंट में रहते हैं, बाध्यताएं कुछ इस तरह की थी कि चाह कर भी कुछ नहीं हो पा रहा था। मैं तो उन्हीं से प्रतिदिन याचना करता था कि हे प्रभु, आप तो दुनिया का कल्याण करते हैं, फिर इस टेंट से आप कब अपने मंदिर में पहुंचेंगे। हर बार मन कहता था कि इंतजार कीजिए, जल्द ही यह सपना भी पूरा होगा।

श्रीराम मंदिर, रामलला के विराजमान होने के साथ यह दिव्य, भव्य और अलौकिक दिखेगा। अपलक देखिए तो भगवान के श्रीमुख से आनंद टपकता महसूस होता है। अब श्रद्धालुओं पर आनंद के बारिश के क्षण आने वाले हैं। तीन दशक से भगवान रामलला की सेवा में हूं। भगवान की कृपा को मैं साक्षात अनुभव करता हूं।

पूरा विश्व भगवान रामलला की कृपा से आच्छादित होगा

रामलला को रहने के लिए भव्य मंदिर की कल्पना आज से नहीं शताब्दियों से की जा रही थी, लेकिन लंबे संघर्ष के बाद भगवान की कृपा हुई। नौ नवंबर 2019 के ऐतिहासिक फैसले के बाद मन को बड़ा सुकून मिला। लगा कि अब हमारे आराध्य को उचित स्थान प्राप्त होगा, हो भी ऐसा ही रहा है। आज भगवान का घर अलौकिक दिखने लगा है। इसका वैभव 22 जनवरी को दमकने लगेगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट मंदिर को अलौकिक बनाने के प्रयास में है। पूरी अयोध्या ही नहीं पूरा विश्व भगवान रामलला की कृपा से आच्छादित होगा। श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी है। यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयास का प्रतिफल है। मोदी और योगी जैसा योग्य नेतृत्व कोई नहीं है। मैं तो उम्मीद करता हूं कि आने वाले समय में रामलला के मंदिर के साथ ही अयोध्या एक बार फिर विश्व की पहली नगरी हो जाएगी।

त्रेता युग में 14 वर्ष वनवास के बाद भगवान श्री राम अयोध्या लौटे थे तब कितना उल्हास और उमंग रही होगा, आज फिर वही उल्लास है, उमंग है, भक्ति है, भावना है

अवंतिका, श्रीराम के मर्यादा पुरुषोत्तम राम बनने का और रामराज्य की स्थापना का महत्वपूर्ण सेतु

-पंडित महेश पुजारी
महाकालेश्वर मंदिर
उज्जैन

पांच दशक के बाद आज भारत भूमि राममय हो रही है और अयोध्या के साथ देश का सनातनी बच्चा बच्चा प्रभु श्री राम के आगमन प्रमाण प्रतिष्ठा से आनंदित प्रसन्न हो रहा है। प्रभु राम जन जन के मानस में विद्यमान हैं ।

जब आक्रांताओं ने कहर बरपाया तब भी अयोध्या वही थी और सरयू वही थी लेकिन आज अयोध्या और सरयू भाव विभोर है, जब भगवान तंबू में थे तब व्याकुलता थी लेकिन आज सभी राम भक्तों में दर्शनों की आतुरता है फिर चाहे मंदिर में पूजन करता पुजारी हो या कतार में लगा भक्त, सड़कों पर चलते लोग हों या ट्रेन, बसों में सफर करते यात्री, नदी में नहाते श्रद्धालु हो सभी में आतुरता देखी जा रही है। अवधेश प्रभु श्री रामचंद्र की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी के बीच भारत भूमि पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक राष्ट्रीय एकात्मकता और समरसता के प्रवाह से युक्त है। आदि कवि वाल्मीकि कृत रामायण और महाकवि तुलसीदास द्वारा रचित रामचरितमानस यह प्रभु राम के शौर्य और आदर्श के साथ विरह के ग्रंथ भी लगते हैं क्योंकि क्रंच वध से विरह की पीड़ा झेलती क्रोंची को देखकर आदि कवि वाल्मीकि श्री नारद जी से रामायण रचने की प्रेरणा का सूत्र पाते हैं, तुलसीदास जी भी अपनी पत्नी के विरह से पीड़ित रहे और जब पत्नी से ही धिक्कार मिला तो रामचरितमानस रच देते हैं।

अयोध्या पहली तो सातवीं मोक्षदायी नगरी अवंतिका

-हमारे धर्म शास्त्रों में सप्त नगरियों का उल्लेख है जो मोक्षदायी मानी गई है जिसमें पहला नाम अयोध्या है और सातवां अवंतिका (उज्जैन)। प्रभु श्री राम का अयोध्या और अवंतिका से बहुत गहरा संबंध है जिसका धर्म शास्त्रों में उल्लेख स्पष्ट है अपने वनवास के समय यात्रा मार्ग में जब उज्जैन आया तो उन्होंने शिप्रा के तट पर पिशाच मोचन तीर्थ पर अपने पिता और पूर्वजों के मोक्ष प्राप्ति के लिए श्राद्ध तर्पण किया इस कारण वह घाट ,रामघाट कहलाया वहीं से राम सीढ़ी होते हुए अपने आराध्य कालाधिपति भगवान शिव महाकाल के दर्शन कर आगे बढ़े। भगवान और भक्त एक दूसरे के बिना अधूरे होते हैं उसी प्रकार यदि प्रभु श्री राम का नाम हो और भक्त शिरोमणी हनुमान जी का नाम ना हो, ऐसा हो ही नहीं सकता क्योंकि हनुमान जी की जैसी भक्ति की पराकाष्ठा किसी में नहीं है शायद इसलिए श्री राम भी कहते हैं कि हनुमान 'तुम मम प्रिय भारतही सम भाई' ।

आदि अंत कोऊ जासु न पावा

अहिरावण और महीरावण प्रभु श्री राम और लक्ष्मण को पाताल लोक ले गया था तब हनुमान जी ने पाताल लोक जाकर उनका वध कर प्रभु राम और लक्ष्मण को सुरक्षित किया और जब उन्हें पृथ्वी पर लाने के लिए चले तो मार्ग में संशय होने पर अपनी बुद्धि का प्रयोग करते हुए हनुमान जी ने पृथ्वी के नाभि स्थल बाहर आए और पृथ्वी का नाभि स्थल उज्जैन है, अपने आराध्य को सुरक्षित लेकर आने पर हनुमान जी ने नृत्य मुद्रा से अपनी प्रसन्नता प्रकट की। वह स्थान आज भी उज्जैन के अंकपात क्षेत्र में विष्णु सागर पर नृत्याकार हनुमान के नाम से प्रसिद्ध है। उज्जैन में ऐसे कई स्थान हैं जिनका प्रभु श्री राम से संबंध है। इससे सिद्ध होता है कि हिंदू सनातन धर्म की पहली मोक्षदायी पुरी अयोध्या और सप्तम मोक्षदायी पूरी अवंतिका का अटूट संबंध है। यह प्रभु राम के वनवास मार्ग का सबसे प्रमुख स्थान रहा है यह श्री राम के, मर्यादा पुरुषोत्तम राम बनने का और राम राज्य की स्थापना का महत्वपूर्ण सेतु है।

page-5_Layout 1 1/21/2024 6:42 PM Page 1

कहि न जाइ कछु नगर बिभूती। जनु एतनिअ बिरंचि करतूती॥
सब बिधि सब पुर लोग सुखारी। रामचंद मुख चंदु निहारी॥

नगर का ऐश्वर्य कुछ कहा नहीं जाता। ऐसा जान पड़ता है, मानो ब्रह्माजी की कारीगरी बस इतनी ही है। सब नगर निवासी श्री रामचन्द्रजी के मुखचन्द्र को देखकर सब प्रकार से सुखी हैं॥

श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा

सभी सनातनियों और भगवान श्रीराम के भक्तों के लिए यह गौरव का क्षण

यह भारत की आत्मा को ही पुनर्जीवित करने का प्रयास

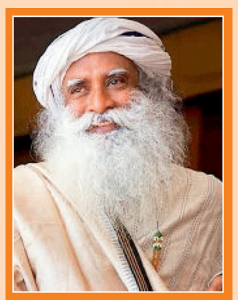

सदगुरु वासुदेव जग्गी महाराज
आध्यात्मिक गुरु

अयोध्या में आगामी 22 जनवरी को श्री राम मंदिर का उद्घाटन होने जा रहा है। मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर सभी सनातनियों और भगवान श्री राम के भक्तों के लिए गौरव का क्षण है। इसके विपरीत कुछ लोग निरंतर रूप से मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम पर कई तरह की विवादित टिप्पणियां कर रहे हैं। ये लोग भारतवर्ष के ही हैं। सदगुरु ने कहा कि जो लोग मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम पर विवादित टिप्पणिया कर रहे हैं, उन लोगों ने न कभी रामायण पढ़ी है और न ही संस्कृत। न ही इन्हें भारतीय प्राचीन संस्कृति की जानकारी है। भगवान श्री राम जन-जन की आस्था के केंद्र हैं। उन पर अशोभनीय टिप्पणी करना पूर्णतः अनुचित है। प्राण प्रतिष्ठा में सच्चे मन और पूर्ण आस्था से कोई भी व्यक्ति शामिल हो सकता है।

सच्चे ज्ञान का प्रचार-प्रसार करने के लिए लोगों को आध्यात्म से जुड़ने की बहुत आवश्यकता है कि राम का अनुसरण करना। कोई भी व्यक्ति ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास आश्रमों में जीवन व्यतीत कर हर तरह की पूजा कर सकता है। बस उसमें मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के अपनाए गुण संयमित और संतुलित होने की जरुरत है। राम मंदिर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यदि हम देश के उत्तरी भाग की बात करें तो राम उनकी आत्मा है। 500 साल पहले विदेशी हमलावरों ने उसे भव्य मंदिर को तोड़कर अपनी इमारत बनाई और फिर प्राचीन काल से ही बुनियादी रुप से यह विवाद बना रहा और करीब 135 साल तक अदालत में मंदिर से जुड़ा यह केस चलता रहा, और करीब तीन चार दशकों से सुप्रीम कोर्ट में केस चला। क्योंकि, कोई भी न्यायाधीश इस पर निर्णय देने से कतराता रहा। आखिरकार इस लंबी प्रक्रिया एवं पुरातत्व के सबूत के आधार पर हजारों वर्षों पुराना मंदिर होने का प्रमाण मिले और अब 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के रुप में भारतीय आत्मा पुनः पुर्नजीतिव होगी। घायल भारतीय आत्मा, मंदिर के रूप में पुनर्जीवित होकर, साकार रूप लेगी इस प्रकार यह मंदिर नहीं बल्कि भारत की आत्मा को पुनर्जीवित करने का प्रयास है।

श्रीराम आस्था और आदर के केंद्र

यह सिर्फ एक धर्म या संप्रदाय से ही जुड़ा नहीं है बल्कि बहुत से अन्य धर्म के लोग भी राम की आराधना करते हैं, उनका अनुसरण करते हैं और राम मंदिर एक प्रकार से भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग हैं या मैं यह कह सकता हूं कि घायल भारतीय आत्मा का पुनर्जीवन पुनः लौटना है। और इस मंदिर निर्माण से बहुत से दिलों दिमाग को ठंडक पहुंची है, दो समुदायों के बीच कई दशकों से बिना मतलब का जो टकराव चल रहा था उसका भी अंत हुआ है और अब घायल भारतीय आत्मा इस मंदिर के रूप में पुनर्जीवित होकर अपना साकार रूप लेगी। सिर्फ हिंदू धर्म के ही नहीं बल्कि अन्य धर्मों के लोगों के आस्थ का केंद्र श्री राम है। क्योंकि मानव रुप में उन्होंनेअपने कर्मों से समाज के समक्ष आदर्श प्रस्तुत किए और वो मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए। भगवान की फोटो तो लोग दीवार पर लगा देते हैं, लेकिन मर्यादा पुरुषोत्तम के आदर्श व जीवन मूल्यों का अनुसरण करते हैं और मुझे नहीं लगता कि श्री राम ने जो दुख संकट झेले हैं वह कोई साधारण मानव झेल सकता है। श्री राम ने जीवन भर अपने जीवन में संयम का पालन किया। भारतीय मानस में श्रीराम का महत्व इसलिए नहीं है क्योंकि उन्होंने जीवन में इतनी मुश्किलें झेलीं बल्कि उनका महत्व इसलिए है कि उन्होंने उन तमाम मुश्किलों का सामना बहुत ही धैर्य व शिष्टतापूर्वक किया। अपने सबसे कठिन क्षणों में भी उन्होंने स्वयं को अत्यंत गरिमापूर्ण रखा। उसके अनंतर वे एक बार भी न तो क्रोधित हुए न उन्होंने किसी को दोष दिया न ही घबराए या उत्तेजित हुए। ऐसे में सम्पूर्ण भारत वर्ष में श्री राम आस्था और आदर का केंद्र है। राम मंदिर उसी आस्था का आधार।

श्री राम ने तमाम मुश्किलों का सामना बहुत ही धैर्य व शिष्टतापूर्वक किया

प्राण प्रतिष्ठा का अर्थ है, जीवन शक्ति की स्थापना करना या देवता को जीवन में लाना

श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति के लिए ली गई सौगंध किए गए संघर्ष, दिए गए बलिदान सार्थक हो गए

गुरु शरण महाराज
पीठाधीश्वर श्री पंडोखर धाम सरकार, दतिया

समस्त भारतवासी भगवान राम के भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तैयारी कर रहे हैं। भगवान राम का यह मंदिर लगभग तैयार हो गया है और अब बस इंतजार है तो 22 जनवरी का , जहां भगवान राम अभिजीत मुहूर्त में अपने भाइयों के साथ बाल स्वरूप में भव्य मंदिर के गर्भ ग्रह में विराजेंगे। इस मंदिर में कई बाते हैं, जो इसको अन्य मंदिरों से बेहद खास बनातीं है। रामलला के इस भव्य मंदिर को इतिहास और सुविधाओं के संगम के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे यहां आने पर श्रद्धालुओं को त्रेता युग की परंपराओं और भव्यता का अनुभव हो सकेगा। मध्य प्रदेश के दतिया में भी रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। राम मंदिर में रामलला की पूजा रामानंदी परंपरा से होगी। हिंदू धर्म में किसी भी मंदिर में की जाने वाली भगवान की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का बहुत बड़ा महत्व होता है। प्राण प्रतिष्ठा का अर्थ है, जीवन शक्ति की स्थापना करना या देवता को जीवन में लाना। प्राण प्रतिष्ठा के जरिए मूर्ति में जीवन शक्ति का संचार करके उसे देवता के रूप में बदला जाता है। इसके बाद वो पूजा के योग्य बन जाती है। राम चरित मानस में चैत्र शुक्ल नवमी को जब भगवान राम का प्राकट्य हुआ था। उस समय भी अभिजीत मुहूर्त था। 22 जनवरी को भी पौष शुक्ल अभिजीत मुहूर्त है।

श्रीराम जन्मभूमि पर लगभग 80 बार हमले हुए

करोड़ों रामभक्त सनातन धर्मावलंबियों एवं लाखों कारसेवकों के लिए अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की पुनर्प्रतिष्ठा होना अत्यंत गौरवान्वित करने वाला क्षण है क्योंकि उनके द्वारा खाई गई सौगंध , किए गए सैकड़ों संघर्ष और दिए गए लाखों बलिदान आज सार्थक हो गए हैं। भारत पर मुगलों का आक्रमण सनातनधर्मियों के लिए उनके अस्तित्व पर संकट का समय था परंतु हमारे पूर्वजों के शौर्य और बलिदानों ने मुगलों के मंसूबों पर पानी फेर दिया। हमारे धर्म , संस्कृति और इतिहास को नष्ट - भ्रष्ट करने के लिए मुगलों ने अनेक आक्रमण किए , उन्होंने हिंदुओं पर अनेक मर्मांतक अत्याचार किए और शस्त्र (तलवार) की दम पर हिंदुओं का ही बड़ी संख्या में धर्म परिवर्तन कराया। मुगल आक्रमणकारी भारत को 'दारुल हरब' से 'दारुल इस्लाम' में परिवर्तित करने के मंसूबे पाले हुए थे। स्वतंत्रता के बावजूद परावर्तित हो गए हमारे ही रक्त संबंधियों में विधर्मियों के खान-पान , रहन-सहन , आदतें और कुसंस्कार आ जाने के कारण आज भी भारत के इस्लामीकरण की मानसिकता बनी हुई है। सनातनियों के सात्विक खान-पान , सोच-विचार और संस्कारों का ही परिणाम है कि हमारे शौर्यपूर्ण संघर्षों से आज भी सत्य सनातन धर्म की ध्वजा पताका अखिल विश्व में लहरा रही है। हमारी आध्यात्मिक चेतना और शक्ति के आधार बिंदुओं अर्थात हमारी श्रद्धा, आस्था और विश्वास के प्रतीक मानबिंदुओं को मुगलों ने समय-समय पर नष्ट करने के अनेक प्रयास किए। 16 वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में मुगल सम्राट बाबर ने अपने सेनापति मीर बाकी को हिंदुओं की अगाध श्रद्धा के शक्तिकेंद्र अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पर आक्रमण करने का आदेश दिया। फलतः मीर बाकी ने 1528 ईस्वी में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पर अपनी सेना के साथ आक्रमण कर दिया और सनातनियों के प्रतिकार के बावजूद बाबरी सेना ने मंदिर को तोड़ दिया और उसी स्थान पर आनन-फानन में तोड़ दिए गए मंदिर के मलबे से ही मस्जिद बनाने का नाकाम प्रयास किया।

दिसंबर 1949 की रात प्रकट हुआ था अलौकिक प्रकाश पुंज

दिसंबर 1949 में एक रात अयोध्या स्थिति राम जन्मभूमि में एक अलौकिक और दिव्य तेज प्रकाश पुंज देखा गया जिसके साक्षी वहां के स्थानीय हिंदू-मुसलमान रहवासी हैं। इस घटना के घटित होते ही रामलला के प्रकट होने का समाचार जंगल में आग की तरह चहुं ओर तीव्रता से फैल गया। तत्कालीन मुख्यमंत्री गोविंद बल्लभ पंत के आदेश पर विवादित स्थल पर लोहे के सरियों वाला दरवाजा लगाकर उस पर ताला मढ़ दिया गया और प्रशासन ने इस स्थान को अपने कब्जे में ले लिया परंतु नित्य पूजन आरती को बाधित नहीं किया गया। इसके बाद से ही यह मामला अदालती वाद परिवाद में उलझता रहा। 6 दिसंबर 1992 की निर्णायक कारसेवा करते हुए कारसेवकों ने अपने प्राणों की परवाह न करते हुए एक बार फिर विवादित ढांचे पर भगवाध्वज फहरा दिए और अपने पराक्रम से बाबरी कलंक रूपी ढांचे को हमेशा के लिए ध्वस्त कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिलान्यास करते ही पूर्णता को प्राप्त हो रही थी और आज भव्य मंदिर में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही वह सौगंध भी पूर्ण हुई। भारत की आध्यात्मिक शक्ति और शौर्य गाथा विश्व में अमर हो गई है और भारत में रामराज्य की पुनर्स्थापना का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

22 जनवरी किसी एक धर्म का नहीं बल्कि संपूर्ण भारतीय समाज का महापर्व और विजय दिवस

अवधेशानंद जी महाराज
अध्यात्मिक गुरु

राम चरित मानस में चैत्र शुक्ल नवमी को जब भगवान राम का प्राकट्य हुआ था, उस समय भी अभिजीत मूहूर्त था

भारतीय संस्कृति के लिए अनुपम उत्सव भारतवर्ष गौरव की अनुभूति से सराबोर

आज संपूर्ण भारत आल्हादित है, उल्लासित है। धरा पर उल्लास के फूल खिल रहे हैं। आज संपूर्ण भारतवर्ष गौरव की अनुभूति से सराबोर है क्योंकि वो अवसर आ गया जब राम लला अपने मंदिर में विराजित होंगे, 22 जनवरी राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की वह शुभ घड़ी आ गई है जिसकी हमें बरसों से आस थीं, हम कभी सपने में भी नहीं सोच पा रहे थे कि हमारा राम मंदिर से जुड़ी वह आस्था अब साकार रूप लेगी। विदेशों में बसे भारतीयों के लिए भी अद्भुत आलौकिक दिवस है। मंदिर निर्माण के पीछे न जाने कितने संघर्ष हुए, कितने बलिदान हुए, कितने आंदोलन हुए। मैंने तो 7 अक्टूबर 1984 का भी वह समय देखा है जब संत समाज वहां पहुंचा था, फिर राम लला को ताले से बाहर लाने के जो प्रयास हुए, कार सेवकों से जो अमानवीय अत्याचार हुए। इन सभी अत्याचारों का हल सुप्रीम कोर्ट ने हमें न्याय प्रदान करके दिया। मैं तो यूं कहूंगा कि 22 जनवरी न केवल भारत में रह रहे बल्कि विदेशों में बसे भारतीयों के लिए भी अद्भुत आलौकिक दिवस है, भारतीय संस्कृति के लिए एक अनुपम उत्सव है।

कार सेवकों का संघर्ष- बलिदान खाली नहीं गया

मंदिर निर्माण की हमारी आस्था आज साकार प्रतीत हुई क्योंकि हमें विश्वास था कि एक न एक दिन हमारी विजय होगी और इस मंदिर निर्माण के लिए कई संगठन खड़े हुए, विश्व हिंदू परिषद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अंतर्गत भी और आज सबका प्रयास सार्थक प्रतीत होता दिख रहा है। कार सेवकों का संघर्ष, उनका बलिदान खाली नहीं गया, आज संपूर्ण भारतवर्ष राममय हो गया। पूरे राष्ट्र की चेतना में राम मुखर होकर जीवंत प्रतीत हो रहे हैं। चैतन्य में कण कण में राम की कल्पना का अभिव्यक्त रुप देखने को मिल रहा है। संपूर्ण भारतीय समाज का महापर्व है 22 जनवरी। श्री राम मंदिर का निर्माण ऐसे ही नहीं हो गया, कई दशकों की कानूनी लड़ाई लड़ी, साक्ष्य रखे, खुदाई हुई, प्रमाण मिले और आखिरकार विजय सत्य की हुई। क्योंकि, मर्यादा पुरुषोत्तम राम का जीवन मूल्य ही है असत्य पर सत्य की जीत। वर्तमान में भी न्यास बनाया है, सभी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रित किया है क्योंकि 22 जनवरी किसी एक धर्म का नहीं बल्कि संपूर्ण भारतीय समाज का महापर्व है, विजय दिवस है और सभी विवादों का अंत है। विशालकाय बाधाओं का, समस्याओं का भी समाधान हुआ है। लेकिन, हम उन बलिदानों को भी नहीं भूल सकते जिन्होंने राम लला को संपूर्ण जगत में मंदिर में विराजित होने में आहुति दी है।

राम मंदिर निर्माण की ज्वाला हर भारतीय के सीने में धधक रही थी

अब उच्चतम सर्वोत्तम श्री राम उपलब्ध होंगे उनके स्वयं के मंदिर में। श्री राम मंदिर निर्माण के लिए कानूनी लड़ाई मुझे अंत हीन लगती थी, आखिरकार कोर्ट का फैसला आया, भूमि पूजन हुआ और अब प्राण प्रतिष्ठा का वह अवसर है, जिसकी आस लाखों आंखें बरसों से लगाए रखी थीं। जब 1528 में भव्य मंदिर को ध्वस्त करके विवादित ढांचा खड़ा कर दिया था तभी से हिंदुओं की आत्मा कौंध रही थी और तभी से राम मंदिर निर्माण की ज्वाला हर भारतीय के सीने में धधक रही थी। आज मेरी आंखों में वही पुराने संघर्ष के दिन याद आते हैं, 1983 से में हिंदू जागरण मंच से जुड़ा और 1984 तक संघर्ष की यात्रा का साक्षी बना। हम जानते थे कि मंदिर निर्माण होगा, उस क्षण हमने शपथ ली थी कि राम लला को उनके मंदिर में उनके स्थान पर विराजित करेंगे, लेकिन यह नहीं पता था कि हम उस भव्य व आलौकिक क्षण के साक्षी भी बन पाएंगे। आज मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा के रुप में वो अवसर आ गया।

बिलासपुर, सोमवार, 22 जनवरी 2024
haribhoomi.com

एक समय सब सहित समाजा। राजसभाँ रघुराजु बिराजा॥
सकल सुकृत मूरति नरनाहू। राम सुजसु सुनि अतिहि उछाहू॥

एक समय रघुकुल के राजा दशरथजी अपने सारे समाज सहित राजसभा में विराजमान थे। महाराज समस्त पुण्यों की मूर्ति हैं, उन्हें श्री रामचन्द्रजी का सुंदर यश सुनकर अत्यन्त आनंद हो रहा है

श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा

हिंदू धर्म दर्शन के नए आयाम लीलाओं से ही निकलते रहे हैं

पूरे विश्व में फहरेगी त्रेता की तरह अयोध्या की कीर्ति पताका

श्रीराम सर्वव्यापी हैं, अयोध्या उनका धाम है। श्रीराम घनब्रह्म हैं, पर अयोध्या उन्हें गढ़ती है, संस्कार देती है, मर्यादा और आचरण सिखाती है। यह अयोध्या की मिट्टी में है। अब रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद एक बार फिर धर्म, संस्कृति, संस्कार का प्रभाव पूरे विश्व पर पड़ना स्वाभाविक है। श्री हरि विष्णु के अवतार मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जीवन के हर पहलू को जीते रहे हैं और नए आदर्श गढ़ कर मानव को प्रेरित करने का संदेश देते हैं। अयोध्या उनकी जन्मस्थली है। इन दिनों यहां उत्सव है। मंदिर-मंदिर, घर-घर श्रीराम और रामलला ही हैं। आनंदमग्न अयोध्या नए परिवेश में उनकी लीला की साक्षी बन रही है।

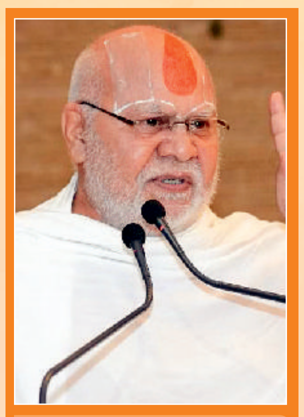

ज्ञान दास जी
(अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के पूर्व अध्यक्ष व हनुमानगढ़ी सागरिया पट्टी के महंत, अयोध्या धाम)

अयोध्या अचल है, पर इसके संस्कार चलायमान रहे। संस्कार पीढ़ी- दर-पीढ़ी आगे बढ़ते रहे। अयोध्या में संस्कारों का सृजन कोई एक दिन में नहीं हुआ होगा। इसमें भी सदियां लगीं होंगी। एक बार फिर जंबूद्वीप की अयोध्या और रामलला सबकी जुबान पर है। श्रीराम का मंदिर बन रहा है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने वाली है। अयोध्या स्वयं को गौरवान्वित महसूस करती है। श्रीराम अयोध्या में हर क्षण विद्यमान रहते हैं। यहां के कण-कण में उनका एहसास है। वह मानव हृदय के राम हैं। अब एक बार फिर लोक के राम की प्रतिष्ठा की जा रही है। अयोध्या पिछली कई शताब्दियां उपेक्षित रही। उपेक्षा ने क्षरण को मौका दिया। मर्यादा से संस्कार तक, व्यवहार से आचरण तक, लोकमंगल की भावना के साथ सकारात्मक ऊर्जा सृजन की धारा क्षरित हुई थी। लोक में राम की प्रतिष्ठा एक बार फिर होने जा रही है। अयोध्या की पहचान अट्टालिकाओं से नहीं होती। पहचान यहां के संस्कार, संस्कृति और अध्यात्म से होती है, जो पूरे जंबूद्वीप को अयोध्या की ही देन है। संस्कार की दृष्टि से इसकी अलग अहमियत है। यह चिंतन का विषय है। संस्कार और तपस्या बढ़ेगी तो मर्यादाओं के भंग होने का खतरा समाप्त होगा। अयोध्या के जरिए लोक में राम की प्रतिष्ठा के साथ इस पर गंभीर चिंतन होना चाहिए। रामनाम इसका आधार हो सकता है। राम के मर्यादा पुरुषोत्तम स्वरूप का गान संबल दे सकता है। लगभग तीन किलोमीटर की परिधि वाली जंबूद्वीप में रामलला की अयोध्या को इसी दृष्टि से देखा जाना चाहिए। तपस्या मिट्टी के ताप को बदल देती है। यह उर्ध्वगामी होती है तो संस्कार से संस्कृति और मर्यादा तक शिखर की ओर अग्रसर हो जाते हैं। मानवता आह्लादित होने लगती है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या तो बदलेगी ही पूरे विश्व को इसका लाभ मिलेगा।

श्रीराम पदयात्रा करते हैं। कदम-दर-कदम चेतना के उर्ध्वगामी होने का एहसास कराते हैं। यह तो नारायण की लीला है। श्रीराम की मर्यादा अक्षुण्ण है। क्षरण उसे छूता नहीं। मर्यादा, संस्कार से आबद्ध है। यही तो रामलला और अयोध्या की विशेषता रही है। अयोध्या का भूगोल भले ही बदला हो लेकिन इतिहास यथावत है। यह अलग बात है कि काल के थपेड़ों में अयोध्या की मूल सांस्कृतिक विरासत प्रभावित हुई। ऐसा शायद नियति को मंजूर रहा हो। हिंदू धर्म दर्शन के नए आयाम लीलाओं से ही निकलते रहे हैं। वर्तमान भी इसका साक्षी हो रहा है। श्रीराम के नाम में ही वह ओज है, जो आकर्षित करता है। यह आकर्षण काल से परे है। राम की सर्वव्यापकता बढ़ती ही गई है। कलियुग में इसका प्रभाव और भी बढ़ा।

लोक में राम की प्रतिष्ठा एक बार फिर होने जा रही है। अयोध्या की पहचान अट्टालिकाओं से नहीं होती। पहचान यहां के संस्कार, संस्कृति और अध्यात्म से होती है, जो पूरे जंबूद्वीप को अयोध्या की ही देन है।

श्रीराम का मंत्र

भगवान राम के वनवास के दौर का साक्षी है मध्यप्रदेश

समन्वयवाद की विराट चेतना का नाम श्रीराम

राम सिर्फ एक नाम ही नहीं है।। राम भारत की सांस्कृतिक विरासत हैं। भगवान श्रीराम सनातन धर्म की पहचान हैं। भारतीय समाज में मर्यादा, आदर्श, विनय, विवेक, लोकतांत्रिक मूल्यों और संयम का नाम श्रीराम है। भगवान श्रीराम सबके आदर्श है, श्रीराम ने समाज को एकता के सूत्र में पिरोने का कार्य किया, आसुरी शक्तियों के संहार हेतु समाज की संग्रहित शक्ति प्रयोग करने उन्होंने आने वाली पीढ़ियों को एक संदेश दिया। भगवान राम व निषादराज की मित्रता, केवट को गले लगाना, शबरी के जूठे बेर खाना हमें आज भी समाजिक एकता का संदेश देती है। भगवान राम ने अपने वनवास के समय प्रत्येक कदम पर अंतिम व्यक्ति को गले लगाया। जो व्यक्ति संयमित, मर्यादित और संस्कारित जीवन जीता है, निस्वार्थ भाव से उसी में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों की झलक परिलक्षित हो सकती है। श्रीराम ने वशिष्ठ को शास्त्र गुरु, विश्वामित्र को शस्त्र गुरु, अगस्त्य को मंत्र गुरु बनाकर जोड़ा। राजा दशरथ, जनक, परशुराम, केवट, निषाद, शबरी, सुग्रीव, विभीषण सभी को एक सूत्र में जोड़ दिया। इस तरह से समन्वयवाद की विराट चेतना का नाम श्रीराम है।

साढ़े ग्यारह साल श्रीराम ने चित्रकूट में बिताया

भगवान राम माता सीता और भाई लक्ष्मण के साथ जब 14 वर्ष के वनवास के लिए अयोध्या से निकले थे, तब उन्होंने देश के कई स्थानों की यात्रा की थी। वनवास काल के दौरान भगवान राम उत्तर भारत, मध्य भारत और दक्षिण भारत के कई स्थानों पर रूके और कई ऋषि मुनियों से मिले थे। वनवास काल के दौरान मध्य प्रदेश के कई स्थलों में भी भगवान राम के आगमन और रुकने के प्रमाण मिलते हैं। भगवान श्रीराम ने वनवास के दौरान 14 वर्ष में से सबसे ज्यादा करीब साढ़े ग्यारह वर्ष का समय चित्रकूट में बिताया। चित्रकूट की वनवास स्थली प्रभु भी राम की नही, वरन भगवान शंकर की प्रकट स्थली के लिए जानी जाती है। भगवान राम का जन्म अयोध्या में हुआ था, जिसका अर्थ है वह स्थान जहां कोई युद्ध नहीं हो सकता। जब मन में कोई द्वंद्व नहीं होता तो प्रकाश का उदय होता है। आज 500 साल बाद अवध में भगवान श्रीराम के विराजमान और प्राण-प्रतिष्ठान का महोत्सव है।

पंडित प्रदीप मिश्रा
अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक

चित्रकूट में ही भगवान राम की अत्रि ऋषि से भेंट हुई थी

देश में एक तरफ अयोध्या में भगवान श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का उत्सव चल रहा है, वहीं दूसरी ओर मध्य प्रदेश की नई सरकार राम वन गमन पथ के निर्माण को अपनी पहली प्राथमिकता बताई है। सीएम मोहन यादव सरकार ने प्रदेश की सबसे बड़ी आध्यात्मिक परियोजना श्री राम वन गमन पथ पर ध्यान केंद्रित किया है। सीएम मोहन यादव ने प्रदेश के वरिष्ठ अफसरों के साथ चित्रकूट में श्री राम वन गमन पथ न्यास आदि को लेकर तैयारियां की है। वनवास काल के दौरान यमुना नदी को पार कर भगवान राम सबसे पहले चित्रकूट पहुंचे थे। चित्रकूट का कुछ हिस्सा उत्तर प्रदेश तो कुछ हिस्सा मध्य प्रदेश में आता हैं। यहां भगवान राम ने वनवास काल के दौरान कई साल गुजारे थे। कहा जाता है कि चित्रकूट में ही भगवान राम अपने भाई भरत से मिले थे। राजा दशरथ की मृत्यु का समाचार लेकर भरत चित्रकूट में आए थे और भगवान राम को वापस अयोध्या चलने के लिए उन्हें मनाया था। भगवान राम के साथ न चलने पर भरत ने भगवान की चरणपादुका इसी स्थान पर उनसे ली थी। सतना जिले के पास चित्रकूट में ही भगवान राम की अत्रि ऋषि से भेंट हुई थी। मंदाकिनी नदी के किनारे बसा चित्रकूट हिंदुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। कर्वी, सीतापुर, कामता, खोही और नया गांव के [illegible] पास का वनक्षेत्र चित्रकूट के नाम से विख्यात है। कामदगिरी पर्वत, सीतापुर, हनुमानधारा, [illegible] मंदिर यहां के प्रमुख स्थलों में शामिल है।

संपूर्ण समाज हमारा अपना परिवार, कहीं कोई भेदभाव नहीं

भगवान राम ने अपने वनवास काल में समाज को एकता के सूत्र में पिरोने का काम पूरे कौशल के साथ किया। समाज की संग्रहित शक्ति के कारण ही भगवान राम ने आसुरी प्रवृति पर प्रहार किया। समाज को निर्भयता के साथ जीने का मार्ग प्रशस्त किया। इससे यही शिक्षा मिलती है समाज जब एक धारा के साथ प्रवाहित होता है तो कितनी भी बड़ी बुराई हो, उसे नत मस्तक होना ही पड़ता है। सीधे शब्दों में कहा जाए तो संगठन में ही शक्ति है। इससे यह संदेश मिलता है कि हम समाज के साथ कदम मिलाकर नहीं चलेंगे तो हम किसी न किसी रुप में कमजोर होते चले जाएंगे और हमें कोई न कोई दबाता ही चला जाएगा। संपूर्ण समाज हमारा अपना परिवार है। कहीं कोई भेदभाव नहीं है। जब इस प्रकार का भाव बढ़ेगा तो स्वाभाविक रुप से हमें किसी भी व्यक्ति से कोई खतरा भी नहीं होगा। आज समाज में जिस प्रकार के खतरे बढ़ते जा रहे हैं, उसका अधिकांश कारण यही है कि समाज का हिस्सा बनने से बहुत दूर हो रहे हैं। अपने जीवन को केवल भाग-दौड़ तक सीमित कर दिया है। यह सच है कि व्यक्ति ही व्यक्ति के काम आता है। यही सांस्कृतिक भारत की अवधारणा है।

श्री राम घनब्रह्म कहे जाते हैं, अर्थात ब्रह्म स्वरूप में प्राप्ति के लिए मार्ग कोई भी अपनाया जा सकता है

किसी भी रूप में भक्त शरणागत हुआ तो कृपा का पात्र बन जाता है

महंत जगदीश दास
मुख्य पुजारी
श्री रघुनाथ दासजी की बड़ी छावनी, अयोध्या

रामलला की नगरी अयोध्या, वैराग्य और आध्यात्मिक शक्ति का केंद्र है। एक सामान्य व्यक्ति के लिए वैराग्य और आध्यात्मिक शक्ति में अंतर होता है, लेकिन ज्ञान, भक्ति और वैराग्य के बीच गोता लगाने वाले संत, साधक और सन्यासियों के लिए इनमें कोई अंतर नहीं है। यह दोनों एक दूसरे को पोषित करने वाले हैं। वैराग्य का चरम आध्यात्मिक शक्ति का जागरण कहा जाता है।

लौकिक जगत में वैराग्य को देवताओं की और शक्ति को देवियों की कृपा के रूप में व्याख्यायित किया जाता है। इसे प्राप्त करने के लिए अलग-अलग मार्ग हमारे ऋषि, मुनियों ने दिखाए हैं। अयोध्या में भगवान श्रीराम व माता सीता इनके प्रतीक हैं, जिनकी कृपा से लौकिक कामनाओं से मुमुक्षु तक की यात्रा इन मार्गों से पूरी होती है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होगी। अयोध्या के साथ पूरे विश्व में उत्सव का माहौल है। इस उत्सव के पीछे मानव की वह अभिलाषा है, जो जीवन का अंतिम लक्ष्य होती है। यह लक्ष्य राम कृपा है। भक्ति से आनंद तक की इस यात्रा का अंतिम पड़ाव प्राप्त होने पर जो आनंद किसी को प्राप्त होता है। इस समय कुछ वैसा ही अयोध्या में दिखाई पड़ता है।

सनातन के केंद्र अयोध्या में यूं तो भगवान के आराधना की विभिन्न पद्धतियां प्रचलित हैं। अयोध्या के मठ-मंदिर रूपी आध्यात्मिक केंद्र इसके वाहक हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम की कृपा प्राप्ति के लिए कहीं सखा भाव से इनकी आराधना की जाती है तो कहीं दूल्हा सरकार तो कहीं शिष्य भाव से भी इनकी आराधना की जाती है। दयालुता ऐसी है कि किसी भी रूप में भक्त शरणागत हुआ तो कृपा का पात्र बन जाता है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम घनब्रह्म कहे जाते हैं, अर्थात ब्रह्म स्वरूप में प्राप्ति के लिए मार्ग कोई भी अपनाया जा सकता है। हमारे शास्त्रों में शिव और शक्ति की आराधना का प्राविधान है। अयोध्या में भी रामलला के विराजमान होने के साथ ही एक नए परिवेश का सृजन होगा। यूं तो अयोध्या में शक्ति की पूजा के भी कई स्वरूप हैं। माता जानकी कहीं सखी भाव से आराध्या हैं तो कहीं माता लक्ष्मी और किशोरीजी के रूप में आराधना की जाती है। अयोध्या की अंतर्धारा में यह बात सुनी जा सकती है कि भगवती किशोरीजी का अपने भक्त को मुमुक्षु प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वह भगवान श्री राम और अपने चरणों में समर्पित भक्तों के लिए स्वयं श्री हरि से मोक्ष प्रदान करने की याचना करती हैं।

भले ही अब विश्व में सैंकड़ों देश हो गए हों पर अयोध्या को पहला देश और पहली राजधानी कहा जा सकता है

अयोध्या... जिसने दुनिया को सभ्यता दी, संस्कार दिया जीवन जीने की कला दी, जीवन समझने का अवसर दिया

लल्लू सिंह
सांसद, अयोध्या

आदि नगरी अयोध्या भूखंड भर नहीं है। यह रामलला का जन्म स्थान है। यह ऐसा पवित्र स्थल है, जिसने दुनिया को सभ्यता दी, संस्कार दिया, जीवन जीने की कला दी, जीवन समझने का अवसर दिया, जीवन का दर्शन बताया और जीवन के चरम का मार्ग भी दिखाया।

इसके पीछे योगीराज भरत की तपस्या और मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का रामराज्य है। अयोध्या अपने आप में पूरे विश्व को समेटे है। सभ्यता की श्रृंखला यहीं से आगे बढ़ी। इसके क्रमिक विकास में आज भी अयोध्या को रेखांकित किया जाता है। इसके पीछे कारण केवल अयोध्या का धार्मिक महत्व ही नहीं है, बल्कि सृजन की परिपाटी भी है, जो नए परिवेश में नई रचना गढ़ती रही है। अयोध्या में अतीत में घटी वह घटनाएं भी हैं, जो मानव सभ्यता के आदि बिंदु से जुड़ती हैं, इसे पुष्ट करती हैं, इसका दिग्दर्शन कराती हैं,अहसास कराती हैं कि सभ्यता का जो मूल केंद्र बिंदु है, वह अयोध्या ही है। भले ही अब विश्व में सैंकड़ों देश हो गए हों लेकिन अयोध्या को पहला देश और पहली राजधानी कहा जा सकता है। स्वाभाविक है कि आज वैश्विक स्तर पर जो कुछ भी दिख रहा है, उसके मूल में कहीं न कहीं अयोध्या सतत चलायमान है। यह अलग बात है कि काल और परिस्थितियों के साथ परिवर्तन के प्रभाव में स्वरूप बदल गया हो। भारतीय धर्म-दर्शन और आर्ष ग्रंथों में अयोध्या को लेकर जो कुछ भी दृष्टव्य है, अयोध्या वास्तव में उससे भी ज्यादा चिंतन के लिए थाती समेटे हुए है।

अयोध्या विश्व सभ्यता के शिखर पर विराजमान

अयोध्या फिर अपने त्रेतायुगीन स्वरूप में लौट रही

लगभग पांच सौ साल के संघर्ष के बाद हम सब को सौभाग्य का दिन प्राप्त हुआ है, जब भगवान रामलला अपने मंदिर में पूरे वैभव के साथ विराजेंगे। अयोध्या फिर अपने त्रेतायुगीन स्वरूप में लौट रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में अयोध्या का वैभव दिखने लगा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं अयोध्या के वैभव को पुनर्स्थापित करने के लिए कृत संकल्पित हैं। रामलला का प्राण प्रतिष्ठा समारोह 22 जनवरी को है। यह महज एक कार्यक्रम भर नहीं है। विश्व स्तर पर परिवर्तन का द्योतक है, जिसके कुशल शिल्पी प्रधानमंत्री स्वयं हैं। प्राण प्रतिष्ठा में वह स्वयं अयोध्या पहुंच रहे हैं। व्यस्तताओं के बावजूद वह 11 दिन के अनुष्ठान पर हैं। इसका प्रभाव पूरी दुनिया की संस्कृति, संस्कार और अध्यात्म पर पड़ेगा। अयोध्या का सेवक होने के नाते मैं यह बताना भी चाहूंगा कि अब तक अयोध्या को वैश्विक धार्मिक पर्यटन नगरी, वैदिक सिटी बनाने के लिए जो भी आग्रह किया गया, उसे सहर्ष स्वीकृति मिली। अयोध्या अब अपने नए स्वरूप में दिखनी शुरू हो गई है।

सृष्टि की रचना के साथ प्रतिष्ठित हुई अयोध्या में मानव निवास शुरू हुआ तो मानवीय गुणों के साथ संस्कार और संस्कृति व अध्यात्म का भी बीजारोपण हो गया। सृष्टि के विस्तार के साथ एक से अनेक द्वीप बने। मानव सभ्यताएं इन पर विकसित हुईं। इनका जुड़ाव अयोध्या वाले जंबू द्वीप से रहा। संस्कृति, संस्कार और अध्यात्म अयोध्या से निःसृत होकर दूसरे द्वीपों तक पहुंचता रहा। अयोध्या उन्हें प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष पोषित करती रही। धर्म ग्रंथों में यदा-कदा इसके उद्धरण मिलते हैं। एक समय ऐसा था, जब पूरी धरती पर सांस्कृतिक रूप से प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष अयोध्या का ही शासन रहा है। वास्तव में अयोध्या सकारात्मक ऊर्जा का सदैव से केंद्र रही है। सृष्टि के पालनकर्ता श्री हरि इसके मूल में हैं। उनके निवास स्थल को स्वाभाविक रूप से प्रकृति की सभी शक्तियां पोषित करती हैं। इसलिए, भी अयोध्या विश्व सभ्यता के शिखर पर विराजमान रहती आई है।

जग मंगल भल काजु बिचारा। बेगिअ नाथ न लाइअ बारा॥
नृपहि मोदु सुनि सचिव सुभाषा। बढ़त बौंड़ जनु लही सुसाखा॥

भावार्थ:-आपने जगतभर का मंगल करने वाला भला काम सोचा है। हे नाथ! शीघ्रता कीजिए, देर न लगाइए। मंत्रियों की सुंदर वाणी सुनकर राजा को ऐसा आनंद हुआ मानो बढ़ती हुई बेल सुंदर डाली का सहारा पा गई हो॥

श्री राम लला
प्राण प्रतिष्ठा

हरिभूमि में राम ही राम

जो मुनीस जेहि आयसु दीन्हा। सो तेहिं काजु प्रथम जनु कीन्हा॥
बिप्र साधु सुर पूजत राजा। करत राम हित मंगल काजा॥

मुनीश्वर ने जिसको जिस काम के लिए आज्ञा दी, उसने वह काम (इतनी शीघ्रता से कर डाला कि) मानो पहले से ही कर रखा था। राजा ब्राह्मण, साधु और देवताओं को पूज रहे हैं और श्री रामचन्द्रजी के लिए सब मंगल कार्य कर रहे हैं॥1॥

चामर चरम बसन बहु भाँती। रोम पाट पट अगनित जाती॥
मनिगन मंगल बस्तु अनेका। जो जग जोगु भूप अभिषेका॥

चँवर, मृगचर्म, बहुत प्रकार के वस्त्र, असंख्यों जातियों के ऊनी और रेशमी कपड़े, (नाना प्रकार की) मणियाँ (रत्न) तथा और भी बहुत सी मंगल वस्तुएँ, जो जगत में राज्याभिषेक के योग्य होती हैं, (सबको मँगाने की उन्होंने आज्ञा दी)॥2॥

श्रीराम के लिए निहाल हुआ ननिहाल

आज राम के रंग में रंगेगा पूरा छत्तीसगढ़

राजधानी से लेकर हर शहर गांव में मनेगी दीपावली

राजधानी रायपुर में एक ही स्थान पर जलेंगे 11 लाख दीये

प्रदेश में 15 हजार स्थानों पर एलएडी पर होगा प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण

प्रदेश में 51 हजार मंदिरों में होगी पूजा-अर्चना

रायपुर। जिस घड़ी का सभी को बेताबी से इंतजार था, वह घड़ी अब आ गई है। सोमवार को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है। इस कार्यक्रम का पूरे राज्य छत्तीसगढ़ के गांवों से लेकर शहरों में बड़ी स्क्रीन पर सीधा प्रसारण होगा। विश्व हिंदू परिषद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, बजरंग दल, भाजपा के साथ ही कई सामाजिक संगठन इस दिन के लिए अलग-अलग तैयारी की है। प्रदेश में 15 हजार स्थानों पर बड़ी स्क्रीन लगाकर प्राण प्रतिष्ठा का लाइव दिखाया जाएगा। इसी के साथ 51 हजार मंदिरों में पूजा-अर्चना का कार्यक्रम होगा। राजधानी रायपुर के राम मंदिर में जहां पूजा-अर्चना होगी, वहीं शाम को हजारों दीये जलाए जाएंगे। राजधानी के कोटा में 11 लाख दीये जलाए जाएंगे। जयस्तंभ चौक में अयोध्या का कार्यक्रम दिखाने बड़ी स्क्रीन लगाई जाएगी। अंबिकापुर के स्टेडियम में एक लाख दीये जलेंगे विश्व हिंदू परिषद ने ही पूरे राज्य में गांव-गांव में कार्यक्रम करने का बड़ा जिम्मा उठाया है। उसके साथ आरएसएस, बजरंग दल, भाजपा और सामाजिक संगठन भी जुटे हैं। प्राण प्रतिष्ठा के पूरे कार्यक्रम को सुबह 11 से दोपहर को 1 बजे तक लाइव दिखाने की व्यवस्था की जा रही है।

बड़े शहरों में बड़ा कार्यक्रम

बड़े शहरों में बड़े कार्यक्रम भी होंगे। राजधानी रायपुर के जयस्तंभ चौक में बड़ी स्क्रीन लगातार लाइव प्रसारण होगा। इसी के साथ राजधानी के कई स्थानों पर कार्यक्रम के प्रसारण के लिए बड़ी स्क्रीन लगेगी। भाजपा ने चार विधानसभाओं के 16 मंडलों में बड़ी स्क्रीन पर सीधा प्रसारण करने की व्यवस्था की है। रात को जमकर आतिशबाजी भी होगी। रायपुर से ज्यादातर मंदिरों में पूजा-अर्चना के साथ प्रसाद का वितरण और भंडारा होगा। राजधानी में भंडारा और आतिशबाजी का कार्यक्रम होगा। मंदिरों में 101, 501 से 11 सौ 21 सौ दीये भी जलाए जाएंगे।

11 लाख दीये जलेंगे, महाआरती होगी

राजधानी रायपुर के कोटा स्थित राम कथा कार्यक्रम स्थल पर समाजसेवी बसंत अग्रवाल की अगुवाई में लाखों श्रद्धालुओं द्वारा शाम 6 बजे 11 लाख दीप प्रज्वलित कर भगवान श्री राम की महाआरती की जाएगी। इस दौरान कलकत्ता से आए कलाकारों द्वारा रंग बिरंगी आतिशबाजी की जाएगी।

राम मंदिर में जलेंगे 1100 दीये

राजधानी रायपुर के राम मंदिर में 22 जनवरी को बड़ा कार्यक्रम होगा। मंदिर के पुजारी हनुमंत लाल ने बताया भगवान श्री राम का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। मंदिर के हॉल में प्रोजेक्टर लगाकर अयोध्या के कार्यक्रम का लाइव दिखाया जाएगा। इसी के साथ शाम को मंदिर की तरफ से 11 सौ दीये जलाए जाएंगे। इसी के साथ भक्तों को भी आमंत्रित किया गया है। भक्त भी अपनी तरफ से दीये जलाएंगे ऐसे में हजारों की संख्या में दीये जलेंगे।

बिलासपुर। अयोध्या में हो रही रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पूरा देश हर्षित है। 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी जोरशोर से की जा रही है । 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए पूरे शहर में अनेक जगहों पर विभिन्न सामाजिक संगठनों के द्वारा आयोजन हो रहे हैं। मंदिरों में हवन, पूजन, कीर्तन किया जाएगा तथा 22 जनवरी को शाम 6 बजे पूरे शहर में सभी घरों में दीप प्रज्वलित किए जाएंगे।

दीपों से जगमगाएंगे घर-मंदिर, 101 किलो की बूंदी का लगेगा भोग, होगी आतिशबाजी

पुराने अरपा पुल का नाम अब 'राम सेतु'

पुराने अरपापुल का नामकरण राम सेतु के नाम से किया जा रहा है। 22 जनवरी को भगवान राम की आकर्षण मूर्ति सरकंडा पार लगाई जाएगी। बोल बम समिति के सदस्य तैयारी में लगे हैं। दोपहर 12 बजे भगवान राम की महाआरती की जाएगी साथ ही सीता रसोई का भंडारा का आयोजन किया गया है । समिति के द्वारा राम भोग का प्रसाद का वितरण भी किया जाएगा ।

देवकीनंदन चौक की सजावट सबसे भव्य

हिंदू नव वर्ष आयोजन समिति के द्वारा देवकीनंदन चौक को आकर्षक रूप दिया जा रहा है। 21 जनवरी को रामलला की भव्य यात्रा निकाली जाएगी और हिंदू नव वर्ष आयोजन समिति के द्वारा देवकीनंदन चौक में शोभायात्रा का स्वागत किया जाएगा। भगवान श्री राम की महाआरती में भी आयोजन समिति के सदस्य शामिल होंगे। महाआरती के साथ ही सुबह तक समापन होगा तथा प्रसाद एवं भोग का वितरण किया जाएगा।

अतरमुड़ा में होगी श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा

रायगढ़। 22 जनवरी को शहर के अतरमुडा टीवी टावर में अयोध्याधाम की तरह ही 6 दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया गया है। इसी कडी मे 20 जनवरी को भगवान का गर्भगृह गंगाजल से स्वच्छ कर श्रीराम प्रतिमा स्थापना की गई है। हजारों की संख्या में भक्तजन श्रद्धाभाव से भजन कीर्तन कर रहे हैं। सोमवार को सुंदरकांड व रामचरित मानस का पाठ भी कई जगहों पर करने की तैयारी है। जेल में भी रोशनी कर कैदियों को मिष्ठान्न वितरण किये जाने की तैयारी है। लोगों के मोबाइल पर रिंगटोन और कॉलर ट्यून पर भी राम आयेंगें की रामधुन बज रही है। नगर समेत पेरा जिला भगवा रंग मे रंगा और राममय हो चला है। 22 को अयोध्या धाम के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण दिखाने की भी व्यवस्था की जा रही है।

शिवरीनारायण में होंगे धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम, सीएम होंगे शामिल

जांजगीर-चांपा। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर 22 जनवरी को शिवरीनारायण में उत्सव मनाया जाएगा। इस दौरान धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी शिवरीनारायण पहुंचकर कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

मुख्यमंत्री सबसे पहले शिवरीनारायण मंदिर में जाकर दर्शन करेंगे। इसके बाद मेला ग्राउण्ड में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम में हर हर शंभू फेम अभिलिप्सा पांडा और सारेगमा फेम शरद शर्मा भक्तिमय गीतों की प्रस्तुति देंगे। इसके अलावा शाम के समय मुख्य मंदिर समेत अन्य प्रमुख स्थानों पर दीप जलाकर दीपोत्सव मनाया जाएगा। मुख्य मंदिर में 11 हजार दीपक जलाए जाएंगे। कार्यक्रम को लेकर वृहद स्तर पर तैयारियां की जा रही है। कलेक्टर आकाश छिकारा और एसपी विजय अग्रवाल लगातार शिवरीनारायण में होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा ले रहे हैं।

गांधी स्टेडियम में जलेंगे 1 लाख दीप

अम्बिकापुर। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव दिवस पर श्री राम जन्मभूमि महोत्सव समिति द्वारा गांधी स्टेडियम में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के साथ ही एक लाख दीप प्रज्जवलित किए जाएंगे। समिति द्वारा दीपों को सजाने के उपरांत उन्हें प्रज्जवलित करने एक हजार मातृशक्तियों का पंजीयन किया गया है। इस अवसर पर स्टेडियम में भव्य आतिशबाजी के साथ भजन संध्या एवं लेजर शो का भी आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर राम मंदिर में अखण्ड रामायण के साथ मंदिर परिसर में दीप प्रज्जवलित किए जाएंगें। अन्य देवालयों में भी दीप प्रज्जवलित किए जाएंगे।

बरेला में मनेगा रामोत्सव

जरहागांव। अयोध्या में श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा रामोत्सव 22 जनवरी को होगा। इस अवसर पर राज्य शासन के मंशा अनुरूप जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर राहुल देव ने कहा है कि 22 जनवरी को विकासखण्ड मुंगेली के मानस मंच बरेला में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर मंच व पंडाल निर्माण, सुरक्षा व्यवस्था, चिकित्सा, साउण्ड सिस्टम, पेयजल, विद्युत, साफ-सफाई, सजावट और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उपरोक्त आयोजन में जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय संस्थानों, धार्मिक ट्रस्टों, मंदिर समितियों के साथ समन्वय करके उनके सहयोग के साथ भव्य कार्यक्रम का आयोजन सुनिश्चित किया जाए। नगरीय निकायों, ग्राम पंचायतों को इस आयोजन में भागीदारी सुनिश्चित करते हुए उक्त दिवस में भवनों में प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए। प्रत्येक विकासखण्ड स्तर से कम से कम ऐसे एक प्रतिष्ठित मंदिर में दीप प्रज्जवलन, दीपदान एवं लाईटिंग व्यवस्था किया जाए। उक्त मंदिर प्रांगण में प्रत्येक विकासखण्ड स्तर पर क्षेत्र के 5 मानस मंडलियों के मानस गायन का आयोजन उक्त दिवस में आयोजित किया जाए।

मान. बृजमोहन अग्रवाल
केबिनेट मंत्री
मान. रामविचार नेताम
केबिनेट मंत्री
मान. केदार कश्यप
केबिनेट मंत्री
मान. ओ.पी. चौधरी
केबिनेट मंत्री
मान. टंकराम वर्मा
केबिनेट मंत्री
मान. दयाल दास बघेल
केबिनेट मंत्री
मान. श्याम जायसवाल
केबिनेट मंत्री
मान. लक्ष्मी राजवाड़े
केबिनेट मंत्री
मान. लखनलाल देवांगन
केबिनेट मंत्री
डॉ. सुश्री सरोज पांडेय जी
राष्ट्रीय महासचिव, भाजपा
एवं राज्यसभा सांसद
श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव
मान. विष्णुदेव साय जी
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
मान. किरण सिंह देव जी
प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा छत्तीसगढ़
मान. अरूण साव
उप मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
मान. विजय शर्मा
उप मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
22 जनवरी 2024
शाम 5 बजे से अयोध्या में
500 वर्षों की प्रतीक्षा के पश्चात्
करोड़ों हिन्दुओं के आस्था का केन्द्र
भव्य श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा
के सुअवसर पर प्रदेश में पहली बार ऐतिहासिक
• 11 लाख दीप प्रज्ज्वलन • लेजर शो • आतिशबाजी
एवं भजन संध्या दिलीप षड़ंगी,
गरिमा-स्वर्णा दिवाकर,
ऐश्वर्या पंडित एवं और भी
प्रख्यात कलाकारों के द्वारा
स्थान : विवेकानंद विद्यापीठ के सामने,
कोटा, गुढ़ियारी, रायपुर (छ.ग.)
श्री हनुमंत कथा स्थल
कोटा रोड, गुढ़ियारी
चंदन अग्रवाल
प्रदेश कोषाध्यक्ष, राईस मिल
एसोसियेशन छत्तीसगढ़
बसंत अग्रवाल
युवा समाजसेवी एवं
भाजपा कार्यकर्ता
आप सभी सहपरिवार सादर आमंत्रित हैं...
विनीत : प्रदेश भाजपा संगठन एवं समस्त भाजपा कार्यकर्ता

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, सोमवार 22 जनवरी 2024

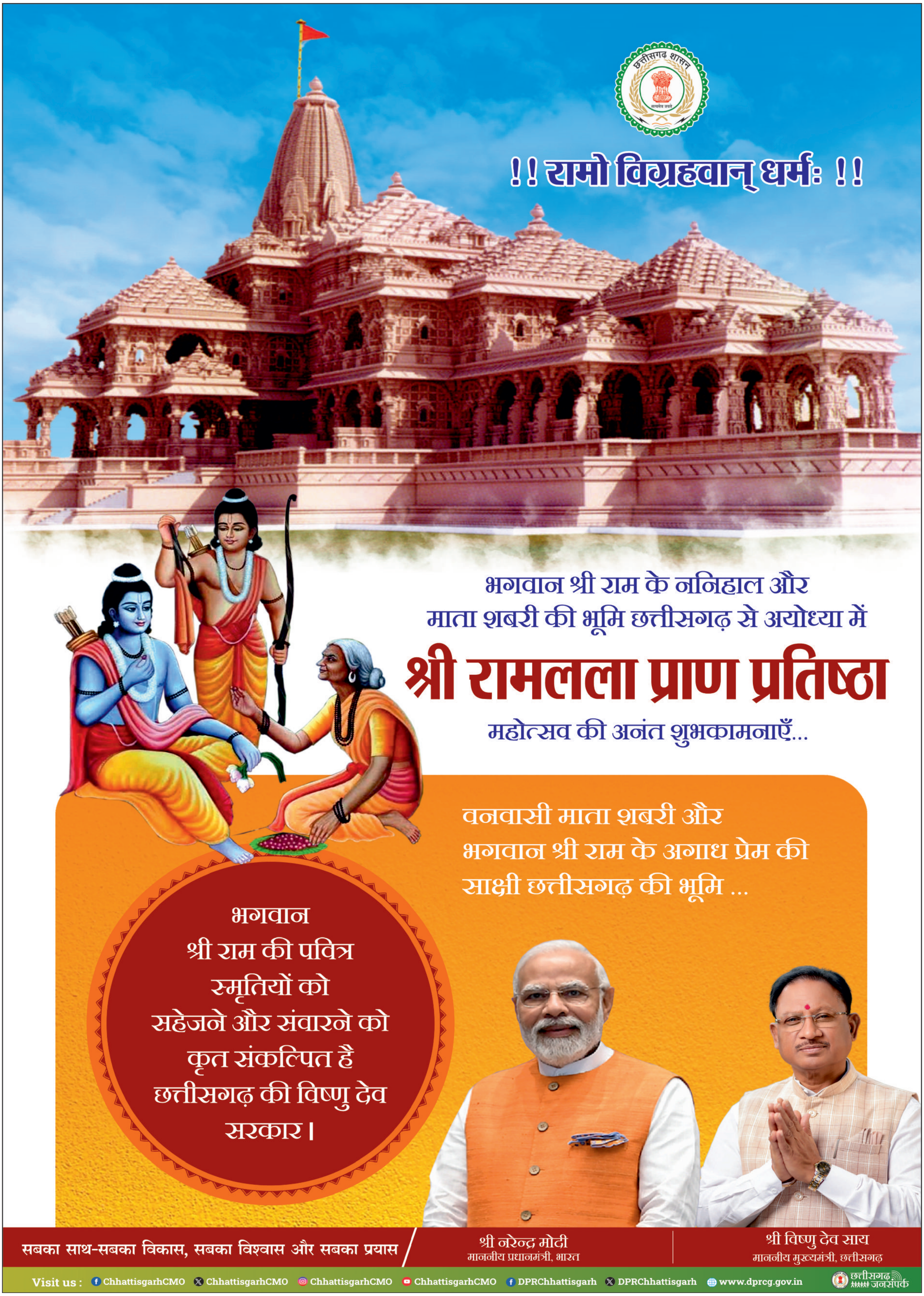

रिधि सिधि संपति नदीं सुहाई। उमगि अवध अंबुधि कहुँ आई॥
मनिगन पुर नर नारि सुजाती। सुचि अमोल सुंदर सब भाँती॥

ऋद्धि-सिद्धि और सम्पत्ति रूपी सुहावनी नदियाँ उमड़-उमड़कर अयोध्या रूपी समुद्र में आ मिलीं। नगर के स्त्री-पुरुष अच्छी जाति के मणियों के समूह हैं, जो सब प्रकार से पवित्र, अमूल्य और सुंदर हैं॥2॥

श्री राम लला
प्राण प्रतिष्ठा

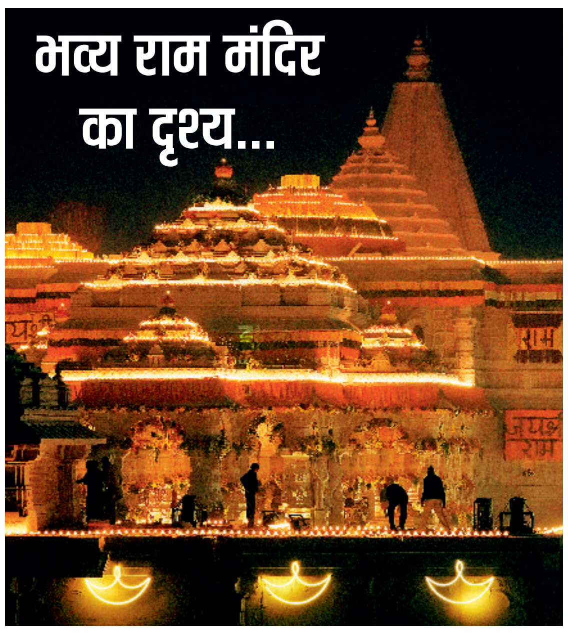

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की पूर्व संध्या पर रविवार शाम को राम मंदिर का दृश्य।

अभिषेक समारोह से पहले राम मंदिर के प्रवेश द्वार के पास श्रद्धालु।

सरयू नदी में पवित्र डुबकी लगाने के बाद श्रद्धालु।

प्राण प्रतिष्ठा का होगा सीधा प्रसारण

दुनियाभर के मंदिरों में सुंदरकाण्ड पाठ

अयोध्या में सोमवार को राम मंदिर के भव्य शुभारंभ पर दुनिया के अलग-अलग देशों में भी जश्न की तैयारियां शुरू हो गई हैं। अमेरिका, यूके, कनाडा, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड समेत दक्षिण अफ्रीका और गल्फ देशों में भी राम मंदिर के शुभारंभ पर पूजा पाठ, भजन कीर्तन और सुंदरकांड समेत रामचरितमानस के पाठ शुरू कर दिए गए हैं। अमेरिका में बसे भारतीयों के समूह ने यहां के सभी छोटे बड़े 1100 मंदिरों में सुंदरकांड और रामचरितमानस का पाठ भी शुरू कर दिया है। अमेरिका के "सुंदरकांड परिवार समूह" ने मंदिरों में सुंदरकांड का पूरा आयोजन किया है।

अमेरिका, इंग्लैंड सहित कई देशों में राम नाम की लूट

अयोध्या में आज होना है भव्य राम मंदिर का उद्घाटन

अमेरिका की सड़कों में दिखेगा लाइव प्रसारण

अमेरिका के अलग-अलग शहरों में भी इसी तरीके की तैयारी की गई है। न्यूयॉर्क में बसे भारतीय समुदाय ने तो टाइम्स स्क्वायर के बिल बोर्ड पर राम मंदिर के शुभारंभ का लाइव प्रसारण करने की पूरी तैयारी की है। न्यूयॉर्क स्थित एक प्रमुख भारतीय बैंक के कर्मचारी शुब्रांत बैनर्जी कहते हैं कि यहां के मंदिरों में 15 तारीख से ही सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ किया जा रहा है। अलग-अलग राज्यों में लगातारसुंदरकांड रामचरितमानस पाठ समेत हनुमान चालीसा का पाठ हो रहा है।

ऑस्ट्रेलिया, कनाडा दुबई में भी धूम

कनाडा के विनिपेग में रहने वाले हिमांशु शर्मा कहते हैं कि यहां के मंदिरों में जबरदस्त तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। कनाडा के अलग-अलग प्रांतों में भी राम मंदिर शुभारंभ की तैयारी हुई हैं। भंडारे से लेकर लाइव शुभारंभ दिखाने की योजना है। दुबई में रह रहे दीपक शर्मा बताते हैं कि यहां के हिंदू समुदाय के लोगों ने राम मंदिर के भव्य शुभारंभ पर अपने घरों में दीपक जलाने से लेकर पूजा पाठ की तैयारी की है।

मुस्लिम राम भक्त ने पीओके से भेजा पवित्र जल

अयोध्या। अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा के लिए देश के कई नदियों और सरोवरों का जल लाया गया है। इस बीच पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में स्थित शारदा पीठ कुंड का जल भी अयोध्या लाया गया है। इस जल को वहां के एक मुस्लिम श्रद्धालु ने ब्रिटेन के रास्ते अयोध्या भेजा है। भारत और पाकिस्तान के बीच डाक सेवाओं के बंद होने की वजह से जल को पहले कूरियर से ब्रिटेन भेजा गया, फिर वहां से उसे अयोध्या भेजा गया। इस बारे में 'सेव शारदा कमेटी कश्मीर के संस्थापक रविंदर पंडित ने बताया ''पीओके में शारदा पीठ के शारदा कुंड का पवित्र जल तनवीर अहमद और उनकी टीम ने एकत्र किया है। एलओसी के पार सिविल सोसाइटी के हमारे सदस्य इसे इस्लामाबाद ले गए, जहां से यह भारत पहुंचा, शनिवार को पवित्र जल अयोध्या में वीएचपी को सौंपा गया।

थाल को जयपुर में किया गया है तैयार

7.5 किलो चांदी के थाल से रामलला को लगेगा पहला भोग

अयोध्या में आने वाले 22 जनवरी को राम मंदिर में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। जयपुर में बने चांदी के थाल से रामलला को पहला भोग लगाया जाएगा। थाल को 7.5 किलो चांदी से तैयार किया गया है। इस थाल को चांदी की शिला पर हनुमानजी हाथों पर उठाए हुए है। इस थाल को जयपुर के राजीव पाबूवाल और लक्ष्य पाबूवाल ने तैयार किया है। उन्होंने बताया कि इस थाल को रामायण और रामचरित मानस के अध्ययन के बाद बनाया गया है। थाल में भगवान राम के 4 अश्व कर्म,धर्म,अर्थ,मोक्ष को उकेरा गया। अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में प्रभु राम की सेवा का सौभाग्य जयपुर को भी मिला है। महोत्सव के बाद मर्यादा पुरुषोत्तम के विग्रह को चांदी के जिस थाल में पहला भोग परोसा जाएगा, वह थाल गुलाबी नगरी में तैयार हुआ है।

थाल की खासियत

इस थाल की सबसे खास बात ये है, कि इसे चांदी की शिला पर हनुमानजी अपने दोनों हाथों से उठाए हैं। थाल में रखे गए कलश में चार अश्व लगाए गए हैं। साथ ही 9 नवरस (नौ भावनाएं), नवधा भक्ति (नौ भक्ति के रूप), नवग्रह (नौ ग्रह) और नवदुर्गा (मां दुर्गा के नौ रूप) को प्रदर्शित करते हुए नौ शुभ चिह्न भी उकेरे गए हैं।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

आ गया ऐतिहासिक दिन
आज श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा देश-विदेश में दिवाली

छत्तीसगढ़ की गली-गली में राम-राम की गूंज

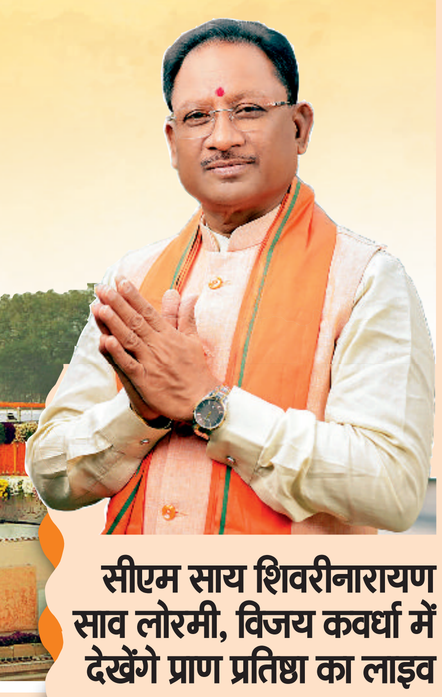

अयोध्या में 4 से 5 घंटे रहेंगे पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में मुख्य रूप से अयोध्या में मौजूद रहेंगे। इस दौरान पीएम मोदी 4 से 5 घंटे तक अयोध्या में रहेंगे। पीएम मोदी 22 जनवरी को लगभग 10.30 बजे अयोध्या पहुंच जाएंगे। इसके बाद वह 4 से 5 घंटे तक अयोध्या में रहकर अलग अलग कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। पीएम राम मंदिर प्रतिष्ठा समारोह में मुख्य यजमान की भूमिका निभाने के साथ ही अयोध्या में अन्य जगहों पर भी जाएंगे। पीएम मोदी के अलावा सैकड़ों बड़ी हस्तियां अयोध्या में मौजूद रहेंगी। इस पूरे कार्यक्रम पर सभी की नजरें हैं। न सिर्फ अयोध्या में बल्कि देश की अन्य जगहों पर जश्न का माहौल है। जगह-जगह कार्यक्रम हो रहे हैं।

ऐसी तैयारी

पीएम मोदी रामलला की मूर्ति से पर्दा हटाएंगे

भगवान राम की आंखों में काजल लगाएंगे

भगवान को सोने के वस्त्र पहनाए जाएंगे

रामलला को 56 भोग लगाया जाएगा

पीएम मोदी का शेड्यूल

- सुबह 10:25 बजे: अयोध्या एयरपोर्ट पर पीएम मोदी का आगमन
- सुबह 10:45 बजे: अयोध्या हेलीपैड पर आगमन
- सुबह 10:55 बजे: श्री राम जन्मभूमि पर आगमन
- सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक: आरक्षित
- दोपहर 12:05 बजे से 12:55 बजे तक: प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लेंगे
- 12:55 बजे: पूजा स्थल से प्रस्थान करेंगे
- दोपहर 1:00 बजे: सार्वजनिक समारोह स्थल पर पहुंचेंगे
- दोपहर 1:00 बजे से 2:00 बजे तक: अयोध्या में एक सार्वजनिक समारोह में भाग लेंगे
- 2:10 बजे: कुबेर टीला का दर्शन करेंगे

रघुकुल तिलक सुजन सुखदाता। आयउ कुसल देव मुनि त्राता॥

राम भक्तों को वर्षों से जिस पल का इंतजार है, उसके लिए अयोध्या पूरी तरह से तैयार है। भव्य स्तर पर बहु-प्रतीक्षित राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन सोमवार को होगा। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभी धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल होंगे। इस समारोह के अगले दिन ही यह मंदिर जनता के लिए खोल दिया जाएगा। देश-दुनिया में राम नाम की गूंज है। शहर हो या गांव सभी जगह जय श्रीराम गूंज रहा है। अयोध्या और जन्मभूमि को फूलों और लाइट्स से सजाया गया है। राम की पौड़ी पर लेजर शो भी किया गया।

देशभर से पहुंचे उपहार

56	500	500	108	2100	10
किस्म के पेठा	किलो का नगाड़ा	किलो कुमुकम	फुट की अगरबत्ती	किलो की घंटी	फुट ऊंचा ताला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अयोध्या

प्राण प्रतिष्ठा समारोह अपराह्न 12.20 बजे शुरू होगा और अपराह्न एक बजे तक उसके पूरा होने की संभावना है। इसके बाद प्रधानमंत्री आयोजन स्थल पर संतों और प्रतिष्ठित शख्सियतों समेत 7,000 से अधिक लोगों की सभा को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम को टेलीविजन पर सीधा प्रसारण भी होगा। इसे देखते हुए भाजपा शासित राज्यों और ओडिशा ने एक दिन के अवकाश की घोषणा की है जबकि केंद्र सरकार ने आधे दिन की छुट्टी का ऐलान किया है। भगवान राम की जन्म स्थली अयोध्या में प्राधिकारी तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। इसके साथ ही देश और विदेश में इस अवसर पर विशेष उत्सव की घोषणा की गयी है। वाशिंगटन डीसी से लेकर पेरिस और सिडनी तक दुनिया के विभिन्न हिस्सों में 22 जनवरी को कार्यक्रमों की घोषणा की गई है।

देशभर में आधे दिन की छुट्टी

देशभर में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, बीमा कंपनियां, वित्तीय संस्थान और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक भी 22 जनवरी को आधे दिन के लिए बंद रहेंगे। एनएसई और बीएसई स्टॉक एक्सचेंज ने भी इस दिन कारोबार न होने की घोषणा की है। भाजपा शासित राज्यों और ओडिशा ने एक दिन के अवकाश की घोषणा की है जबकि केंद्र सरकार ने आधे दिन की छुट्टी का ऐलान किया है।

ऐतिहासिक पल

10.00 बजे से 'मंगल ध्वनि' का होगा भव्य वादन

10.30 बजे मेहमानों का राममंदिर में होगा प्रवेश

12.20 बजे शुरू होगी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा विधि

84 सेकंड तक चलेगी विशेष पूजा अर्चना

121 वैदिक आचार्य करवाएंगे पूजन

अयोध्या राममय

भव्य राम मंदिर को फूलों और विशेष रोशनी से सजाया गया है और पूरा शहर धार्मिक रंग में रंगा हुआ है या यूं कहे कि 'अयोध्या राममय हो रही है'। यह मंदिर नगरी 'शुभ घड़ी आयी', 'तैयार है अयोध्या धाम, विराजेंगे श्री राम', 'राम फिर लौटेंगे', 'अयोध्या में राम राज्य' जैसे नारों वाले पोस्टर और होर्डिंग से पटा हुआ है।

सीएम साय शिवरीनारायण साव लोरमी, विजय कवर्धा में देखेंगे प्राण प्रतिष्ठा का लाइव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

अयोध्या में सोमवार को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। इस कार्यक्रम को प्रदेश में हजारों स्थानों पर लाइव दिखाया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जहां शिवरीनारायण के मंदिर में पूजा-अर्चना करने के साथ वहां प्राण प्रतिष्ठा का लाइव देखेंगे, वहीं दिनभर वहां के कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इसी तरह से उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा कवर्धा और अरुण साव अपने विधानसभा क्षेत्र लोरमी में लाइव देखने के साथ वहां कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मंत्री बृजमोहन अग्रवाल दिनभर रायपुर के कार्यक्रमों में शामिल होंगे। दूधाधारी मठ में लाइव देखने के साथ वहां के कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसी तरह से सभी मंत्री, विधायक और सांसद अपने-अपने क्षेत्रों के कार्यक्रम में शामिल होंगे। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन को भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने पूरे देश में दीपावली की तरह मनाने का फैसला किया है। यही वजह है कि ज्यादातर राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ मंत्रियों को अयोध्या से अलग रखते ▶▶ शेष पेज 5 पर

- प्रदेश के सभी मंत्री, विधायक, सांसद अपने-अपने क्षेत्रों के कार्यक्रमों में होंगे शामिल

रक्त, राजनीति और भक्ति की गौरव गाथा
देखें विशेषांक

पेज 1

पेज 2

पेज 3

पेज 4

पेज 5

राम के ननिहाल छग में भगवा रंग, सज गए शहर और गांव

राजधानी में आज 40 से ज्यादा शोभायात्रा, जुलूस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

अयोध्या में आज होने जा रही रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए छत्तीसगढ़ भी भक्तिरस में डूबा हुआ है। प्राण प्रतिष्ठा को यादगार बनाने राजधानी के अलावा राज्य के शहरी से लेकर ग्रामीण इलाकों तक शोभायात्रा निकाली जा रही हैं। शोभायात्रा शांतिपूर्ण तरीके से हो सके, इसके लिए पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों के एसपी को आदेश जारी कर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा ▶▶ शेष पेज 5 पर

10 लाख दीपों से जगमग होगी अयोध्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अयोध्या

22 जनवरी की शाम अयोध्या 10 लाख दीपों से जगमगाएगी। मकानों, दुकानों, प्रतिष्ठानों और पौराणिक स्थलों पर 'राम ज्योति' प्रज्ज्वलित की जाएगी। अयोध्या सरयू नदी के तटों की मिट्टी से बने दीपों से रोशन होगी। प्राण-प्रतिष्ठा समारोह पूर्ण होने के उपरांत 'राम ज्योति' प्रज्ज्वलित कर दीपावली मनाई जाएगी।

सरयू नदी के तटों की मिट्टी से तैयार किए गए दीये

सरयू नदी तट पर संध्या आरती।

दर्शन का समय

मंदिर में दर्शन सुबह 7 बजे से दोपहर 11:30 बजे तक और दोपहर 2 बजे से शाम 7 बजे तक होगा।

आरती का समय

प्राण प्रतिष्ठा के बाद, मंदिर के द्वार भक्तों के लिए आरती समारोह में भाग लेने के लिए खुलेंगे। मंदिर में तीन अलग-अलग प्रकार की आरती की जाएगी और उपस्थिति के लिए पास निःशुल्क जारी किए जाएंगे। प्रत्येक आरती की क्षमता सीमित होगी, जिससे केवल तीस व्यक्ति ही आध्यात्मिक अनुभव में भाग ले सकेंगे। प्रतिदिन तीन आरती क्रमशः सुबह 6.30 बजे, दोपहर 12.00 बजे और शाम 7.30 बजे की जाएंगी। आरती समारोह के लिए पास की आवश्यकता है।

सुबह **6.30** बजे श्रृंगार/जागरण आरती

दोपहर **12.00** बजे भोग आरती

शाम **7.30** बजे संध्या आरती

ये अतिथि बनेंगे साक्षी

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किए गए करीब 7000 लोगों की लिस्ट में राजकीय अतिथियों का नाम भी शामिल है। इसके साथ-साथ प्रमुख राजनीतिक नेता, उद्योगपति, फिल्म अभिनेता और राजनयिक शामिल हैं। उद्योगपति मुकेश अंबानी और उनका परिवार, बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन का नाम राजकीय अतिथियों की सूची में शामिल है। प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने के लिए अमिताभ बच्चन एक निजी विमान से अयोध्या पहुंचेंगे।

- विशेष विमान से पहुंचेंगे अमिताभ, परिवार के साथ आएंगे अंबानी

बिलासपुर, सोमवार 22 जनवरी 2024 पौष शुक्ल पक्ष द्वादशी, वर्ष : 23, अंक: 332, पृष्ठ : 12+6+8 = 26, मूल्य: 4.00*** haribhoomi.com

बिनु सत्संग विवेक न होई।
राम कृपा बिनु सुलभ न सोई॥
सठ सुधरहिं सत्संगति पाई।
पारस परस कुघात सुहाई॥

सत्संग के बिना विवेक नहीं होता और राम जी की कृपा के बिना वह सत्संग नहीं मिलता, सत्संगति आनंद और कल्याण की जड़ है। दुष्ट भी सत्संगति पाकर सुधर जाते हैं जैसे पारस के स्पर्श से लोहा सुंदर सोना बन जाता है।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

खबर संक्षेप

मोबाइल से कार्टून देखते 5 साल की बच्ची को हार्ट अटैक

मुरादाबाद। यूपी के हसनपुर में मां के साथ मोबाइल में कार्टून देखते समय पांच साल की बच्ची की तबीयत बिगड़ गई। परिजन उसे

चिकित्सक के पास ले गए लेकिन उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों का कहना है कि बच्ची को कोई बीमारी नहीं थी। चिकित्सक का कहना है कि हार्टअटैक भी मौत का कारण हो सकता है। यह घटना हसनपुर क्षेत्र के गांव हथीखेड़ा की है। गांव में महेश खड़गवंशी का परिवार रहता है। परिवार में पत्नी और पांच वर्षीय इकलौती बेटी कामिनी थी। शुक्रवार की रात करीब नौ बजे कामिनी अपनी मां के साथ चारपाई पर बैठकर मोबाइल देख रही थी। इसी बीच कामिनी की तबीयत बिगड़ी तो वह बेहोश हो गई। इसके बाद उसके हाथ से मोबाइल नीचे गिर गया। परिजनों ने बेहोशी की हालत में कामिनी को निजी चिकित्सक को दिखाया। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

मंत्री-अफसरों के साथ मंथन, सूर्य शक्ति अभियान की जानकारी भी ली

शाह ने समझा हमलों का पैटर्न, कहा- तीन साल में नक्सलवाद खत्म करेंगे

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद पर नकेल कसने को लेकर बड़ी रणनीति बनाने के लिए रविवार को यहां समीक्षा बैठक की। उन्होंने सबसे पहले नक्सलियों के हमले के पैटर्न को पुलिस अधिकारियों से बारीकी से समझने का काम किया। एक-एक हमले के बारे में जानकारी लेकर उन्होंने अभी तो तत्काल में कोई बड़ा निर्देश नहीं दिया है, लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि इस पैटर्न को आधार बनाकर नक्सलियों के खिलाफ बड़ी रणनीति तैयार की जाएगी। बैठक में एक माह से चल रहे सूर्य शक्ति अभियान की भी केंद्रीय गृह मंत्री ने जानकारी ली।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद नक्सली वारदातों में इजाफा हो गया है। ऐसे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने रायपुर प्रवास में नक्सल मामलों को लेकर रविवार को समीक्षा बैठक की। इसमें सबसे पहले श्री शाह ने यह सवाल किया कि आखिर नक्सलियों के हमले का पैटर्न क्या है। उनके इस सवाल के बाद नक्सल अभियान से जुड़े अधिकारियों ने नक्सलियों के हमले को लेकर पूरी प्रस्तुति दी। इसकी पहले से तैयारी की गई थी। नक्सलियों के हमले का जो पैटर्न ▶▶| शेष पेज 5 पर

बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, गृह मंत्री विजय शर्मा, केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला सहित प्रदेश के आला अधिकारी हुए शामिल

केंद्र की नक्सलवाद को समाप्त करने की तैयारी

छत्तीसगढ़ की बैठक में जानकारी लेने के बाद केंद्रीय मंत्री ने अभी कोई बड़ा निर्देश नहीं दिया है। लेकिन उन्होंने नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने की बात जरूर की है। केंद्र सरकार हर हाल में छत्तीसगढ़ के साथ देश से नक्सलवाद को समाप्त ▶▶| शेष पेज 5 पर

शाह की बैठक के बाद त्वरित निर्णय

- नक्सल इलाकों में तेज होगा एंटी नक्सल ऑपरेशन
- अच्छा काम करने वाले सभी पुलिस अधीक्षकों की सराहना
- माओवाद क्षेत्र ऑपरेशन के साथ-साथ डेवलपमेंट के काम तेजी लाने एसपी-कलेक्टर्स को निर्देश
- दूसरी एलडब्ल्यूई की बैठक जल्द आयोजित की जाएगी

48 घंटे में दूसरी बार हमले का आरोप

न्याय यात्रा में राहुल से की धक्का-मुक्की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा असम में है। इस दौरान इस यात्रा को लेकर राज्य में गर्मागर्मी का माहौल है। कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी एक दूसरे पर जमकर हमला कर रहे हैं। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान रविवार को असम में राहुल गांधी के साथ ▶▶| शेष पेज 5 पर

राहुल बोले- जनता भाजपा से डरने वाली नहीं

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि भाजपा नीत असम सरकार लोगों को 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' में शामिल होने के खिलाफ धमकी दे रही है। यात्रा मार्गों पर कार्यक्रमों की अनुमति देने से भी इंकार कर रही है। लोग भाजपा से डरते नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि ▶▶| शेष पेज 5 पर

मोदी-मोदी के लगे नारे, राहुल का फ्लाइंग किस

यात्रा के दौरान जब राहुल गांधी अपनी बस से ट्रैवल कर रहे थे, कई लोगों ने अचानक से मोदी-मोदी के नारे लगा दिए। नारों को सुन कांग्रेस नेता ने उन समर्थकों को फ्लाइंग किस दे दिया गया। इधर, राहुल ने कहा कि असम के युवाओं और किसानों पर अन्याय हो रहा है। यहां के युवा लाखों रुपए लगाकर स्कूल-कॉलेज जाते हैं, लेकिन फिर पता चलता है कि असम में उन्हें रोजगार नहीं मिल सकता।

मंगलमूल रामु सुत जासू। जो कछु कहिअ थोर सबु तासू॥
रायँ सुभायँ मुकुरु कर लीन्हा। बदनु बिलोकि मुकुटु सम कीन्हा॥

मंगलों के मूल श्री रामचन्द्रजी जिनके पुत्र हैं, उनके लिए जो कुछ कहा जाए सब थोड़ा है। राजा ने स्वाभाविक ही हाथ में दर्पण ले लिया और उसमें अपना मुँह देखकर मुकुट को सीधा किया॥

श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा

चिंतन

वेड इन इंडिया से मजबूत होगा आर्थिक राष्ट्रवाद

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के साथ ही पीएम नरेन्द्र मोदी आर्थिक राष्ट्रवाद की भावना को भी मजबूत करने के लिए आवाम को प्रेरित करते रहते हैं। पीएम ने वोकल फॉर लोकल के बाद अब 'वेड इन इंडिया' का आह्वान किया है। दरअसल समृद्ध भारतीय विदेश में जाकर वेडिंग सेरेमनी करते हैं। एक अनुमानित आंकड़े के मुताबिक भारतीय प्रति वर्ष करीब पांच हजार से अधिक शादियां विदेश में जाकर कर रहे हैं। इन पर करीब एक लाख करोड़ रुपये खर्च करते हैं। विदेश में होने वाली शादियां अगर भारत में ही शिफ्ट हो जाएं तो ये पैसे भारत में ही खर्च होंगे, जिससे देश का पैसा बाहर जाने से बच जाएगा और अंततः भारतीय अर्थव्यवस्था को फायदा होगा। विदेशियों में भारत आकर वेडिंग करने का ट्रेंड नहीं है, वे अपने मुल्क के प्रति सचेत होते हैं। दरअसल, भारतीयों में विदेशी वस्तुओं व जगहों को लेकर अजीब आकर्षण है, कुछेक समृद्ध लोगों में स्वदेशी वस्तुओं, जगहों और भाषाओं के प्रति उदासीन भाव हैं, वे विदेश में व विदेशी वस्तुओं पर खर्च कर अपने अहं को तुष्ट करते हैं। एक अनुमान के मुताबिक विदेशी सामान, विदेशी विक्रेताओं से खरीदने के चलते करीब 11 लाख करोड़ रुपये विदेशी कंपनियां भारत से मुनाफा के रूप में ले जाते हैं। भारतीयों में अगर स्थानीय, मेड इन इंडिया उत्पादों के प्रति भावना जाग जाए, तो विदेशी कंपनियों को जाने वाले मुनाफे देश में ही रह सकते हैं। भारतीय अपनी खरीदारी की आदत बदल कर हर वर्ष सात से आठ लाख करोड़ रुपये विदेश जाने से बचा सकते हैं। पीएम नरेंद्र मोदी इसलिए वोकल फॉर लोकल पर जोर देते हैं। हाल ही में पीएम ने लक्षद्वीप के समुद्र तट की तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा किया तो, मालदीव परेशान हो गया। पीएम ने रामेश्वरम स्थित रामसेतु के पास की तस्वीर भी सोशल मीडिया पर साझा की है। पीएम की कोशिश है कि लोग देश के अंदर ही खूबसूरत जगह पर घूमने जाएं। भारतीय हर वर्ष मालदीव, इंडोनेशिया, थाईलैंड, यूरोप, अमेरिका आदि देशों के टूरिस्ट डेस्टिनेशन्स पर घूमने पर करोड़ों रुपये खर्च करते हैं। अगर लोग देश के अंदर मौजूद टूरिस्ट जगहों पर भी जाएं, तो स्वदेशी पर्यटन को मजबूती मिलेगा। इन सबका फायदा अर्थव्यवस्था को होगा। भारत में हर वर्ष करीब 800 से 1000 फिल्में बनती हैं, जिनकी शूटिंग्स पर करोड़ों खर्च होते हैं। इनमें से बहुत सारे शूटिंग्स विदेशी लोकेशन्स पर होते हैं। अगर हमारे फिल्म निर्माता भारत के खूबसूरत लोकेशन्स पर फिल्मों की शूटिंग्स करें, तो भारतीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और देश में पैसे खर्च होने से घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। बहुत से ऐसे छोटे-छोटे कदम हैं, जिनसे देश की तरक्की को पंख लग सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 नवम्बर को अपने मन की बात कार्यक्रम में भी विदेशों में की जाने वाली डेस्टिनेशन शादियों पर चिंता जताई थी और लोगों से भारत में ही शादी करने की अपील की थी। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स का मानना है कि देश में ही डेस्टिनेशन शादियां हों तो भारतीय अर्थव्यवस्था में एक संभावित बदलाव लाने की पहल हो सकती है। भारत में खूबसूरत जगहों की भरमार है, सौ से अधिक शहरों में करीब दो हजार से अधिक स्थान हैं, जहां डेस्टिनेशन वेडिंग आयोजित किए जा सकते हैं। कैट ने व्यापारियों और नागरिक समाज के बीच भारत के डेस्टिनेशन वेडिंग को प्रोत्साहित करने के लिए एक अभियान भी शुरू किया है। वेड इन इंडिया से आर्थिक राष्ट्रवाद मजबूत होगा।

प्राण प्रतिष्ठा विशेष

नरेंद्र सिंह तोमर

राम हमारी आस्था के सर्वोच्च शिखर हैं, आराध्य हैं। हमारी जीवनशैली, सामाजिकता, संस्कृति, शासन व्यवस्था में ही नहीं हर भारतीय की रग-रग में भगवान राम समाए हुए हैं। भारतीय संविधान की मूल प्रति में भगवान श्री राम का चित्र अंकित है। संविधान में जहां नागरिकों के मौलिक अधिकारों का जिक्र है, वहां श्री राम, माता सीता और लक्ष्मण के रावण वध के बाद लंका से अध्योध्या लौटने का चित्र है। यही चित्र हमारे संविधान में राम राज्य की भावना को उद्धृत करता है। राम राज्य की कल्पना के साकार होने के इस ऐतिहासिक क्षण के हम सभी साक्षी बन रहे हैं, यह हमारे लिए गौरव की बात है। साथ ही हम सभी के लिए एक ईश्वर प्रदत्त सौगात भी है।

आस्था का उत्कर्ष है राम मंदिर

त्रेतायुग से लेकर अब तक सतत रूप से उत्कृष्ट एवं आदर्श शासन प्रणाली के लिए भारत में 'राम राज्य' की संकल्पना सबसे उपयुक्त एवं व्यावहारिक रही है। वही राम राज्य जिसका स्वप्न स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए चल रहे संघर्ष काल में हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी देखा था, किंतु अतीत में देखें तो पाते हैं कि स्वतंत्रता के पश्चात सात दशक तक दुर्भाग्य से राम राज्य की स्थापना को लेकर कोई भी प्रयास नहीं किया गया। लोक कल्याण और सुशासन जैसे शब्द सिर्फ शब्दकोष की शोभा बढ़ाते रहे, व्यवहार में उन्हें लाने में सरकारों ने कोई रुचि नहीं दिखाई। अब समय बदला है और सोच भी। विगत एक दशक भारत की पुनर्स्थापना के समय रहा है, वस्तुतः स्वतंत्रता के बाद यही वह समय है जब हम राम राज्य की अवधारणा को जमीन पर उतारने जा रहे हैं। अयोध्या में निर्मित प्रभु श्री राम का भव्य मंदिर राम राज्य की अवधारणा के मूर्त होने का क्षण है। यह हमारी आस्था का उत्कर्ष तो है ही इसके साथ-साथ हमारी शासन व्यवस्था में भी सर्वोच्च होने का प्रतीक है। प्रभु श्री राम की जन्मभूमि पर उनका भव्य मंदिर बने इसके लिए पांच सौ से अधिक वर्षों का लंबा संघर्ष काल बीता है। हजारों कार सेवकों, साधु–संतों, सनातनियों ने अपना बलिदान दिया है। यह हमारी पीढ़ी का सौभाग्य है कि हम भव्य राम मंदिर के स्वप्न को अपनी आंखों से साकार होते देख रहे हैं।

छह दिसंबर 1992 को बाबरी ढांचा गिराए जाने के पहले और बाद की भी लंबी संघर्ष की कहानी है। यद्यपि नवंबर 2019 में सुप्रीम कोर्ट के एतिहासिक निर्णय के बाद यह विवाद स्वतः समाप्त हो चुका है कि भगवान श्री राम का जन्म अयोध्या में उसी स्थान पर हुआ था जहां राम मंदिर था और बाद में उसे तोड़कर बाबरी ढांचा बना दिया गया, किंतु प्रासंगिकता को देखते हुए इसके एतिहासिक और पौराणिक साक्ष्यों पर एक दृष्टि नितांत आवश्यक है। सर्वोच्च न्यायालय ने राम मंदिर को लेकर दिए अपने 1045 पन्ने के ऐतिहासिक फ़ैसले में कई किताबों और दस्तावेजों का जिक्र किया है। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले में वृहत धमोत्तर पुराण का जिक्र है, जिसके अनुसान अयोध्या सात पवित्र नगरियों में से एक है, इसके अनुसार-अयोध्या, मथुरा, माया, काशी, कांचि, अवन्तिका। पुरी, द्वारावती चैव सप्तैता मोक्षदायिकाः। इसी तरह वाल्मीकि रामायण से लेकर स्कंद पुराण तक में अयोध्या नगरी और श्री राम के वहां जन्म होने का वर्णन है। यहां तक कि अकबर के शासन काल के दौरान अबुल फजल द्वारा लिखी गई आईने अकबरी में भी अवध का वर्णन करते हुए लिखा गया है कि इस पवित्र नगरी में त्रेता युग में राजा रामचंद्र रहते थे।

अत्युत दुखद विषय यह है कि यहां राजनीतिक कु-इच्छओं और तुष्टिवाद के चलते राम जन्म भूमि पर भगवान राम के मंदिर की राह में कई वर्षों तक रोड़े अटकाए गए। 1853 में नवाब वाजिद अली शाह के शासन से रामलला की जन्मभूमि पर पूजा को रोकने का शुरू हुआ सिलसिला कई दशकों तक चला है। अंग्रेजों ने अपनी फूट डालो और राज करो नीति के तहत राम मंदिर विवाद को सबसे ज्यादा गहराया और मंदिर के भीतर रामलला की पूजा नहीं होने दी।

1950 में राम जन्मभूमि को लेकर शुरू हुई कानूनी लड़ाई 70 के दशक तक चली है। राम जन्म भूमि आंदोलन में भारतभूमि के महान संतों, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद और लाखों कार सेवकों का संघर्ष और तप आज स्मरणीय हैं। इस आंदोलन की धुरी बने संत परमहंस रामचंद्र दास, विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे अशोक सिंघल एवं अन्य महापुरूषों का योगदान भी आज याद किया जाना चाहिए।

25 सितंबर 1990 को गुजरात के सोमनाथ से लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में शुरू हुई रथ यात्रा और राम जन्मभूमि आंदोलन राम लला के मंदिर निर्माण के युद्ध का एक शंखनाद था जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अब भव्य राम मंदिर में प्रभु श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के रूप में पूर्ण हो रहा है। राम मंदिर का निर्माण भाजपा की हमेशा से ही प्राथमिकताओं में शामिल रहा है और यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृढ़ संकल्पशक्ति एवं नेतृत्व क्षमता का ही परिणाम है कि सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक निर्णय के बाद संपूर्ण देश एक मन-एक मत से प्रभु श्री राम मंदिर में विराजमान हो रहे हैं। मोदी ने अपने अटल संकल्प और प्रतिबद्धता का परिचय दिया है कि जो उन्होंने कहा था वह पूरा करके दिखाया है और इसके साथ ही देश के करोड़ों लोगों की आस्था का प्रतीक और चिरप्रतीक्षित राम मंदिर का निर्माण पूरा हुआ है।

राम हमारी आस्था के सर्वोच्च शिखर हैं, आराध्य हैं। हमारी जीवनशैली, सामाजिकता, संस्कृति, शासन व्यवस्था में ही नहीं हर भारतीय की रग-रग में भगवान राम समाए हुए हैं। भारतीय संविधान की मूल प्रति में भगवान श्री राम का चित्र अंकित है। संविधान में जहां नागरिकों के मौलिक अधिकारों का जिक्र है, वहां श्री राम, माता सीता और लक्ष्मण के रावण वध के बाद लंका से अध्योध्या लौटने का चित्र है। यही चित्र हमारे संविधान में राम राज्य की भावना को उद्धृत करता है।

अयोध्या तो इस समय वैश्विक पटल पर छाया ही हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकास भी विरासत भी' ध्येय वाक्य पर चलते हुए वाराणसी में 'काशी कॉरिडोर' उज्जैन में 'महाकाल पथ', पवित्र चारधाम केदारनाथ, बद्रीनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री को हर मौसम में निर्बाध सड़क कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए 900 किलोमीटर लंबी चारधाम सड़क परियोजना, सोमनाथ मंदिर पुनर्निमाण परियोजना, धार्मिक स्थलों के लिए बेहतर रेल एवं हवाई मार्ग की कनेक्टिविटी जैसे कई कार्यों ने एक नया परिदृश्य निर्मित किया है।

अयोध्या के राजा के रूप में प्रभु श्री राम ने जिस आदर्श शासन व्यवस्था की नींव रखी थी, सदियों से हम उसे 'राम राज्य' के रूप में आत्मसात कर अनुकरण कर रहे हैं। राम मंदिर का निर्माण पूरा करके और भगवान राम को वहां विराजमान करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल राम मंदिर के स्वप्न को साकार करने का भगीरथी कार्य किया है, अपितु समदर्शी, सर्वस्पर्शी, लोककल्याणकारी शासन शैली के माध्यम से राम राज्य की पुनर्स्थापना का भी कार्य किया है। यह संयोग ही है कि स्वतंत्रता के अमृतकाल में हमें नरेंद्र मोदी के रूप में एक ऐसा सशक्त, संकल्पवान और संवेदनशील नेतृत्व मिला है, जिन्होंने एक दशक में राष्ट्र पुनरुत्थान के कई नए आयाम स्थापित किए हैं जो उल्लेखनीय ही नहीं बल्कि अनुकरणीय भी हैं। राम राज्य की कल्पना के साकार होने के इस ऐतिहासिक क्षण के हम सभी साक्षी बन रहे हैं, यह हमारे लिए गौरव और सौभाग्य की बात तो है ही साथ ही यह हम सभी के लिए एक ईश्वर प्रदत्त सौगात भी है।

(लेखक म.प्र. विधानसभा अध्यक्ष हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

आस्था

सुरेश जैन

गुरुकुल और राष्ट्रीय शिक्षा नीति में श्रीराम

श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। श्रीराम का जीवन समाज के लिए आदर्श है। उनकी शिक्षा गुरुकुल में होती है। बाबा तुलसी के शब्दों में गुरु गृह पढ़न गए रघुराई, अल्पकाल विद्या सब पाई। श्रीराम चक्रवर्ती सम्राट के बेटे हैं, किन्तु वे शिक्षा ग्रहण करने के लिए गुरु वशिष्ठ के गुरुकुल में जाते हैं। इस व्यवस्था का व्यक्तित्व निर्माण पर गहरा प्रभाव पड़ता है। वे दूसरे विद्यार्थियों की तरह ही रहते हैं। गुरुकुल में परा और अपरा दोनों तरह की शिक्षा ग्रहण की जाती है। परा विद्या में शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छंद, नक्षत्र, वास्तु, आयुर्वेद, वेद, कर्मकांड, ज्योतिष, सामुद्रिक शास्त्र, हस्तरेखा एवम धनुर्विद्या शामिल है। इससे उनकी समझ, अनुभव, विवेक, विचारशीलता और सही समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता को विकसित करने की पृष्ठभूमि तैयार होती है। ऐसे ही पाठ्यक्रमों की परिकल्पना राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में की गई है। इसमें मुख्य विषय के अलावा आनुषांगिक विषयों को भी पढ़ाए जाने के लिए पाठ्यक्रम बनाए गए हैं। गुरुकुल में भी इसी तरह की व्यवस्था है, उनके मूल विषय के रूप में कूटनीति और धनुर्विद्या जैसे विषयों को पढ़ना अनिवार्य है, ताकि उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास हो सके। गुरुकुल में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाता है कि विद्यार्थी के लिए जितना महत्वपूर्ण उसका औपचारिक अध्ययन है, उतना ही महत्वपूर्ण आसपास का परिवेश है। उस परिवेश के माध्यम से छात्रों में आत्मनिर्भरता, अनुशासन, समय प्रबंधन, सामाजिक सामंजस्य की कला और नेतृत्व के गुण आते हैं। शिक्षा की पूर्णता में दोनों ही समान रूप से आवश्यक है। विष्णु पुराण में कहा गया है-तत्कर्म यन्न बन्धाय सा विद्या या विमुक्त, आयासाय परम कर्म विद्यान्या शिल्प नैपुणम अर्थात कर्म वही है, जो बंधन में न बांधे और विद्या वही है, जो मुक्त करे। गुरुकुल में राम को दी जाने वाली विद्या मुक्ति देने के लिए दी जाने वाली शिक्षा है।

मुक्ति का अर्थ सामाजिक जीवन की कुरीतियों से मुक्ति। अंधविश्वास से मुक्ति। ऊंच-नीच के मनोभाव से मुक्ति। अवैज्ञानिक सोच से मुक्ति। स्वार्थ और जड़ता से मुक्ति। हर तरह के अहंकार से मुक्ति। विद्या के बारे में कहा गया है-विद्या ददाति विनयं, विनयाद्याति पात्रताम। विद्या विनय देती है। उससे पात्रता विकसित होती है। व्यक्ति उतना ही सीख पाता है, जितनी उसकी पात्रता होती है। जिसकी पात्रता जितनी व्यापक होती है, उसका व्यक्तित्व भी उतना ही व्यापक होता है। सागर जैसा व्यापक होने के लिए उसके जैसी व्यापक विनम्रता और शांत चित्त की आवश्यकता होती है। श्रीराम गुरुकुल जाकर इसी विनम्रता को आत्मसात करते हैं, जो उनके व्यक्तित्व को सागर जैसा विस्तार देती है, जिसके लिए नर-वानर में कोई भेद नहीं। गुरुकुल में आत्मसात किए गए इन सभी सद्गुणों का असर श्रीराम के जीवन पर परिलक्षित होता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 में इस बात पर विशेष बल दिया गया है कि आरंभिक शिक्षा मातृभाषा में हो, शिक्षा में भारतीय मूल्यों और चरित्र निर्माण पर विशेष जोर हो। शिक्षा समावेशी हो। राम के गुरुकुल की शिक्षा प्रकृति के नैसर्गिक परिवेश में दी जाती है। बटुक कठिन परिस्थितियों में भी जीवन-यापन के गुर सीखता है। स्वतंत्र भारत में गठित विशेषज्ञ समितियों की एकमत राय रही है कि शिक्षा भारतीय जीवन मूल्यों पर आधारित हो। राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 में भी इस पर बल दिया गया है। राम के गुरुकुल में शिक्षा और संस्कार इस तरह से एकरूप हैं कि उन्हें अलग नहीं किया जा सकता। संस्कार, शिक्षा पर आधारित हैं और शिक्षा संस्कारों की आधारशिला है। इस माध्यम से विद्यार्थियों को संस्कारमय बनाकर उन्हें आदर्श मानव बनाना ही शिक्षा व्यवस्था का उद्देश्य है। राम द्वारा गुरुकुल में प्राप्त की गई शिक्षा उन्हें नेतृत्व की अद्भुत क्षमता देती है। अपने राज्य से दूर जहां पर उन्हें कोई जानने वाला नहीं है, वहां पर वे स्थानीय लोगों को एकजुट करते हैं और समुद्र पर सेतु निर्माण का जटिल कार्य संपन्न करते हैं। तत्पश्चात रावण जैसे शत्रु पर विजय प्राप्त करते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में कौशल विकास के साथ ही व्यावहारिक शिक्षा पर भी उतना ही ध्यान दिया गया है, जितना कि सैद्धांतिक शिक्षा पर। राम गुरुकुल से सैद्धांतिक विषयों के साथ ही युद्धकला की भी शिक्षा ग्रहण करते हैं। अपनी इस विद्या के बल पर वे ताड़का, मारीच और खर-दूषण जैसे समाज विरोधियों को समाप्त कर शांति स्थापित करते हैं और रावण पर भी विजय प्राप्त करते हैं।

(लेखक प्रख्यात शिक्षाविद एवम तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद-यूपी के कुलाधिपति हैं।)

भगवान के चरणों में अर्पित करना ही ज्ञान

संकलित

दर्शन

सर्व सामर्थ्य होते हुए भी अहंशून्य होकर स्वयं को भगवान के चरणों अर्पित कर देना ही ज्ञान, भक्ति और कर्म की परिपूर्णता है। भगवान के परम भक्त बालिपुत्र अंगद ने रावण की सभा में अपना एक पैर रोपकर अपने मुष्टिप्रहार से रावण के दसों मुकुटों को सिर से गिरा दिया था, वहीं चार मुकुटों को बीच में उछालकर भगवान के पास भेज दिया था। लंका से लौटकर आए अंगद से जब भगवान श्रीराम ने पूछा कि तुमने ये मुकुट कहां और कैसे प्राप्त किए, तब अंगद ने धर्म और ईश्वर से विमुख व्यक्ति की तात्विक व्याख्या की है। अंगद विनम्र भाव से कहते हैं, प्रभु! ये चार मुकुट नहीं, राजनीति के चार पद हैं, जिन पर चलकर व्यक्ति व्यवहार करते हुए भी परमार्थ को प्राप्त कर लेता है। रावण आपसे और धर्म से विमुख हो चुका है, इसलिए राजनीति के चारों चरणों (साम, दाम, दंड और भेद) का दुरुपयोग कर रहा था, इस कारण मुकुट के रूप में ये चारों उसको छोड़कर आपकी शरण में आ गए हैं। रावण ने शेष छह मुकुट जो सिर पर धारण कर रखे हैं, वे साधक के जीवन में रहने वाली षड्संपत्ति (शम, दम, उपरति, तितीक्षा, श्रद्धा और समाधान) हैं। चूंकि रावण उनका भी दुरुपयोग कर रहा था, इसलिए ये षड्संपत्ति न रहकर विकार बनकर रावण के सिर पर शासन कर रहे हैं, जो उसके विनाश के कारण बनेंगे।

सत्कर्मों में सदैव आस्था रखें

संकलित

प्रेरणा

एक नदी के तट पर एक शिव मंदिर था, एक पंडितजी और एक चोर प्रतिदिन अपनी-अपनी आस्था के अनुरूप मंदिर आया करते थे। जहां पंडितजी फल फूल, दूध चंदन आदि से प्रतिदिन शिवजी की पूजा करते। वहीं वह चोर रोज भगवान को खरी-खोटी सुनाता और अपने भाग्य को कोसता रहता। एक दिन पंडितजी और चोर एक साथ मंदिर से बाहर निकले। निकलते ही चोर को स्वर्णमुद्राओं से भरी एक थैली मिल गई। जबकि ठीक उसी समय पंडितजी के पैर में एक कील घुस गई। चोर स्वर्ण मुद्राओं से भरे थैले को पाकर अत्यंत प्रसन्न था। जबकि पंडितजी पीड़ा से परेशन थे, लेकिन पंडितजी को कील की पीड़ा से अधिक इस बात का कष्ट था कि मेरे पूजा पाठ करने के बाद भी बदले में भगवान ने मुझे कष्ट दिया। जबकि इस चोर के कुकर्मों के बदले में उसे स्वर्णमुद्राओं के रूप में पुरस्कार मिला। तब मंदिर से आवाज आई- हे पंडित! आज तुम्हारे साथ एक बड़ी दुर्घटना होने वाली थी। लेकिन तुम्हारे सत्कर्मों के कारण तुम केवल कील लगने की पीड़ा पाकर ही मुक्त हो गए। जबकि इस चोर के भाग्य में आज अपार धन संपत्ति प्राप्ति का योग था। लेकिन अपने कुकर्मों के कारण उसे केवल कुछ मुद्राएँ ही मिली हैं। अच्छे कर्म से ही मनुष्य का भविष्य एवं भाग्य बनता बिगड़ता है। इसलिए सदैव सत्कर्मों में आस्था बनाए रखना चाहिए।

राम मंदिर

अयोध्या में रविवार को राम मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह की पूर्व संध्या पर जारी अंदर का दृश्य।

आज की पाती

अयोध्या जरूर जाएंगे

भगवान श्री राम का नाम लेते ही मानसिक शांति मिलती है। वह सनातन धर्म या भारत के लिए ही आदर्श नहीं हैं, बल्कि सारी दुनिया के लिए हैं। उनकी जन्मभूमि अयोध्या में लगभग 500 वर्ष बाद उनका जो भव्य मंदिर बन रहा है और वहां 22 जनवरी को राम लल्ला की प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है, उसकी खुशी जाहिर करने के लिए जो तैयारियां चल रही हैं उन्हें देखकर लग रहा है कि दीपावली का त्योहार आने वाला है। हमारे देश में ही नहीं, बल्कि दुनिया के दूसरे देशों में रह रहे राम भक्त भी खुशी जाहिर कर रहे हैं। 22 जनवरी को जब अयोध्या में राम लल्ला की प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन होना है, तब हमें अयोध्या जाने की बजाय अपने–अपने घर पर ही इसकी खुशी मनानी चाहिए। *– सतीश उपाध्याय, बिलासपुर*

करंट अफेयर

इजराइल-हमास युद्ध में 25 हजार फलस्तीनी हुए मृत

इजराइल और हमास के बीच तीन महीने से अधिक समय से जारी युद्ध में 25,000 से अधिक फलस्तीनियों की मौत हुई है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अशरफ अल–किद्रा के अनुसार, पिछले 24 घंटे में गाजा के अस्पतालों में कम से कम 178 शव और लगभग 300 घायल लाए गए। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इजराइल–हमास युद्ध में महिलाएं और बच्चे सबसे अधिक पीड़ित हैं। सात अक्टूबर को हमास ने इजराइल पर अचानक हमला कर करीब 1200 लोगों को मार डाला था, इनमें से अधिकतर आम नागरिक थे। हमलावरों ने पुरुषों, महिलाओं और बच्चों सहित लगभग 250 को बंधक बना लिया। इजराइल ने हवाई अभियान के साथ जवाबी हमले शुरू किए और फिर उत्तरी गाजा में जमीनी आक्रमण किया, जिससे पूरा इलाका लगभग तबाह हो गया। इजराइली बलों की जमीनी कार्रवाई अब दक्षिणी शहर खान यूनिस और मध्य गाजा में निर्मित शरणार्थी शिविरों पर केंद्रित है।

ऑफ बीट

बच्चे को जेब खर्च कब और कितना दें

बच्चों को जेब खर्च (पॉकेट मनी) देना परिवारों के लिए वास्तव में एक चुनौतीपूर्ण निर्णय हो सकता है। यह सवाल उठाता है कि बच्चों को जेब खर्च देना कब शुरू करना चाहिए और कितना देना चाहिए। एक अहम सवाल यह भी है कि क्या बच्चों को घरेलू कामकाज करने के ऐवज में जेब खर्च देना चाहिए। एक वित्त शोधकर्ता और अभिभावक के रूप में, जेब खर्च को एक शैक्षिक अवसर के रूप में देखना भी महत्वपूर्ण है। आप इसका उपयोग बच्चों को सोच–समझकर वित्तीय निर्णय लेने, सार्थक लक्ष्य निर्धारित करने और खर्च के दौरान जिम्मेदारी भरा रवैया अपनाने की आदतें विकसित करने के लिए कर सकते हैं। यहां बताया गया है कि आप इस संबंध में कैसे उचित निर्णय ले सकते हैं। आपको कब शुरू करना चाहिए? जेब खर्च के लिए कोई ''सही उम्र'' नहीं है, लेकिन जब बच्चे स्कूल जाना शुरू करते हैं और जोड़ना व घटाना सीखना शुरू करते हैं, तो आप उन्हें जेब खर्च के रूप में थोड़े पैसे देने पर विचार कर सकते हैं।

ट्रेंड

सस्ती दवाइयों से पैसे बचे

आयुष्मान भारत योजना की वजह से 6 करोड़ से अधिक लोग अस्पताल में मुफ्त इलाज करवा चुके हैं। 10 हज़ार जन औषधि केंद्र भी खोले हैं, जहां 80% डिस्काउंट पर दवाइयां मिल रही हैं। सस्ती दवाइयों से ग़रीब के 30,000 करोड़ रुपये बचे हैं।

-मनसुख मांडविया, केंद्रीय मंत्री

तत्काल युद्धविराम का आह्वान

गाजा में लोग न केवल बम और गोलियों से, बल्कि भोजन, साफ पानी की कमी और बिजली और दवा के बिना भी मर रहे हैं। ये रुकना चाहिए। मैं तत्काल युद्धविराम और सभी बंधकों की तत्काल बिना शर्त रिहाई के आह्वान से पीछे नहीं हटूंगा।

-एंटोनियो गुतरेस, यूएन महासचिव

भाग्य आपके नियंत्रण में है

परमानंद नियंत्रण से बाहर जाने जैसा है लेकिन सचेत रूप से। जब आप जानते हैं कि सचेत रूप से नियंत्रण से बाहर कैसे जाना है, तो आप हर चीज़ पर पूरी तरह नियंत्रण में हैं। आपके जीवन का भाग्य आपके नियंत्रण में है। -सदगुरु, आध्यात्मिक गुरु

भ्रष्ट मुख्यमंत्री के चर्चे

भारत के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री के चर्चे असम में हर ज़बान पर हैं, पर भ्रष्टाचार के इस पेड़ की जड़ दिल्ली में है। मुख्यमंत्रियों का काम राज्य के संसाधनों को निचोड़ कर चढ़ावा दिल्ली दरबार में अर्पित करना है।

-राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर

फोन: 401050,271016,फैक्स-271018

ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com

वेब-साइट: www.haribhoomi.com

रामाय रामभद्राय रामचन्द्राय वेधसे। रघुनाथाय नाथाय सीतायाः पतये नमः॥

अयोध्या में बन रहे राम मंदिर में 22 जनवरी को भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होगी। मंदिर के गर्भ गृह के निर्माण का काम बहुत तेजी से किया रहा है। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत देश-विदेश से तमाम वीवीआईपी अतिथि आएंगे। हम यहां जानेंगे कि क्या होती है प्राण प्रतिष्ठा और ये क्यों होती है। प्राण प्रतिष्ठा हिंदू और जैन धर्म में एक अनुष्ठान है, जिसके जरिए मंदिर में देवता की मूर्ति को प्रतिष्ठित किया जाता है। ये काम अनुष्ठान के जरिए होता है और इसमें भजन और मंत्रों के पाठ के बीच मूर्ति को पहली बार स्थापित किया जाता है। वैसे प्राण शब्द का अर्थ है जीवन शक्ति और प्रतिष्ठा का अर्थ है स्थापना। प्राण प्रतिष्ठा का शाब्दिक अर्थ है जीवन शक्ति की स्थापना करना या देवता को जीवन में लाना। प्राण प्रतिष्ठा हिंदू धर्म में महत्वपूर्ण अनुष्ठान है। इससे पूर्व किसी भी मूर्ति पूजा योग्य नहीं माना जाता बल्कि निर्जीव मूर्ति मानते हैं। प्राण प्रतिष्ठा के जरिए उनमें शक्ति का संचार करके उन्हें देवता में बदला जाता है। इसके बाद वो पूजा और भक्ति के योग्य बन जाती है। प्राण प्रतिष्ठा से पहले मूर्ति समारोह पूर्वक लाया जाता है। मंदिर के द्वार पर सम्मानित अतिथि की तरह विशिष्ट स्वागत किया जाता है। फिर उसे सुगंधित चीजों का लेप लगाकर दूध से नहलाते हैं। नहलाकर और साफ करके उसे प्राण प्रतिष्ठा योग्य बना दिया जाता है। फिर मूर्ति को गर्भ गृह में रखकर पूजन प्रक्रिया शुरू की जाती है। इसी दौरान कपड़े पहनाकर देवता की मूर्ति यथास्थान पुजारी द्वारा स्थापित की जाती है। मूर्ति का मुख हमेशा पूर्व दिशा की ओर करके रखा जाता है। सही स्थान पर इसे स्थापित करने के बाद देवता को आमंत्रित करने का काम भजनों, मंत्रों और पूजा रीतियों से किया जाता है। सबसे पहले मूर्ति की आंख खोली जाती है। ये प्रक्रिया पूरी होने के बाद फिर मंदिर में उस देवता की मूर्ति की पूजा अर्चना होती है। इस अनुष्ठान को हिंदू मंदिर में जीवन का संचार करने के साथ उसमें दिव्यता और आध्यात्मिकता की दिव्य उपस्थिति लाने वाला माना जाता है। इसी वजह से प्राण प्रतिष्ठा के बाद हमें दैवीय अहसास सा महसूस होता है।

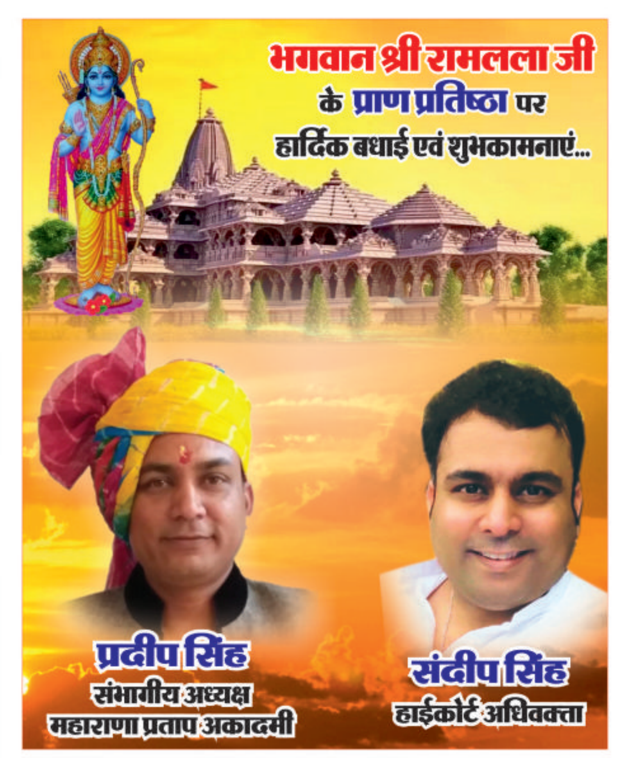

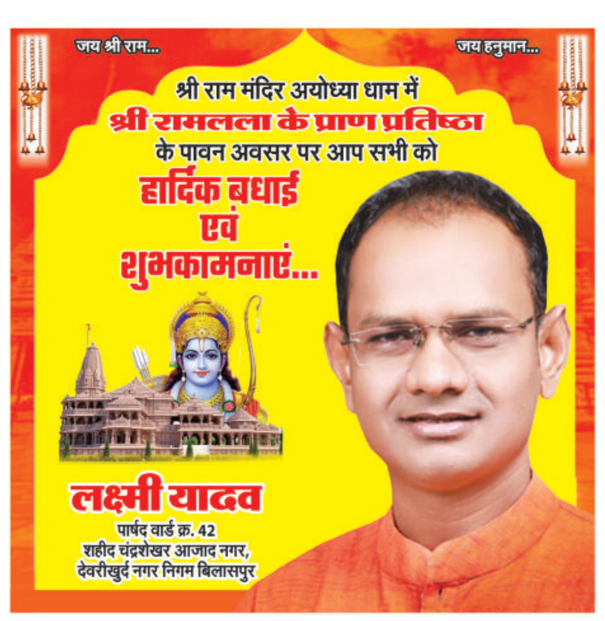

मुदित मातु सब सखीं सहेली। फलित बिलोकि मनोरथ बेली॥
राम रूपु गुन सीलु सुभाऊ। प्रमुदित होइ देखि सुनि राऊ

सब माताएँ और सखी-सहेलियाँ अपनी मनोरथ रूपी बेल को फली हुई देखकर आनंदित हैं। श्री रामचन्द्रजी के रूप, गुण, शील और स्वभाव को देख-सुनकर राजा दशरथजी बहुत ही आनंदित होते हैं॥

श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा

डिप्ट सीएम साव के विभागों की बजट चर्चा पूरी

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने उपमुख्यमंत्री अरूण साव की उपस्थिति में लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी व नगरीय प्रशासन विभाग के बजट सत्र को लेकर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा एवं समीक्षा बैठक की। श्री चौधरी एवं श्री साव ने बैठक में महत्वपूर्ण योजनाओं के बजट को लेकर विभागीय अधिकारियों से विस्तारपूर्वक चर्चा की।

स्मार्ट सिटी, सड़क, जल जीवन पर बात

बैठक में नगरीय निकायों की अधोसंरचना, स्मार्ट सिटी रायपुर-बिलासपुर, राजकीय राजमार्गों के निर्माण व रखरखाव एवं अमृत मिशन जैसी विभिन्न योजनाओं के बजट तथा अनुदान को लेकर चर्चा हुई। इस दौरान जल की गुणवत्ता की ऑनलाइन मॉनिटरिंग, जल जीवन मिशन डैशबोर्ड एवं राज्य पोर्टल निर्माण जैसे महत्वपूर्ण सुझाव भी प्राप्त हुए। श्री चौधरी एवं श्री साव ने विभागों के बजट की समीक्षा एवं महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बदलेगी पुलिस संचार व्यवस्था 120 फीट ऊंचे 37 वायरलेस टॉवर लगाने की तैयारी

पूर्व में लगाए गए टॉवर वायर से कनेक्ट थे, अब बदलेगी व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाकों और उनके आसपास के सामान्य क्षेत्रों में पुलिस की पुरानी संचार व्यवस्था में अब जल्द ही बदलाव होगा। राज्य पुलिस 17 जिलों में 37 स्थानों पर 120 फीट ऊंचे टॉवर लगवाने की तैयारी में है। बताया गया है कि पूर्व में जो टॉवर लगाए गए थे, वे वायर आधारित थे, लेकिन अब नई तकनीक से युक्त ऐसे टॉवर लगाए जाएंगे, जिनमें वायर नहीं होंगे। पुलिस मुख्यालय ने नए टॉवर स्थापित करने के लिए टेंडर जारी किया है।

इन जिलों में यहां लगेंगे टॉवर-

राज्य के 17 जिलों में 37 स्थानों पर नए टॉवर लगाए जाने हैं। इनमें धुर नक्सल प्रभावित जिलों के अलावा कुछ जिलों को पुलिस कंट्रोल रूम, दूरसंचार केंद्र भी शामिल हैं। हर जिले में चुनिंदा स्थानों पर टॉवर लगाए जाने हैं। बीजापुर

में मिरतुर, बंदेरे, बासागुड़ा, ईलमिडी, सुकमा में कोंटा, गोलापल्ली, किस्टाराम, चिंतागुफा, दंतेवाड़ा में फरसपाल, मालेवाही, राजनांदगांव जिले में कंट्रोल रूम राजनांदगांव थाना डोंगरगढ़, जगदलपुर में बरुगुम, कोंडागांव में उरंदाबेड़ा, पुंगारपाल, नारायणपुर में झारा, धनेरा, कोहकामेटा, कांकेर में परतापुर, कोयलीबेड़ा, कोडेकुर्सी, लोहत्तर, आमाबेड़ा, रायगढ़ में घरघोड़ा, बलरामपुर में बलंगी, सामरी, करोंधा, रघुनाथ नगर, वाड्रफनगर, सूरजपुर में रमकोला, बलौदाबाजार में गिरौधपुर, कोरबा में कोरबी, मानपुर-मोहला में सीतागांव दूरसंचार केंद्र मोहला, गरियाबंद में जुगाड़, मनेंद्रगढ़ में दूरसंचार केंद्र मनेंद्रगढ़, बिलासपुर में बेलगहना शामिल हैं।

जारी हुआ टेंडर-

37 स्थानों पर 120 फीट ऊंचे टॉवर लगाने के लिए पुलिस मुख्यालय ने टेंडर जारी किया है। टेंडर जमा करने के लिए 5 फरवरी तक का समय रखा गया है। तकनीकी बीड भी 5 फरवरी को खोली जाएगी। वित्तीय निविदा खोलने की तारीख अलग से जारी की जाएगी। यह सौदा भंडार क्रय नियम के आधार पर होगा। बताया गया है कि जो निविदाकार सफल होंगे, उन्हें 6 माह के भीतर 25 प्रतिशत अतिरिक्त खरीदी का आदेश दिया जा सकता है।

संचार व्यवस्था होगी दुरुस्त

पुलिस मुख्यालय के जानकार सूत्रों की मानें तो राज्य के नक्सल प्रभावित इलाकों में इन टॉवर के लगने से संचार व्यवस्था दुरुस्त होगी। दरअसल बस्तर संभाग के कई दूरदराज के क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी न होने, कई स्थानों पर बिजली नहीं होने के कारण संचार की व्यवस्था कमजोर है। साथ ही इन स्थानों पर पहले से भी जो टॉवर लगाए गए हैं, वे काफी पुराने होने के कारण क्षमता खो चुके हैं। अब नई तकनीक से युक्त ऐसे टॉवर लगाए जा रहे हैं, जिनमें वायर से कनेक्शन नहीं है। पूर्व के टॉवर वायर सपोर्टेड थे।

रायपुर स्मार्ट सिटी का कमांड सेंटर दक्ष हुआ राममय

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

जयस्तंभ चौक स्थित पुराने बस स्टैंड के कमांड सेंटर दक्ष से जुड़े 16 वीएमएस स्क्रीन और 44 जगहों पर लगाए गए पब्लिक एनाउंसमेंट सिस्टम से भगवान राम के भजन और रामधुन का प्रसारण शुरू किया गया है। साथ ही शहर के भीतर विज्ञापन के लिए लगाए गए बड़े आकार के एलईडी स्क्रीन पर इसके प्रसारण की व्यवस्था की गई है। अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर को ऐतिहासिक बनाने रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के दक्ष सेंटर से जुड़े टीवी स्क्रीन और पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम से भगवान राम के भजन और रामधुन बजना शुरू हुआ है, जो सोमवार को भी जारी रहेगा। शहर के घड़ी चौक, तेलीबांधा चौक और शास्त्री चौक सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर कमांड सेंटर से जुड़ी स्क्रीन पर शहरवासी रामधुन और राम की भक्ति से ओतप्रोत भजन सुन सकेंगे। रायपुर स्मार्ट सिटी के अधिकारियों का कहना है, 16 वीएमएस स्क्रीन, 20 बिल बोर्ड्स और 44 पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम पर यह प्रसारण किया जा रहा है। इसके अलावा शहर के भीतर विज्ञापन के लिए लगी बड़ी एलईडी स्क्रीन पर भी जगह-जगह प्रसारण की व्यवस्था कर इस ऐतिहासिक पल को यादगार बनाया जा रहा है ।

सीएम से छग वेटरन क्रिकेट एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने की मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से रविवार को राज्य अतिथि गृह पहुना में छत्तीसगढ़ वेटरन क्रिकेट एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय को प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि बोर्ड फार वेटरन क्रिकेट इन इंडिया की ओर से 22 फरवरी से 3 मार्च तक देहरादून में इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में 6 टीमें हिस्सा लेंगी, जिसमें पहली बार छत्तीसगढ़ की टीम भी सहभागी बनेगी।

पार्किंग में गाड़ी रखकर जाने वाले दुपहिया और चारपहिया वाहनों का लेंगे पार्किंग शुल्क

बस टर्मिनल में पिकअप और ड्रॉप आउट के लिए पार्किंग फ्री

महिला समूह पॉस मशीन से काटेगा रसीद, नगर निगम के खाते में जाएगी राशि

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

राजधानी का भाठागांव स्थित इंटरस्टेट बस टर्मिनल अब बेरियर फ्री रहेगा। बस स्टैंड में परिजनों को पिकअप करने या ड्रॉप आउट करने वालों से पार्किंग शुल्क नहीं लिया जाएगा। जो लोग अपनी गाड़ियां बस स्टैंड की पार्किंग में रखकर आना-जाना करेंगे, उनसे महिला समूह पॉस मशीन से रसीद काटकर पार्किंग शुल्क वसूल करेगा। शुल्क की यह राशि नगर निगम के खाते जमा होगी। निगम ने महिला समूह को दो महीने के ट्रायल पर बस स्टैंड की पार्किंग की देखरेख का जिम्मा दिया है। इसके लिए समूह को किसी प्रकार का भुगतान नगर निगम नहीं करेगा।

भाठागांव में 49 करोड़ की लागत से नवनिर्मित इंटरस्टेट बस टर्मिनल में दो महीने तक आम जनता के लिए पिकअप और ड्रॉप आउट की सुविधा निशुल्क रहेगी। पार्किंग की व्यवस्था को दो महीने के लिए ट्रायल पर महिला समूह को दिया गया है। संबंधित महिला समूह बस टर्मिनल में आने-जाने वालों लोगों की गाड़ियों को व्यवस्थित रखने में सहयोग करेगा तथा ऐसे लोगों की गाड़ियों से पार्किंग शुल्क वसूला जाएगा, जो बस टर्मिनल की पार्किंग में अपनी गाड़ी

खड़ी कर बाहर आना-जाना करते हैं। नगर निगम ने इसके लिए समूह की महिलाओं को पॉस मशीन उपलब्ध कराई है। जिसका शुल्क रसीद कटने के बाद राशि सीधे नगर निगम के खाते में जमा होगी।

नगर निगम के अधिकारियों का कहना है, प्रदेश के हाईटेक बस टर्मिनल परिसर से गाड़ी चोरी और पार्किंग के नाम पर अवैध वसूली तथा जनता से दुर्व्यवहार की शिकायत के बाद निगम प्रशासन ने यह कदम उठाया है, जिसमें पहली बार महिला समूह को दो माह के लिए पार्किंग का ट्रायल पर काम दिया गया है। इसके लिए निगम के कर्मचारियों ने महिला समूह के सदस्यों को प्रशिक्षण भी दिया है। दो माह के बाद पार्किंग का नया ठेका दिया जाएगा, जिसमें शहर के पंजीकृत महिला समूह भाग ले सकते हैं। स्वस्थ प्रतियोगिता के बाद चयनित महिला समूह को बस स्टैंड की पार्किंग का ठेका दिया जाएगा।

ओपन टेंडर करेंगे

बस टर्मिनल की पार्किंग की देखरेख का काम दो महीने के लिए ट्रायल पर महिला समूह को दिया गया है। निगम के पास पार्किंग संभालने कर्मचारियों की कमी को देखते हुए यह व्यवस्था बनाई गई है। दो माह बाद पार्किंग का ओपन ठेका होगा, जिसमें पंजीकृत महिला समूह भाग ले सकती हैं। स्वस्थ प्रतियोगिता के तहत अब टेंडर में चयनित महिला समूह को ही पार्किंग का ठेका दिया जाएगा।

- रमेश जायसवाल
कमिश्नर, जोन-6, ननि रायपुर

13 लोकल ट्रेनों के पहिए थमने से एक्सप्रेस पर बढ़ा दबाव, दोगुने यात्री, स्लीपर-जनरल कोच में पैर रखने की जगह नहीं

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

लोकल ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों को रविवार के दिन बसों में सफर करना पड़ा। रायपुर के कुम्हारी सेक्शन में ऑटोमेटिक सिग्नलिंग और अन्य अपग्रेडेशन कार्य शुरू किया गया, जिसके चलते रायपुर से दुर्ग व डोगरगढ़ जाने वाली 13 ट्रेनें रद्द रहीं। एक्सप्रेस ट्रेनों की ठंड के कारण लंबी लेटलतीफी के बीच लोकल गाड़ियों के रद्द होने से रोजाना सफर करने वाले यात्रियों को बड़ी दिक्कत हुई। इस वजह से बिलासपुर और राजनांदगांव के साथ दुर्ग तथा भाटापारा से रायपुर रोजाना अप-डाउन करने वाले हजारों लोकल ट्रेन के यात्री एक्सप्रेस में सफर कर रहे हैं। ऐसे में एक्सप्रेस ट्रेनों के जनरल कोच के साथ स्लीपर कोच यात्रियों से पैक हो चुके हैं। आलम ये है कि भीड़ की वजह से स्लीपर में सफर करने यात्रियों को पैर रखने तक की जगह नहीं मिल रही है। रविवार को आजाद हिंद, समता, संपर्क क्रांति, छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस में काफी भीड़ रही। ट्रेनों के निर्धारित समय पर नहीं चलने के कारण भी हर एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रियों को संख्या दोगुनी हो चुकी है, इस वजह से कंफर्म टिकट के यात्रियों को सफर में असुविधा होने लगी है।

रायपुर से दुर्ग और डोंगरगढ़ जाने वाली 13 लोकल रद्द होने से दिनभर बसों में रही यात्रियों की भीड़

दुर्ग की बसों में भारी भीड़

रायपुर से दुर्ग जाने के लिए यात्रियों ने बस से सफर किया। एक्सप्रेस ट्रेन 4 से 5 घंटे तक लेट रही। रोजाना लोकल ट्रेनों में 20 हजार से अधिक यात्री सफर करते हैं। लोकल ट्रेन नहीं चलने से लोगों ने अधिक किराया देकर बसों में सफर किया। कुम्हारी में सिग्नल का काम 50 फीसदी पूरा किया जा चुका है।

प्राण-प्रतिष्ठा से पहले कांग्रेस नेताओं ने किया सुंदरकाण्ड का पाठ

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

अयोध्या में जहां एक तरफ भगवान रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा में अब कुछ ही घंटे शेष हैं, ऐसे में देशभर के रामभक्तों में उत्साह अपने चरम पर है। जो भक्त अयोध्या नहीं जा पाए, वे अपने क्षेत्र के मंदिरों में भजन-कीर्तन में लीन हैं। राजधानी रायपुर के पुराने कांग्रेस भवन में रविवार को कांग्रेस पार्टी की तरफ से सुंदरकांड का पाठ किया गया।

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देशानुसार शहर जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर के प्रांगण स्थित हनुमान मंदिर के सामने उपस्थित होकर कांग्रेसियों ने सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा का संगीतमय पाठ किया। इस मौके पर गुलाब फूल एवं पंखुड़ियों से विशेष साज-सज्जा की गई। पाठ के पश्चात सभी ने मिलकर हनुमानजी की सामूहिक आरती उतारी और उपस्थित लोगों में भी प्रसाद का वितरण किया। उधर जिला कांग्रेस रायपुर ग्रामीण के अध्यक्ष उधोराम वर्मा के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने ग्राम दोंदेखुर्द स्थित हनुमान मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ किया।

इस सामूहिक पाठ के मौके पर जिला कांग्रेस रायपुर ग्रामीण के दमन साहू समेत अन्य कांग्रेसियों और ग्रामीणों ने भी हिस्सा लिया।

कांग्रेस नेता गिरीश दुबे, प्रमोद दुबे, पंकज शर्मा, ज्ञानेश शर्मा, धनंजय ठाकुर, महापौर एजाज ढेबर, सूर्यमणि मिश्रा, कुमार मेनन, शिव सिंग ठाकुर, माधो साहू, देवकुमार साहू, दाऊलाल साहू, अशोक ठाकुर, सुरेश ठाकुर, दिनेश ठाकुर, नवीन चंद्राकर, कमलेश नथवाणी, पुष्पराज बैद, मुन्ना मिश्रा, चितरंगा साहू, दीपा बग्गा, जयनारायण जलक्षत्री, विष्णु राजपूत, उज्जवल राजपूत, भूपेंद्र जलक्षत्री, राजू सोनी, दिनेश शुक्ला, प्रकाश पुजारा, अमित नायडू, मनीष श्रीवास्तव एवं अविनय दुबे आदि उपस्थित रहे।

सभी जिलों में आज सुंदरकांड

कांग्रेस पार्टी द्वारा जारी कार्यक्रम के तहत राजधानी रायपुर के बाद सोमवार को प्राण-प्रतिष्ठा के दिन प्रदेश के सभी जिलों में कांग्रेस नेता सामूहिक सुंदरकांड का पाठ करेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने इस संबंध में सभी जिला कमेटियों को दिशा-निर्देश जारी कर दिया है।

युवतियों को सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग का निशुल्क प्रशिक्षण

रायपुर। दसवीं कक्षा पास युवतियों-महिलाओं के लिए अमेजन, नेटवेस्ट, एप्प स्क्रिप, मैक्यूरी, एक्सेंचर जैसी मल्टीनेशनल कंपनियों में सॉफ्टवेयर इंजीनियर की जॉब गारंटी का सुनहरा अवसर मिल रहा है। जिला प्रशासन और नव गुरुकुल संस्था की ओर से 18 महीने का निशुल्क सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग प्रोग्राम के लिए इच्छुक युवतियों-महिलाओं का चयन किया जा रहा है। जिला प्रशासन की ओर से स्कूल ऑफ प्रोग्रामिंग के रूप में फुंडहर स्थित वुमेन हॉस्टल में आवासीय कोडिंग प्रोग्राम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत न्यूनतम दसवीं कक्षा पास युवतियों-महिलाओं को इंजीनियरिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए ग्यारहवीं, बारहवीं की सभी विषयों या संकायों की छात्राएं भी आवेदन कर सकती है।

9 सदस्यीय हाथियों का दल पहुंचा सलका

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

कोरिया वन मंडल बैकुंठपुर अंतर्गत वनपरिक्षेत्र बैकुंठपुर में 21 जनवरी को सुबह के समय हाथियों का 9 सदस्यीय दल पहुंचने की जानकारी के बाद वन विभाग का अमला सजग हो गया है और हाथियों के मूवमेंट पर लगातार निगरानी बनाए हुए हैं। वहीं आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को मुनादी कराकर हाथियों से दूरा बनाकर रहने एवं किसी प्रकार का छेड़छाड़ नहीं करने की समझाईस दी गई। जानकारी के अनुसार कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर के लगे ग्राम सलका के बीट क्रमांक 480 एवं 481 कांदाबारी के जंगलों में हाथियों का 9 सदस्यीय दल पहुंच गया है। जानकारी के अनुसार हाथियों का दल मनसुब बीट अंतर्गत पिपरिया से पीपरढाब, रोबो होते हुए 21 जनवरी को सुबह लगभग 7 बजे कांदाबारी के जंगल में पहुंच कर विचरण कर रहे हैं। सूचना पर हाथियों पर सतत निगरानी वन विभाग के मैदानी अमला द्वारा बनाई गई है। उल्लेखनीय है कि वन परिक्षेत्र बैकुंठपुर के ग्राम सलका के निकट कांदाबादी का वन क्षेत्र हाथियों का चीर परिचित क्षेत्र हैं और इस जंगल में प्रतिवर्ष हाथियों का दल पहुंचता रहता है। इस दौरान कई बार हाथियों का दल कांदाबादी के जंगलों से निकल कर पास के रहवासी क्षेत्र में भी पहुंच जाता है और लोगों के फसलों के साथ मकानों को क्षति पहुंचाते रहे हैं। अब फिर कांदाबारी जंगल क्षेत्र से लगे गांवों के लोगों को हाथियों की आमद की खबर के बाद दहशत भर गया है।

राशिफल

मेष – मन परेशान हो सकता है। कारोबार में अभी कठिनाइयां बनी रहेंगी। सचेत रहें। कोई नया निवेश करने से बचें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष – मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में संयत रहें। कारोबार विस्तार के लिए परिवार से आर्थिक सहयोग मिल

मिथुन – मन परेशान हो सकता है। आत्मसंयत रहें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि

कर्क – किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। वाहन सुख में वृद्धि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में विदेश यात्रा पर जा सकते हैं।

सिंह – आत्मविश्वास में कमी आएगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या – मन में निराशा एवं असन्तोष रहेगा। मन अशान्त रहेगा। संयत रहें। परिवार में व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा।

तुला – मन प्रसन्न रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां तो रहेंगी, लेकिन परिश्रम भी अधिक रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से लाभ के अवसर मिल सकते हैं।

वृश्चिक – मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी। बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में बदलाव भी हो सकता है।

धनु – आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु अतिउत्साही होने से बचें। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

मकर – क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है।

कुंभ – आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु संयत भी रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

मीन – दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। खर्चों की अधिकता से परेशान हो सकते हैं।

शब्द पहेली - 5402

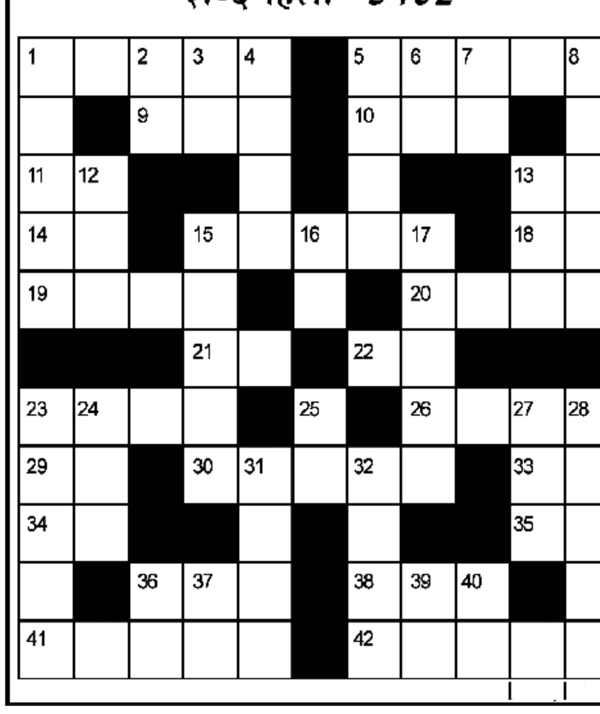

बाएँ से दाएँ
1.यश प्राप्त करना-5
5.चतुर, जहीन-5
9.दया, तरस-3
10.कामदेव-3
11.लीन, तल्लीन-2
13.बोली, आवाज-2
14.राजदुर्वा-2
15.एक प्रकार का बिस्किट-2,3
18.मत, सलाह-2
19.जो लायक न हो-4
20.अधीनस्थ-4
21.कहानी, गाथा-2
22.श्रवणेंद्रिय-2
23.कुएं से पानी भरने का चबूतरा-4
26.दान देने वाला-4
29.वरदान, दूल्हा-2
30.पत्नी का नाना-2,3
33.सूर्य, दिनकर-2
34.भीगा हुआ-2
35.सुर आलाप-2
36.फूलों का रस,अर्क-3
38.तरंग, हिलोर-3
41.जरुरतमंद-5
42.सेंधमार-5

ऊपर से नीचे
1.नामकरण-5
2.टैक्स,हाथ-2
3.महीना, मास-2
4.नामवर, प्रसिद्ध-4
5.संधि, सामंजस्य-4
6.सरुर, नशा-2
7.झंकार-2
8.रमण योग्य-5
12.तगारी, नांद-3
13.सुअर-3
15.अभिमान मर्दित होना -2,3
16.समाप्त-2
17.नेकनीयत-5
23.हनुमान-3,2
24.मुलायम-3
25.उम्मीद, आशा-2
27.बहादुरी-3
28.शिव, रविलोचन-2,3
31.नामचीन-4
32.सुसंचालन-4
36.चेहरे का तेज, दर्प-2
37.रिश्तेदार-2
39.अधिकार-2
40.ईश्वर, भगवान-2

शब्द पहेली- 5401 का हल

सा	ल		व	ला		य	म		श	र
या		क	ल		जो	श		जा	य	ज
	कै	द		श	र		का	न	न	
न	दी		खे	मा		का	त	ना		जा
म		जा	ल		का	य	र		ता	ल
	मा	न		र	म	ल		का	ला	
का	या		बी	न	ना		रा	म		सी
र		क	ह	र		शो	र		बा	धा
	की	च	ड़		सा	ला		री	त	
क	म	रा		खा	र		सी	ता		द
म	त		जी	त		मा	मा		दा	म

सूडोकु नवताल 5412

★★★★★ कठिनतम

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5411 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

नृप सब रहहिं कृपा अभिलाषें। लोकप करहिं प्रीति रुख राखें॥
भिनु तीनि काल जग माहीं। भूरिभाग दसरथ सम नाहीं॥

सब राजा उनकी कृपा चाहते हैं और लोकपालगण उनके रुख को रखते हुए (अनुकूल होकर) प्रीति करते हैं। (पृथ्वी, आकाश, पाताल) तीनों भुवनों में और (भूत, भविष्य, वर्तमान) तीनों कालों में दशरथजी के समान बड़भागी (और) कोई नहीं है॥

श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा

खबर संक्षेप

छात्रवृत्ति के लिए बैंक खाता-आधार सीडिंग का अंतिम मौका आज

रायपुर। अपने बैंक खाते को आधार नंबर से लिंक कराने से वंचित रह गए छात्र-छात्राओं को आधार सीडिंग का अंतिम मौका दिया जा रहा है। विद्यार्थियों के लिए बैंक खातों को अपने आधार नंबर से लिंक कराने की अंतिम तिथि 22 जनवरी तक बढ़ा दी गई है। आधार सीडिंग के बाद ही विद्यार्थी छात्रवृत्ति की राशि अपने बैंक खातों से निकाल सकेंगे। जिले के आदिवासी विकास विभाग के सहायक संचालक ने बताया कि महाविद्यालयों में पढ़ने वाले अनुसूचित जाति-जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति देने की योजना संचालित की जा रही है। पिछले वर्ष कई विद्यार्थियों के बैंक खाते उनके आधार नंबरों से लिंक नहीं थे, इसलिए उनकी छात्रवृत्ति राशि का आहरण नहीं हो सका था। ऐसे सभी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति राशि प्राप्त करने के लिए अंतिम मौका देकर बैंक खाते को अपने आधार नंबर से लिंक कराने के निर्देश जारी किए गए है। छात्रवृत्ति से वंचित विद्यार्थियों के लिए 22 जनवरी तक पोर्टल पुनः खोला गया है। विद्यार्थी आधार सीडिंग कराकर अपने संस्था प्रमुख को सूचित करेंगे। संस्था प्रमुख द्वारा आदिवासी विकास विभाग के जिला कार्यालय को जानकारी उपलब्ध कराने पर छात्रवृत्ति की राशि का आहरण कर विद्यार्थियों के खाते में जमा की जाएगी। निर्धारित तिथि 22 जनवरी तक आधार सीडिंग नहीं करवाने पर विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित हो जाएंगे।

राज्यपाल ने की दीपदान की अपील

रायपुर। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर देश एवं प्रदेश के नागरिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने कहा है कि ऐतिहासिक एवं बहुप्रतीक्षित रामलला मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का समारोह अयोध्या धाम में 22 जनवरी को होने जा रहा है। इस अवसर को मनाने के लिए मेरा आग्रह है कि आप अपने घरों में उत्सव मनाएं और दीप जलाएं, रोशनी करें और दीपदान करें। स्थानीय मंदिरों में भी समारोह आयोजित करें। इस प्रकार से हम इस पवित्र अवसर पर श्रीराम के प्रति अपनी श्रद्धा और उत्साह प्रदर्शित करें। ऐसे सामूहिक प्रयासों के माध्यम से हम एकता और सद्भावना को बढ़ाने का प्रयास कर सकते हैं।

विधायकों से बोले शाह- राजनीति में कैसे काम करना है, ये बताना बड़ा कठिन

सफल विधायक बनने हर घटना, हर मुलाकात से हर दिन कुछ न कुछ सीखना चाहिए

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा के प्रबोधन सत्र के आखिरी दिन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, विधायक का रोल बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा, वह चुनकर जनप्रतिनिधि के रूप में आते तो उन्हें कौन, क्या सिखा सकता है, राजनीति में कैसे काम करना है, ये उन्हें बताना बड़ा कठिन कार्य है। व्यक्ति चाहे कितना भी अनुभवी क्यों न हो, पर सीखने का समय और उम्र कभी खत्म नहीं होती। जीवन की अंतिम सांस तक सीखते रहना ही सफलता का मूलमंत्र है। अगर सफल होना है तो हर घटना से, हर मुलाकात से, हर दिन कुछ न कुछ सीखना चाहिए।

छत्तीसगढ़ विधानसभा में प्रबोधन कार्यक्रम के अंतिम दिन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नए विधायकों से कहा, चुने हुए जनप्रतिनिधि का जनता से संबंध काम आता है। एक जनप्रतिनिधि के पास तीन तरह के दायित्व होते हैं, क्षेत्र का दायित्व, पार्टी के प्रति दायित्व तथा राज्य की प्रगति एवं विकास का दायित्व, जिनका हमें निर्वहन करना पड़ता है। उन्होंने विधायकों को बताया कि अधिकारियों के साथ जनप्रतिनिधियों का संघर्ष नहीं होना चाहिए, अपितु नियम और प्रक्रिया के तहत उनसे चर्चा करके समस्या का समाधान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, एक अच्छे विधायक को संवेदनशील होना चाहिए, उसमें तत्परता, कुशलता, उत्सुकता एवं जिज्ञासा भी होनी चाहिए। जो सोशल मीडिया का उपयोग कर

जीत जाते हैं, उन्हें मैंने हारते हुए भी देखा है।

अच्छा विधायक बनने के बताए गुर- उन्होंने विधायकों को प्रभावी एवं सफल विधायक बनने के गुर बताते हुए कहा, क्षेत्र के मतदाता से जीवंत संपर्क, नियम प्रक्रियाओं का पूरा ज्ञान, व्यवहार कुशलता, मृदुभाषिता एवं सदन में संयमित भाषा से ही कोई भी प्रभावी विधायक के रूप में अपनी पहचान बना सकता है। उन्होंने कहा, शोर-शराबा करके विधानसभा के अंदर विधायक अपनी पहचान नहीं बना सकते। विधायकों को अपनी विचारधारा से समझौता नहीं करना चाहिए। उनको अपने विधानसभा क्षेत्र में विरोधियों के प्रति भी अच्छा व्यवहार रखना चाहिए । उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि विधानसभा का सबसे महत्वपूर्ण कार्य कानून बनाना होता है, लेकिन उस समय सभा में विधायकों की उपस्थिति सबसे कम होती है।

हमारी लोकतंत्र की जड़ें गहरी- जब देश को आजादी मिली, उस वक्त जो लोकतंत्र के पंडित और मीडिया के विद्वान आशंका जता रहे थे कि भारत कैसे चलेगा। भारत खंड-खंड बिखर जाएगा, लेकिन 75 साल हो चुके हैं, पीछे मुड़कर देखते हैं, सभी राजनीतिक दलों ने मिलकर हमारे लोकतंत्र की जड़ें पाताल से भी गहरी की हैं। पूरी दुनिया को यह संदेश दिया है कि हम सबसे बड़े लोकतंत्र हैं। त्रि-स्तरीय लोकतांत्रिक व्यवस्था को हमने बड़ी सफलता के साथ न केवल आत्मसात किया है, बल्कि इसे पूरी दुनिया में पहुंचाया भी है।

सरल विषय मांगा था, पर कठिन दे दिया- श्री शाह ने चुटकी लेते हुए कहा, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह नहीं आ पाए, क्योंकि उनकी कमर में दर्द है तो उन्हें चलने-फिरने में दिक्कत हो रही है। जब स्पीकर साहब और मुख्यमंत्री का फोन आया तो मैंने कहा, सरल विषय देना, लेकिन उन्होंने सबसे कठिन विषय पकड़ा दिया है। राजनीति में जो चुने हुए प्रतिनिधि होते हैं, उन्हें प्रभावी तरीके से कैसे काम करना है? ये बताना सबसे कठिन काम है। वे चुनकर जनप्रतिनिधि के रूप में आते हैं तो उन्हें कौन, क्या सिखा सकता है। राजनीति में कैसे काम करना है, ये उन्हें बताना बड़ा कठिन कार्य है।

प्रश्नकाल का सही प्रयोग करें : अजय- अंतिम दिन प्रबोधन के पहले सत्र में अजय चंद्राकर ने कहा, प्रश्नों में बहुत ताकत होती है। ये लोकतंत्र की आत्मा होती है। इसके माध्यम से जनता की प्रतिवेदनाएं परिलक्षित होती हैं। प्रश्नकाल का सही ढंग से प्रयोग कर एक सशक्त विधायक बना जा सकता है। प्रश्नकाल के लिए कार्यपालिका विधानमंडल एवं मंत्रिमंडल भी सामूहिक रूप से उत्तरदायी होते हैं। इसके माध्यम से राज्य के कार्य को जनता के समक्ष लाया जाता है। उन्होंने नवनिर्वाचित विधायकों से आग्रह किया कि आप ऐसे प्रश्न करें, जिससे जनता को लाभ मिले। विधानसभा में हमें सदैव विद्यार्थी भाव से प्रवेश करना चाहिए, सीखते रहना चाहिए।

आर्थिक स्थिति देखकर बनता है बजट : पाण्डेय- पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने नवनिर्वाचित विधायकों को बजट का अर्थ, बजट बनाने की प्रक्रिया, उसके प्रकार तथा निर्धारण के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महालेखाकार, एक्जिक्यूटिव, विधानसभा की समितियों के माध्यम से आर्थिक नियंत्रण देखा जाता है, ताकि वित्तीय अनुशासन बना रहे। आर्थिक स्थिति को देखकर ही आगामी बजट का निर्धारण किया जाता है। उन्होंने बजट को लेकर विधायकों की जिज्ञासा को भी शांत किया।

पति पर प्रताड़ना सहित कई गंभीर आरोप लगाए

होटल के बाहर कहा- तलाक...तलाक..तलाक, सॉफ्टवेयर इंजीनियर पिता सहित जेल दाखिल

महिला की शिकायत पर पुलिस ने शनिवार देर रात पिता-पुत्र के खिलाफ दर्ज किया अपराध

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

महिला थाने की पुलिस ने एक महिला की रिपोर्ट पर उसके पति तथा पिता के खिलाफ तीन तलाक अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल दाखिल कर दिया गया है। घटना शनिवार देर रात की है। महिला तथा उसका पति पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं।

पुलिस के मुताबिक गोलबाजार थाना क्षेत्र निवासी महिला की शिकायत पर उसके पति हैदराबाद निवासी आदिल मोजाना तथा उसके पिता को गिरफ्तार किया गया है। महिला ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि उसे उसका पति प्रताड़ित करने के साथ आप्रकृतिक कृत्य करता था। इससे व्यथित होकर वह पिछले तीन महीने से अपने मायके में रह रही है। महिला के अनुसार उसके पति ने समझौता करने जमात के सामने आवेदन दिया था। इसके बाद महिला के पति को समाज के लोगों ने शनिवार को समझौता करने बुलाया। वहां दोनों पक्षों ने अपनी बात रखी। इसी दौरान आदिल ने अपनी पत्नी को जमात के सामने दो बार तलाक बोल दिया।

बीच-बचाव करने पर मामला शांत हुआ। महिला द्वारा थाने में दर्ज शिकायत के अनुसार जमात के बीच मामला शांत होने के बाद पति उसे अपने साथ खाना खिलाने बैजनाथपारा स्थित एक होटल लेकर गया। साथ में महिला की मां भी साथ थी। महिला ने आरोप लगाया है कि खाना खाकर जब वे होटल से बाहर निकले, तब उसके पति ने उसे तीन बार तलाक..तलाक बोलकर उससे संबंध विच्छेद कर लिया। घटना रात करीब साढ़े 10 बजे की है। इसके बाद महिला ने रात में ही आवेदन तैयार कर महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के तत्काल बाद पुलिस ने महिला के पति और पिता को गिरफ्तार कर लिया।

बहरीन में शिकायत के बाद सिंगापुर पहुंचे

महिला और उसका पति दोनों सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। शादी के बाद दंपति एक कंपनी में बहरीन में नौकरी करने पहुंचे। महिला ने आरोप लगाया है कि बहरीन में उसका पति उसे प्रताड़ित करता था। परिजनों से बात न हो पाए, इसलिए उसका मोबाइल छीन लिया। इसके बाद उसने घटना की जानकारी बहरीन पुलिस को दी, तब उसके पति ने वहां उससे समझौता किया और उनका मोबाइल वापस लौटाया। इसके बाद महिला का पति सिंगापुर शिफ्ट हो गया। महिला ने वहां भी अपने पति के खिलाफ प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है।

वकील ने कहा- आरोप बेबुनियाद

बचाव पक्ष के वकील फैजल रिजवी ने महिला द्वारा लगाए गए आरोप को मनगढ़ंत बताया है। बचाव पक्ष के वकील के मुताबिक आदिल अपनी पत्नी को लेने के लिए यहां आया था। इसके अलावा आदिल ने अपनी पत्नी तथा बच्ची के साथ हज करने आवेदन दिया। विवाद की स्थिति होने पर आदिल हज के लिए आवेदन नहीं करता। वकील के अनुसार होटल में सभी हंसकर बात कर रहे थे, वहां किसी भी तरह से विवाद की स्थिति निर्मित नहीं हुई। इस बात के प्रमाण के तौर पर उन्होंने आसपास के होटल के सीसीटीवी फूटेज होने का दावा किया है।

वैलनेस सेंटर को बना दिया आयुष्मान आरोग्य मंदिर, पर उपचार की सुविधा जस की तस

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देश के बाद हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर अब आयुष्मान आरोग्य मंदिर बन चुके हैं। आने वाले मरीजों की पर्ची में भी नाम बदल चुका है, मगर उपचार की सुविधाओं में बढ़ोतरी नहीं की गई है। इस स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम मरीजों को प्राथमिक उपचार और निशुल्क दवा की सुविधा दी जा रही है।

पांच साल बाद बदला गया नाम, छोटी बीमारियों का इलाज और दवा

सूत्रों का कहना है कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय लोगों को निशुल्क स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने की योजना पर काम कर रहा है। इसके तहत प्राथमिक उपचार के लेकर बड़ी बीमारी के इलाज को भी आयुष्मान योजना में शामिल किया जाना है। प्राथमिक स्तर पर इसका प्रभाव दिखाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में संचालित किए जाने वाले हेल्थ एवं वैलनेस सेंटर का नाम परिवर्तन का काम शुरू किया गया था। राज्य के लगभग 98 प्रतिशत वैलनेस सेंटरों के नाम बदले जा चुके हैं और बाकी का काम इस माह के अंत तक पूरा कर दिया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक स्वास्थ्य केंद्र का बोर्ड बदलने के साथ ऑनलाइन सर्वर में भी इसका बदलाव किया जा चुका है और मरीजों को मिलने वाली ओपीडी पर्ची आयुष्मान आरोग्य मंदिर के साथ आरोग्यं परमं धनं का स्लोगन भी उल्लेखित है। वर्तमान में इन स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच, प्रसव, टीकाकरण के साथ सर्दी-खांसी बुखार, बीपी-शुगर की जांच के साथ निशुल्क दवा उपलब्ध कराई जाती है। आने वाले दिनों में इन स्वास्थ्य केंद्रों में उपचार सुविधा का विस्तार किया जाएगा, इसके लिए केंद्रीय स्तर पर गाइडलाइन मिलने का इंतजार किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ से शुरू होकर देशभर में विस्तार

जानकारी के मुताबिक वर्ष 2018 में बीजापुर जिले में पहले हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर की शुरुआत की गई थी। इसके बाद इसका विस्तार छत्तीसगढ़ समेत अन्य राज्यों में किया गया था। छत्तीसगढ़ में लोगों को घर के समीप प्राथमिक उपचार की सुविधा देने के लिए इनकी संख्या तेजी से बढ़ाते हुए पांच हजार तक पहुंचा दी गई। बेहतर परफार्मेंस के लिए कुछ केंद्रों को पुरस्कृत भी किया गया था।

जयस्तंभ चौक पर अखंड रामायण पाठ शुरू, 25 हजार दीये बांटे

रायपुर। राजधानी रायपुर में सार्वजनिक हनुमान मंदिर ट्रस्ट, श्री बजरंग नवयुवक मित्र मंडल गणेशोत्सव समिति ने जयस्तंभ चौक पर अखंड रामायण पाठ का प्रारंभ किया। इसका समापन सोमवार को होगा। कार्यक्रम के दौरान 25 हजार दीये और बाती, पांच हजार धूपबत्ती, पांच हजार तोरण, दो टन रंगोली, पांच हजार केले के पेड़ निशुल्क वितरित किए, ताकि भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर लोग घरों में दीपक, तोरण, रंगोली और केले के पेड़ से घर की सजावट कर दीपावली की तरह उत्सव मना सकें। समिति के आमंत्रण पर दक्षिण कोशल पीठाधीश्वर राजीव लोचन महाराज, सिख गुरु बाज सिंग,कबीर पंथ के गुरु देकार साहब, राजेश्वर नंद महाराज का शॉल, श्रीफल से स्वागत राष्ट्रीय स्वयंसेवक के प्रांत संघ चालक डॉ. पूर्णेंदू सक्सेना ने किया। डॉ. सक्सेना का स्वागत केदारनाथ गुप्ता ने किया।

सेवा करने प्रदेश के 30 रसोइयों और 100 कार्यकर्ताओं की टीम जाएगी अयोध्या

रायपुर। भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मी वर्मा ने बताया, अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के बाद देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा करने का जिम्मा प्रदेश की भी आधा दर्जन समितियों को मिला है। वहां लगने वाले भंडारे में ये सदस्य सेवाएं देंगे। भंडारे के लिए भोजन बनाने 30 कुशल रसोईयों एवं 100 कार्यकर्ताओं की टीम बस से रवाना होगी। 24 जनवरी दोपहर 12 बजे प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय वीआईपी रोड स्थित राम मंदिर से बस को झंडी दिखाकर अयोध्या रवाना करेंगे।

श्रीमती वर्मा ने एकात्म परिसर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया, अयोध्या में छत्तीसगढ़ की ओर से शबरी शदालय बनाया जा रहा है। यहां लोगों के खाने-पीने का इंतजाम किया जाएगा। रायपुर से 6 संस्थाएं यहां अपना सहयोग देंगी। इन संस्थाओं में नीलांचल सेवा समिति बसना, स्व. पुरुषोत्तम अग्रवाल फाउंडेशन रायपुर, शिव महापुराण सेवा समिति तिल्दा, नेवरा एग्रोकेट समिति रायपुर, सनातन सेवा समिति रायपुर, कालीमाता भंडारा समिति रायपुर शामिल हैं। इन संस्थाओं के सदस्य अयोध्या में 60 दिनों तक सेवा देंगे। अयोध्या के मेले में हर 10 दिन के अंतराल में संस्थाएं बारी-बारी से काम करेंगी। सुबह के नाश्ते से लेकर दोपहर का भोजन और रात का खाना निशुल्क दिया जाएगा। हर दिन 6000 लोगों के लिए भोजन का इंतजाम किया जाएगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष

सीएम साय शिवरीनारायण...

हुए अपने-अपने राज्यों के कार्यक्रम शामिल होकर अपने राज्यों को राममय करने का बड़ा जिम्मा दिया गया है। छत्तीसगढ़ के लिए भी यही निर्देश भाजपा संगठन का है। ऐसे में छत्तीसगढ़ के कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए मंत्रियों के कार्यक्रम बने हैं।

साय दिनभर रहेंगे शिवरीनारायण में-
मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का सोमवार को दिन से लेकर रात तक शिवरीनारायण में रहने का कार्यक्रम है। वहां पर मंदिर में सुबह पूजा-अर्चना के बाद वे अयोध्या से प्राण प्रतिष्ठा का लाइव कार्यक्रम देखेंगे। इसी के साथ दिनभर अलग-अलग धार्मिक कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। इसी तरह से उपमुख्यमंत्री अरुण साव लोरमी और विजय शर्मा कवर्धा के धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

मंत्री, सांसद, विधायक रहेंगे अपने क्षेत्रों में-
प्रदेश के सभी मंत्री, विधायकों के साथ सांसद भी अपने-अपने क्षेत्र में रहते हुए मंदिरों के धार्मिक कार्यक्रमों शामिल होंगे। इसी के साथ रात को अपने क्षेत्र में दीये जलाने के साथ आतिशबाजी के कार्यक्रमों में शामिल होकर दीपावली की तरह पर्व मनाएंगे। इसी तरह से प्रदेश भाजपा संगठन के पदाधिकारी भी अपने-अपने क्षेत्र के कार्यक्रमों में शामिल होकर अपने क्षेत्र को राममय करने के साथ दीपावली जैसा पर्व मनाएंगे।

बृजमोहन-सुनील होंगे रायपुर के कार्यक्रमों में शामिल-
प्रदेश के मंत्री बृजमोहन अग्रवाल सोमवार को दिनभर रायपुर के कार्यक्रमों में शामिल होंगे। सुबह दूधाधारी मठ के कार्यक्रम में शामिल होने के साथ वहीं पर बड़ी स्क्रीन में सबके साथ बैठकर अयोध्या का लाइव देखेंगे। इस कार्यक्रम में सांसद सुनील सोनी, विधायक राजेश मूणत, पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा, गुरु खुशवंत, इंद्र कुमार साहू भी शामिल होंगे। श्री अग्रवाल शाम को चंदखुरी में माता कौशल्या के मंदिर में होने वाले रामोत्सव में शामिल होंगे। इसके बाद रात को राम मंदिर में होने वाले कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। सांसद सुनील सोनी भी दिनभर रायपुर के कार्यक्रमों में शामिल होंगे। रात को कटोरा तालाब के कार्यक्रम में शामिल होंगे।

राम के ननिहाल ...

को लेकर सोमवार को राजधानी में 40 से ज्यादा शोभायात्रा निकाली जा रही हैं।

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने के एक सप्ताह पूर्व से राज्य के अलग-अलग शहरों में अखंड रामायण सहित कीर्तन मंडलियों द्वारा प्रभात फेरी निकालने के साथ कई तरह के धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। रायपुर में पुलिस को सूचना देकर 18 अलग-अलग स्थानों से रैलियां निकाली गईं। कई जगहों पर तो पुलिस के बगैर पूर्व सूचना दिए रैली का आयोजन किया गया।

आज रहेंगे सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम-
रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर आज राजधानी के अलावा राज्य के सभी शहरों में शोभायात्रा निकालने के साथ अलग-अलग जगहों पर भंडारा तथा मंदिरों में प्रसाद वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसे ध्यान में रखते हुए जिन थाना क्षेत्रों में शोभायात्रा निकलने के साथ भंडारा का आयोजन किया जा रहा है। वहां पुलिस बल तैनात किया जाएगा।

राजधानी में आज इतनी जगह शोभायात्रा-
पुलिस को जिन संस्थाओं, समितियों ने प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर शोभायात्रा निकालने आवेदन दिए हैं, उनकी संख्या 40 है। पुलिस अफसरों के अनुसार प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन शहर में शोभायात्रा निकालने वालों की संख्या 40 से अधिक रहेगी। बस्ती तथा कॉलोनियों में शोभायात्रा निकालने वालों ने इसकी जानकारी थानों में नहीं दी है। जिन लोगों ने सूचना नहीं दी है, उनके बारे में भी पुलिस जानकारी जुटाकर वहां सुरक्षा इंतजाम करने की बात कह रही है।

ट्रैफिक कंट्रोल करना बड़ी चुनौती-
सोमवार को शहर में निकलने वाली शोभायात्रा के साथ आयोजित भंडारे की वजह से कई स्थानों पर ट्रैफिक जाम की स्थिति निर्मित हो सकती है। इसके लिए पुलिस ने शोभायात्रा निकालने वालों को वालंटियर नियुक्त कर व्यवस्थित रूप से शोभायात्रा निकालने की अपील की है। ट्रैफिक पुलिस के अफसरों के मुताबिक जहां भंडारे का आयोजन होगा, साथ ही भीड़भाड़ वाले इलाकों से शोभायात्रा निकलेगी, उन स्थानों में जरूरत पड़ने पर ट्रैफिक डायवर्ट किया जा सकता है।

धार्मिक स्थलों की चौकसी-
प्राण प्रतिष्ठा में किसी तरह से विघ्न की स्थिति निर्मित न हो, इसे ध्यान में रखते हुए राज्य के सभी शहरों में सभी धर्मों के धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने पुलिस मुख्यालय ने निर्देश जारी किए हैं। धार्मिक स्थानों की सुरक्षा में सिविल में भी पुलिस के जवान तैनात किए जाएंगे।

शाह ने समझा...

है उसमें गोरीला हमला, घात लगाकर हमला, इसी के साथ अब भ्रम फैलाकर हमला करना भी है। पुलिस तक गलत जानकारी भेजकर उनको घेर कर मारने का काम किया जाता है। नक्सलियों के जितने भी तरीके के हमले के पैटर्न हैं, उन सबके बारे में श्री शाह ने बारीकी से जानकारी ली है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी जानने का प्रयास किया कि नक्सलियों के पहले के पैटर्न और अब के पैटर्न में कितना बदलाव आया है। इसके बारे में भी अधिकारियों ने पूरी जानकारी दी। आला अधिकारियों ने नक्सलियों के खिलाफ सूर्य शक्ति अभियान के बारे में भी केंद्रीय मंत्री को पूरी जानकारी दी। इसमें बताया गया कि लगातार नक्सलियों के खिलाफ एक्शन हो रहा है। नक्सलियों को पकड़ने के साथ उनके साथ लगातार मुठभेड़ भी हो रही है।

बैठक में ये रहे मौजूद-
बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, गृह मंत्री विजय शर्मा, केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला, प्रदेश के मुख्य सचिव अमिताभ जैन, गृह सचिव के साथ ही पुलिस विभाग, बीएसएफ, सीआरपीएफ, राज्य खुफिया विभाग के आला अधिकारी शामिल हुए।

केंद्र की नक्सलवाद...

करना चाहती है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह का कहना है, तीन साल के अंदर देश से नक्सलवाद को समाप्त कर दिया जाएगा। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए क्या किया जा सकता है, इसको लेकर अब जल्द ही बड़ी रणनीति तैयार होगी। इसमें राज्य सरकार के साथ मिलकर नक्सलवाद के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा। श्री शाह विधानसभा चुनाव के पहले यहां पर सभाओं में कह चुके हैं कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने पर नक्सलवाद को समाप्त कर दिया जाएगा। अब यहां पर इसके लिए बड़ी रणनीति बनाने की पूरी तैयारी है।

न्याय यात्रा में...

धक्का-मुक्की हुई। राहुल को बचाते हुए उनके सिक्योरिटी गार्ड उन्हें बस के अंदर वापस ले गए।

घटना के दौरान राहुल का काफिला सोनितपुर में था। राहुल ने घटना को लेकर कहा- आज भाजपा के कुछ कार्यकर्ता झंडा लेकर हमारी बस के सामने आ गए। मैं बस से निकला, वो भाग गए। हमारे जितने पोस्टर फाड़ने हैं, फाड़ दो। हमें कोई फर्क नहीं पड़ता। हमारी विचारधारा की लड़ाई है, हम किसी से नहीं डरते हैं। न ही नरेंद्र मोदी से, न असम के मुख्यमंत्री से। कांग्रेस पार्टी ने न्याय यात्रा के काफिले पर 48 घंटे में दूसरी बार हमले का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर लिखा- आज जब हमारा काफिला असम में रैली स्थल की ओर जा रहा था। तब जुमगुरीहाट में हिमंता बिस्वा सरमा के गुंडों ने महासचिव जयराम रमेश की गाड़ी पर पानी फेंका और स्टीकर फाड़ा। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने लिखा- भाजपा के लोगों ने हमारी सोशल मीडिया टीम के कैमरामैन और अन्य सदस्यों पर हमला किया, जिनमें 2 महिलाएं भी थीं। हिमंता, यह गीदड़ हरकतें करनी और करवानी छोड़ दो। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को तुम और तुम्हारे गुंडे नहीं रोक सकते। इससे पहले 19 जनवरी की रात को भी कांग्रेस ने न्याय यात्रा के काफिले पर भाजपा के हमले का आरोप लगाया था। कांग्रेस ने एक वीडियो भी जारी किया था, जिसमें कुछ गाड़ियों के शीशे टूटे हुए दिख रहे थे। साथ ही कुछ लोग पार्टी के होर्डिंग-बैनर उखाड़ते दिख रहे थे।

राहुल बोले-जनता...

कांग्रेस आगामी चुनावों में भाजपा के खिलाफ भारी अंतर से जीत हासिल करेगी। हम यात्रा में लंबे भाषण नहीं देते हैं। हम हर दिन 7-8 घंटे यात्रा करते हैं, आपके मुद्दों को सुनते हैं और हमारा उद्देश्य इन मुद्दों को उठाना है।

3 दुकानों से 440 लीटर अवैध डीजल जब्त

रायगढ़। मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुसौर पुलिस व साइबर सेल की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 3 दुकानों में दबिश देकर करीब 440 लीटर अवैध शराब जब्त किया गया है। वहीं दुकान संचालकों को नोटिस प्रेषित कर नियमानुसार कार्रवाई की गई है। मिली जानकारी के अनुसार विगत कुछ दिनों से पुसौर थाना क्षेत्र और आसपास के ईलाको में भारी वाहन चालकों से सस्ते दामों में डीजल खरीदकर अवैध रूप से बिक्री की सूचनाएं मिल रही थी। मुखबिर से पुसौर क्षेत्र में तस्दीक की गई। जहां, चाय ठेला, पान ठेला और गुमटीनुमा दुकान की आड़ में चोरी की डीजल विक्रय किए जाने की जानकारी मिली। जिसके बाद साइबर सेल और पुसौर पुलिस की टीम द्वारा ग्राम रेबार के संतोष नारंग के दुकान, ग्राम सुपा के राम प्रसाद के पान ठेला और ग्राम सुपा मेन रोड पर डूमर साय के चाय ठेले में दबिश दिया गया। संतोष नारंग निवासी सुपा पुसौर के कब्जे में 130 लीटर अवैध डीजल, ग्राम सुपा के राम प्रसाद के पास 160 लीटर अवैध डीजल तथा ग्राम सुपा के डूमर साय के कब्जे में 150 लीटर अवैध डीजल खाली ड्रम और डीजल नापने का चाडी, केन मिला। पुसौर पुलिस द्वारा डीजल संग्रहण, विक्रय के संबंध में तीनों व्यक्तियों को नोटिस देकर अनावेदक पर थाना पुसौर में धारा 102 सीआरपीसी के तहत कार्यवाही की गई। तीनों कार्यवाही में अनावेदकों से कुल 440 लीटर अवैध डीजल, खाली ड्रम, तेल नापने का टीना का केन, प्लास्टिक चाडी की जप्ती कर थाने में रखा गया है।

बेगि बिलंबु न करिअ नृप साजिअ सबुइ समाजु।
सुदिन सुमंगलु तबहिं जब रामु होहिं जुबराजु।।

एक समय रघुकुल के राजा दशरथजी अपने सारे समाज सहित राजसभा में विराजमान थे। महाराज समस्त पुण्यों की मूर्ति हैं, उन्हें श्री रामचन्द्रजी का सुंदर यश सुनकर अत्यन्त आनंद हो रहा है॥1॥

श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा

लकड़ी कम होने का हवाला देकर मुक्तिधाम में मारपीट

मुक्तिधाम में विवाद करते लोग।

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

शहर के शंकरघाट स्थित मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार के लिए दी गई लकड़ी का वजन कम होने के नाम पर मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। मुक्तिधाम में हुई घटना का वीडियो अब वायरल हो रहा है। यह पहला मौका है जब मुक्तिधाम जैसे स्थान पर भी मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया है। हालांकि मार खाने वाले व्यक्ति द्वारा इसकी शिकायत पुलिस से नहीं किए जाने की बात कही जा रही है लेकिन उन्होंने लकड़ी प्रदान करने का जिम्मा अब सीनियर सिटीजन फोरम को सौपने का फैसला ले लिया है। बताया जा रहा है कि 19 जनवरी को शहर के गोधनपुर क्षेत्र से एक व्यक्ति के निधन उपरान्त शंकरघाट मुक्तिधाम में चार क्विंटल लकड़ी का पर्ची कटवाया गया था। संचालनकर्ता का कहना है कि पर्ची के अनुरूप कर्मचारी द्वारा चार क्विंटल लकड़ी निकालकर दे दिया गया था लेकिन जब मृतक के परिवार के सदस्य अंतिम संस्कार के लिए आए तो उनके लकड़ी कम लगी ऐसे में उन्होंने इसकी शिकायत की थी। शिकायत के बाद कर्मचारी को भेजा गया। लकड़ी मोटी होने के कारण वजन अधिक था इस लिए लकड़ियां कम नजर आ रही थी। ऐसे में कर्मचारी द्वारा अतिरिक्त लकड़ी निकालकर दे दी गई थी। लकड़ी कम होने को लेकर ही विवाद शुरू हुआ और मौजूद लोगों ने देखरेख करने वाले व्यक्ति की जमकर पिटाई कर दी। हालांकि इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया। केयर टेकर का कहना है कि लकड़ी की मोटाई अधिक होने के वजन अधिक हो गया और इसी लिए लकड़ियां कम नजर आई।

भालू के हमले में घायल महिला की सीआरपीएफ जवानों ने बचाई जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुसमी

भालू के हमले में घायल महिला की जान बचाकर सीआरपीएफ जवानों द्वारा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सीआरपीएफ जवानों द्वारा की गई इस मदद की क्षेत्र में जमकर सराहना की जा रही है। बताया जा रहा है कि विकासखंड के दूरस्थ क्षेत्र सबाग के ग्राम नवाडीह निवासी चलंगी नगेशिया पति दसन नगेशिया किसी काम से जंगल की ओर गई हुई थी। इस दौरान जंगल में भालू ने महिला पर हमला कर दिया। भालू के हमले में महिला बेहोश हो गई। इस बात की जानकारी मिलने के बाद तत्काल सीआरपीएफ के अधिकारी व जवान मौके पर पहुंचे जिसके बाद घायल महिला को कंधे पर लादकर जंगल से बाहर लाया गया और सबाग अस्पताल में भर्ती कराया गया।

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

SHIVA EMBROCATION OIL
शिव एम्ब्रोकेशन ऑयल
रजि नं. 1721362
कापीराईट नं. 88763/10
दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा - सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों ओर सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
HMS देखकर खरीदें
नकली माल से सावधान
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com

हरिभूमि Classified

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी

Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- मैरिज ब्यूरों में टेलिकॉलिंग हेतु (18-28 वर्ष) युवतियां, महिलाएं चाहिए। सैलरी 5000 से 20000 कमाने का अवसर सम्पर्क करें- गणेश चौक, साई मंदिर, छत्तीसगढ़ पब्लिक स्कूल के पास, बिलासपुर 9981898334 (32644)

आवश्यकता है- खेत्रपाल मल्टीस्पेशलिटी डेन्टल क्लीनिक में कार्य करने देने हेतु स्टाफ की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- प्रेम अपार्टमेन्ट, मुंगेली नाका, बिलासपुर 9111052333 (32640)

आवश्यकता है- कृषि दुकान में सेल्स कार्य हेतु दो कर्मचारियों की आवश्यकता है बिलासपुर किसान परिवार के कम्प्यूटर जानकार, मोटर साइकल वाले को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- दोपहर 2 से शाम 7बजे तक कृषि विजय शनिचरी बाजार बिलासपुर 9921145331 (32643)

आवश्यकता है- सर्वमंगला टेन्ट हाऊस कुम्हारपारा बिलासपुर में काम करने हेतु अनुभवी ड्रायवर एवं दो लड़कों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 6260273334, 98266 01147 (32642)

आवश्यकता है- पेट्रोल पम्प में कार्य करने हेतु युवकों और युवतियों की आवश्यकता है। फ्रेशर युवक/ युवतियों को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- बुखारी पेट्रोल पम्प, अग्रसेन चौक, बिलासपुर (32641)

आवश्यकता है- अंजनी बिल्डकॉन में सेल्स/ मार्केटिंग हेतु लड़के-4, लड़कियां-4, ऑफिस कार्य हेतु लड़कियां-2 की आवश्यकता है संपर्कः- निखिल टॉवर शॉप न. 27, सीपत मेनरोड मोपका- 62619 62696, 9827209827 (2442)

Required- Hiring M/s Sushil & Surendra (Chartered Accountants), Qualification- B.Com.+ (English medium) & Tally Software, experience- 1 to 10 years, salary- 8K to 15K (according to Ability). Mob - 9589009993 casurendra@yahoo.co.in (32639)

आवश्यकता है-तिफरा, सिरगिट्टी, व्यापार विहार, राजकिशोर एवं भूपदेवपुर (रायगढ़) दगौरी (बिल्हा) प्लांटों में गार्ड चाहिए रहना फ्री, पेमेंट 9000 से 13000 आस्था वाच पावर आफिस-15 बजरंग काम्प्लेक्स, तेलीपारा 889997822, 9754713125, 7000894356 (32623)

आवश्यकता है- अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर महिला या युवती की आवश्यकता (जिसे बिजी साफ्टवेयर चलाना आता हो) सम्पर्क करें- अमर जनरल स्टोर व्यापार विहार बिलासपुर 9827473604, 91314 52265 (32624)

आवश्यकता है- टेली कॉलिंग हेतु युवतियों महिलाओं की आवश्यकता है (5000 फिक्स सैलरी) अलग से कमीशन+ एक्सट्रा इनकम 10000 से 20000 कमाने का अवसर सम्पर्क करें- गणेश चौक नेहरू नगर बिलासपुर 7610415969 (32638)

आवश्यकता है- चश्मे के शोरूम में कार्य हेतु लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता संपर्क करें अमर ज्योति आप्टिकल्स जीत टाकीज रोड राजीव प्लाजा बिलासपुर मो. 7987400950, 7354255424 (32629)

आवश्यकता है- साक्षी प्राइवेट ITI में कम्प्यूटर आपरेटर एवं आफिस में कार्य करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है वेतन 7000 से 10000 तक सम्पर्क करें- छाया स्पोर्ट्स सदर बाजार बिलासपुर (32631)

आवश्यकता है- स्पोर्टस दुकान में कार्य करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है वेतन - 6000 से 11000 योग्यता अनुसार सम्पर्क करें छाया स्पोर्ट्स सदर बाजार बिलासपुर (32633)

आवश्यकता है- सुरक्षा एजेंसी के अंतर्गत मोटरसाइकिल एवं होंडा शोरूम में कार्य हेतु गार्ड की आवश्यकता है, उम्र 30 से 50 साल, (अनुभवी को प्राथमिकता) संपर्क करें 9981630084 (2437)

आवश्यकता है- रेस्टोरेंट में काम करने के लिए लेडीज वेटर और नॉन वेज कुक की आवश्यकता है सम्पर्क करें- छोटूजी रेस्टोरेंट, भारतीय नगर चौक बिलासपुर 97556 55055 (32610)

आवश्यकता है- प्लाईवुड, हार्डवेयर दुकान में अनुभवी सेल्समेन लड़के चाहिए, अनुभवी को प्राथमिकता बायोडाटा सहित मिले- शाम 4 के बाद बालाजी सेल्स कार्पोरेशन बच्चपन स्कूल के पास मंगला चौक बिलासपुर 6263256324, 98271 52999 (32611)

आवश्यकता है-बिलासपुर जांजगीर मे सुपरवाईजर, सुरक्षागार्ड, गनमैन की आवश्यकता है PF, ESI मेडिकल आवास सुविधा फ्री सम्पर्क करें- सिद्धी विनायक सिक्युरिटी राजेन्द्र नगर बिलासपुर 9300803366, 9109930584, 78040 84637 (32532)

आवश्यकता है- घर में एक तीन माह की बच्ची की देखरेख के लिए आया की आवश्यकता है सम्पर्क करें- समाधान नर्सिंग होम राजीव गांधी चौक जरहाभाठा बिलासपुर (32606)

आवश्यकता है- उर्मिला मोटर्स (हीरो शोरूम) कोटा में कार्य करने हेतु सेल्स लडकी- 3, मोटर सायकिल मेकेनिक- 2,वाशिंग लड़के- 2, सेल्स लड़के-2 की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9340252857 (32599)

आवश्यकता है-(1) तत्काल महिला/ पुरुष ड्राइवर (2) कार्यालय सचिव कम्प्यूटर कौशल सहित अंग्रेजी में निपुण सोशल मीडिया का ज्ञान आवश्यक (3) चपरासी (योग्यता मिडिल स्कूल) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 8109538000 (32615)

आवश्यकता है- सिक्योरिटी गार्ड, ऑपरेशन मैनेजर, सुपरवाइजर (केवल अनुभवी) की आवश्यकता है बिलासपुर में। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- ए1 जीत सिक्युरिटीज प्राइवेट लिमिटेड ,मंगला चौक सीएलसी प्लाजा बिलासपुर 8319001366, 9165931618 (32612)

आवश्यकता है- रायपुर में पुरुष कोमा पेसेंट हेतु केयर टेकर की जो कि नर्सिंग कोर्स किया हो एवं जिसे 3 वर्ष का क्रिटिकल केयर का अनुभव हो। वेतन रुपये 18000/- प्रतिमाह रहने की व्यवस्था प्रदान की जावेगी। संपर्क करेः- राकेश अग्रवाल, A-73 लविस्ता कॉलोनी अमलीडीह रायपुर 9575042804 मिलने का समय सुबह 9 से 11 तक (2428)

आवश्यकता है- एम.जे. मार्केटिंग को आवश्यकता है फ़ोटोशाप, विडीओ मिक्सिंग एवं ग्राफिक्स designing, बैकआफिस- 3, और डिलीवरी बॉय -20 की रहने की सुविधा उपलब्ध है पता- जीत कोल्ड स्टोर के पास, दुर्गा पेट्रोल पम्प के पीछे, गोंदवारा, रायपुर (C.G.) संपर्कः- 07748- 084442, 7999826631 (2431)

आवश्यकता है- क्या आप एक प्राइवेट कम्पनी में नौकरी पाना चाहते है? तो अधिक जानकारी के लिए नीचे दिये गये नम्बर में संपर्क करें- यह पूर्णतः निःशुल्क है 91542 90761, 9154290760 (32579)

आवश्यकता है-Reliance Jio 5G कंपनी में पार्ट /फुल टाइम घर बैठे Sms Job करके लड़के/ लड़कियां, ग्रहणीया, स्टूडेंट, रिटायर्ड पर्सन कमाए (21500- 67500) महीना लैपटॉप मोबाइल मुफ्त नाम पता Whats app करें:- 96315 50466 (2425)

आवश्यकता है- बिलासपुर रायपुर में लड़की/ महिला की जरूरत है बच्चा, सम्भालने हेतु, बुजुर्ग एवं मरीज सेवक, घरेलु खाना बनाने हेतु, काम वाली बाई, रोजगार सहायक सम्पर्क करें- 9244664654, 07752446646 (32613)

आवश्यकता है- राँची, आगरा में रहकर ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित लड़कों की आवश्यकता है, उम्र 18 से 25 वर्ष सैलरी 9000+ कमिशन+ बोनस (रहना फ्री) सम्पर्क करें मंगला चौक बिलासपुर 7879036112 (32637)

आवश्यकता है- घर में बुजुर्ग की देखभाल हेतु केयर टेकर लड़के की आवश्यकता है वेतन 10,000, 12,000+ रहना खाना बिलासपुर 82248 15551 (3697)

आवश्यकता है- घरेलू काम खाना बनाने, झाडू पोछा, बर्तन, साफ सफाई इत्यादि काम के लिए महिला की आवश्यकता है। आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- जबड़ापारा सरकंडा बिलासपुर 9755210360 (32600)

आवश्यकता है- थोक कपड़ा दुकान में काम करने हेतु लड़के, लड़कियों एवं कार चलाने हेतु ड्राईवर की आवश्यकता है। पेमेंट योग्यतानुसार पता- श्रीसाईं टैक्स, भाजपा कार्यालय के पास, करबला रोड, बिलासपुर 9285031000 (32601)

आवश्यकता है-Reliance Jio 5G कंपनी SMS Sending Calling Job करके लड़के, लड़कियां, गृहणियां, रिटायर्ड पर्सन, स्टूडेंट घर बैठे कमाए 21500- 48500 महीना लैपटॉप+ मोबाइल मुफ़्त Name पता Qualification, Call/ SMS/ Whats App करें- 8695963713 (1306)

आवश्यकता है-90डिग्री फिटनेस बिलासपुर में पर्सनल ट्रेनर युवक/ युवती की आवश्यकता है, अनुभवी को प्राथमिकता, वेतन योग्यता अनुसार, रिज्यूम व्हाट्सएप करें:- Call 7535915366 (2429)

आवश्यकता है- Fraud कॉल से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के, लड़कियों , गृहणियां कमाए (15000- 45000)/- महिना लैपटॉप +मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें - 07903284986 (6782)

आवश्यकता है-अम्मा जी ट्रेडर्स बिलासपुर में सेल्स मार्केटिंग के लिए अनुभवी लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है सैलरी/ कमीशन संपर्क करे- 96999 91449 (32329)

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ के बाहर ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की आवश्यकता है योग्यता 10वीं, 12वी, स्नातक, वेतन 10000 (रहना फ्री) ट्रेनिंग पश्चात कमाएं 20000 से 25000 सम्पर्क करें- 9039470547, 7489497447, 73897 69528 (32614)

आवश्यकता है-ग्लोबल इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड में तत्काल परमानेन्ट भर्ती लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन कार्यानुसार 7300+ 9500+ 11000+ 13500+ 15000 बाहर के लोगों को रहना+ खाना, मेडिकल फ्री मार्क शीट की फोटो कॉपी+ 2 फोटो+ बायोडाटा के साथ। सम्पर्क करेः- भिलाई पावर हाउस, ओवर ब्रिज के पास, लक्ष्मी मेडिकल के बाजू में (छ.ग.) 9109799525 (6301)

आवश्यकता है- ऑफिस में साफ सफाई करने हेतु लड़के/ लड़की की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- नेशनल ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट बिलासपुर प्रकाशन कॉम्प्लेक्स मध्य नगरी चौक बिलासपुर 9827156005, 87700 68557 (32604)

आवश्यकता है- फैक्ट्री हेतु सुरक्षागार्ड, सुपरवाईजर-10, वेतन 14-20 हजार तक गार्ड 12-18 तक (PF+ ESIC + Bonus, खाना + आवास की सुविधा) 10वीं से स्नातक तक नोटः- वेतन प्रतिमाह 7 तारीख को संपर्क- शिव सेक्युरिटी शॉप नं. 28 कमला सुपर बाजार, तेलघानी नाका, रेलवे स्टेशन, रायपुर (छ.ग.) फोन 0771- 4036689, 88067 70891, 7052408688 (1084)

आवश्यकता है- ऑफिस में टेलीकॉलिंग वर्क हेतु लड़कियों की एवं महिलाओं की आवश्यकता है, शिक्षा 8वी से ग्रेजुएशन तक संपर्क पताः- CMO ऑफिस के सामने सरकंडा SECL रोड बिलासपुर मोबाइल नंबरः- 9340643084, 626427 7133 (2424)

आवश्यकता है-अलमारी पेंटिंग हेतु स्प्रे पेंटर की आवश्यकता है 4 साल का अनुभव आवश्यक वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- सुरेश राठौर, मैट्रिक्स मोटर कंट्रोल, सेक्टर-ए, इण्डसट्रियल एरिया सिरगिट्टी, बिलासपुर 9827191959 (32558)

आवश्यकता है-स्वप्निल बिल्ड कंस्ट्रक्शन आर्किटेक्ट्स कम्पनी को ऑफिस, मार्केटिंग हेतु युवतियां चाहिए योग्यता हिन्दी अंग्रेजी टाइपिंग,ग्रेजुएशन अनिवार्य। वेतन 10000 से 25000 सम्पर्क करे-राधा परिसर मोपका बिलासपुर 7415002702, 93028 22476 (32512)

आवश्यकता है-घर में काम करने हेतु स्टाफ (केवल महिला) की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। रहने एवं खाने की सुविधा उपलब्ध। सम्पर्क करें- सीएमडी चौक बिलासपुर 7000305315 (32505)

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ से बाहर रहकर आफिस कार्य हेतु 18-28 वर्ष के 10/12वीं पास अविवाहित लड़के चाहिए वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस ट्रेनिंग पश्चात 15000 से 20000 रहना फ्री सम्पर्क करें 8827688865, 9685388875 (32603)

आवश्यकता है- Reliance jio 5G कंपनी में पार्ट/ फुल टाइम घर बैठे Sms Job करके लड़के/ लड़कियां गृहणियां स्टूडेंट कमाए (21,500-67,500) महीना लैपटॉप मोबाइल मुफ्त नाम पता Whats app करें- 9330460875, 62960 26501 (6759)

आवश्यकता है- एयरपोर्ट (HEAD OFFICE) हेतु सीधी भर्ती (पक्की परमानेंट नौकरी) तुरंत ट्रेनिंग शुरू अनपढ़, 8वीं, 10वीं, 12वीं, ग्रेजुएट (लड़के- लड़कियां) सैलरी (32900- 81770) सुपरवाइजर, ग्राउंड स्टाफ, चेकर, कंप्यूटर ऑपरेटर, हेल्पर, गार्ड, ड्राइवर (सभी फ्री सुविधाएं) रायपुर 08929 328091 (2441)

बेचना

बेचना है- मुख्य मार्ग से मात्र 90मीटर पर डायवर्टेड आवासीय प्लॉट बाउंड्रीयुक्त परिसर मे मात्र 930/- प्रति वर्गफुट फाइनेंस उपलब्ध प्लॉट तोरवा लालखदान ओवर ब्रिज से आगे मेन रोड पर संपर्क ऑफिस- जेबीएस इंफ्रा डेवलपर्स संजय अग्रवाल जेपी रेसीडेंसी, होटल रेड डायमंड के पहले, मुर्राभटठा, बिलासपुर 9300000195, 93003 24970 (32587)

बेचना है-DPS स्कूल एवं बस स्टैंड बिलासपुर से 1.5km जीएसटी आफिस से लगा 80' चौड़ी घुरु अमेरी रोड पर नवनिर्मित वीनस अपार्टमेंट में सर्वसुविधायुक्त 2/3BHK फ्लैट्स सेल/रेंट पर उपलब्ध, सम्पर्क- 9340090620 7898918151 (31649)

बेचना है- तिवारी चॉल राजेन्द्र नगर में 28×70= 1960 वर्गफुट की पूर्व मुखी जमीन एवं तेलीपारा में 20×60= 1200 वर्गफुट की दुकान बेचना है सम्पर्क करें- 9827473604, 9131452265 (32625)

बेचना है- फ्लैट बेचना है सर्व सुविधा युक्त फ्लैट 2BHK, प्रथम तल पर, जीवाजी हाइट्स कपिल नगर सरकंडा बिलासपुर में बेचना है। सम्पर्क करें- 9754266665, 98271 02841 (32609)

बेचना है- यदुनन्दन नगर तिफरा (सूर्या विहार फेज 2) में उत्तर मुखी डायवर्डेट प्लाट बेचना है 18×50, 20×50, 30×50 कीमत 1500 रुपए वर्गफिट, सीसी रोड, बिजली खम्बा, सम्पर्क करें- 98263 14444 (32632)

बेचना है- 280×45= 12600 वर्गफुट डामर नहर रोड पर बिरकोना से खूंटाघाट जो नहर रोड जाता है प्लाट नहर रोड सेमरताल में पड़ेगा बेचना है कीमत 500/- फुट सम्पर्क करें- 9300328495, 98279 38236 (32626)

बेचना है-सकरी शहर के मध्य पक्की रोड से लगी हुई 12×18 की ग्राउण्ड फ्लोर में 2 दुकान, 12×18 की फर्स्ट फ्लोर में 2 दुकान तथा 20×8 का खुला प्लाट बटालियन चौक, नया बाजार के पास सकरी में बेचना है। सम्पर्क करें- क्रांतिलाल साहू 9329646270, 79873 58440 (32472)

बेचना है-यदुनन्दन नगर तिफरा के विभिन्न हिस्सों में डायवर्टेड प्लॉट कीमत 550 से 1100 रुपए में एवं 26 लाख में 2BHK मकान, 2:67 लाख छूट। सम्पर्क करें-रविन्द्र पाटनवार 9753311111 (31558)

बेचना है- सेंट्रल यूनिवर्सिटी, सुंदर लाल शर्मा यूनिवर्सिटी एवं उषा वैली कालोनी के पास बिरकोना बिलासपुर में 1 एकड़ 30 डिसमिल (56680 वर्गफीट) रजिस्ट्री की हुई जमीन बेचना है। 94064 41535, 9827973060 (2443)

बेचना है- प्राइम लोकेशन अशोक नगर बिरकोना बिलासपुर में 147 फिट फ्रंट में 19184 वर्गफीट का शानदार कमर्शियल प्लाट डबल रोड में हॉस्पिटल, हॉस्टल, कांप्लेक्स एवं इन्वेस्टमेंट के उपयुक्त बेचना है। मोबाइलः- 98279 73060, 9575788444 (2444)

बेचना है- न्यू हाईटेक बस स्टैण्ड से 2 किलोमीटर दूरी पर यदुनन्दन नगर तिफरा में 550/- प्रति वर्गफिट से लेकर 800/-, 1100/-, 1300/-, 1500/- तक प्लाट उपलब्ध है सम्पर्क करें- 7770844420, 88897 37420 (32598)

बेचना है- खमतराई रामा ग्रीन सिटी के पास शिवम विहार कॉलोनी मे 30×40 का सर्वसुविधायुक्त टी.एन.सी कालोनी में 2 बीएचके मकान तत्काल बेचना हैं (दलाल संपर्क ना करे) 6232809670 (2430)

बेचना है- उषालता काम्प्लेक्स किम्स हॉस्पिटल के सामने मगरपारा रोड में फर्स्ट फ्लोर फ्रंट साइड दुकान 600 फुट एवं नीचे दुकान नं.-3 एवं 4 बेचना है । 75829 82000, 98266 81000 (32450)

बेचना है- सकरी और बिल्हा नेशनल हाईवे में डबल रोड, गार्डन फेसिंग, प्लॉट उपलब्ध। टाउन एंड कंट्री अप्रूव्ड। फाइनेंस की सुविधा, फ्री साइट विजिट। उपहारः 5gm गोल्ड कॉइन मोबाइल नंबरः- 6262229444, 93992 75304 (2432)

किराया

किराया - दरबार लॉज तेलीपारा बिलासपुर में तीन मंजिला दुकान किराये से देना है। मो. 9827126666, 98271 77676 (32602)

किराया - शांति नगर, रिंग रोड नम्बर 2, में सेकेण्ड फ्लोर पर, 2 BHK सर्व सुविधायुक्त मकान किराये पर देना है। किराया 15000/- सम्पर्क करें 8839065508 (दलाल सम्पर्क ना करे) (32616)

किराया-Jain Plaza near CMD Chowk, Ground floor में फ्रण्ट की शॉप 400 Sqft) किराये से देना है। Contact- 83199 52306 (32271)

ज्योतिष

ज्योतिष-फ्री सेवा घर बैठे समाधान 7347259119 प्यार में धोखा, वशीकरण, सौतन, दुश्मन छुटकारा, लव मैरिज, रूठें मनाना, ग्रह कलेश, किया कराया, दवाई ना लगना, कारोबार, प्रेमी पति संतान अनबन (समस्या कैसी भी जड़ से खत्म) 7347259119 (12146)

आपके सपनों का आशियाना
जल्द होगा आपका...
पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड
सब कुछ है यहां

यात्रा

यात्रा- यात्रा 14.2.2024 द्वारकापुरी गुजरात द्वारकाधीश भेंट द्वारका मूल द्वारका छाप द्वारका गोमती द्वारका स्टेच्यू ऑफ यूनिटी द्वादश ज्योतिर्लिंग सोमनाथ नागेश्वर ओंढा नागनाथ घृशनेशवर त्र्यंबकेश्वर ओम्कारेश्वर अंकलेश्वर शिर्डी शनि सिंगनापुर नांदेड़ बोरसद पोरबंदर सुदामापुरी रुक्मणी मंदिर द्वितीय यात्रा 2.3.2024 रामेश्वरम पूरा दक्षिण भारत केरल कर्नाटक तमिलनाडु आंध्रप्रदेश तेलंगाना महाराष्ट्रा सहित महालक्ष्मी सेवा पंडरी रोड रायपुर 8871611197 9425580803 (2435)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि मे प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जांच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये गये किसी भी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु संपर्क करें

- शिवम एड एजेंसी एण्ड पब्लिसिटी :-मो. 9993567380, 8770837744
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स :-मो.9827168452, 9300625174
- रिद्धी-सिद्धी एडवरटाइजर्स एण्ड पब्लिसिटी :-मो.9826129386
- जे.जे.एडवरटाइजर्स :-मो.9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स :-मो.9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स :-मो.9826705603
- एड प्रयास :-मो.9826701269, 9926003943
- एम.जी.आर.एडवरटाइजर्स :-मो.9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी :-मो.9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी :-मो.9425540759
- अमित पब्लिकेशन :-मो.9826304304,9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा :-मो.9302462506
- माधवास & कम्पनी :-मो.9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स :-मो.9827466133, 9907047586

Medicare Specialists

गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
लिंग में ढ़ीलापन, छोटापन, पतलापन
लिंग में टेढ़ापन
वीर्य में शुक्राणु की कमी
बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
पेशाब में धातु जाना
शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
मशीनों द्वारा जांच
अचूक दवाओं का सम्पूर्ण मिश्रण आपकी परेशानी का मात्र 1 दिन में सम्पूर्ण ईलाज
संपर्क डॉ. अहमद
जे.जे. हॉस्पिटल
होटल आशीष इंटरनेशनल जी.ई.रोड पॉवर हॉऊस बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन: सुबह 9 से शाम 7 बजे
रविवार 9 से 4 बजे तक
9098889899

ईलाज की गारंटी पैसा ठीक होने के बाद

गुप्त रोग नामर्दी, लिंग में छोटापन ।
शीघ्र पतन पेशाब से धातु जाना ।
लिंग में ढीलापन, शुक्राणु की कमी ।
शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी ।
आयुर्वेदिक द्वारा खोई हुई शक्ति पुन: प्राप्त करें ।
चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।
नि:संतान दम्पत्ति आज ही मिले ।
आज ही संपर्क करें
श्रीकांत आयुर्वेदिक जड़ीबुटी भण्डार
दुर्ग में शॉप नं. 16, पारख कॉम्पलेक्स, पेट्रोल पम्प के सामने, ग्रीन चौक
रायपुर में स्टेशन रोड, सीमरन होटल के सामने
9174440077
9009330088

एक समय सब सहित समाजा। राजसभाँ रघुराजु बिराजा॥
सकल सुकृत मूरति नरनाहू। राम सुजसु सुनि अतिहि उछाहू॥

एक समय रघुकुल के राजा दशरथजी अपने सारे समाज सहित राजसभा में विराजमान थे। महाराज समस्त पुण्यों की मूर्ति हैं, उन्हें श्री रामचन्द्रजी का सुंदर यश सुनकर अत्यन्त आनंद हो रहा है॥1॥

श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा

राम मंदिर 'प्राण प्रतिष्ठा' के लिए अयोध्या पहुंचे स्टार खिलाड़ी, कुंबले-वेंकटेश ने शेयर की तस्वीरें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

राम मंदिर 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह में शामिल होने के लिए देशभर के स्टार खिलाड़ी अयोध्या पहुंचने लगे हैं। इस कड़ी में भारत के पूर्व कप्तान और महान स्पिनर अनिल कुंबले प्राण प्रतिष्ठा समारोह की पूर्व संध्या पर लखनऊ पहुंचे। कुंबले सोमवार को बहुप्रतीक्षित राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होंगे। कुंबले के अलावा पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद अयोध्या पहुंच गए हैं। उन्होंने समारोह की तस्वीरें साझा की है। अनिल कुंबले को रविवार दोपहर लखनऊ हवाई अड्डे पर देखा गया और पूर्व भारतीय क्रिकेटर के 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह की पूर्व संध्या पर अयोध्या पहुंचने की उम्मीद है। इस बीच अनिल कुंबले के पूर्व साथी और तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद राम मंदिर समारोह के लिए अयोध्या पहुंच गए हैं।

वेंकटेश ने लिखा, जय श्री राम

वेंकटेश प्रसाद ने सोशल मीडिया पर फोटो और वीडियो शेयर करते हुए लिखा, जय श्री राम। क्या क्षण है। सभी जीवन भर की घटना का गवाह बनने के लिए तैयार हैं। हमारे सबसे महत्वपूर्ण दिनों में से एक। पूरी अयोध्या और हमारे देश का अधिकांश हिस्सा खुशी से झूम रहा है। अयोध्यापति श्री रामचन्द्र जी की जय।

दिग्गज खिलाड़ियों को भी मिला है न्योता

बता दें कि राम मंदिर समारोह में एमएस धोनी, विराट कोहली, सचिन तेंदुलकर, कपिल देव, आर अश्विन और हरमनप्रीत कौर जैसे भारतीय क्रिकेटरों को आमंत्रित किया गया है। देखने वाली बात होगी कि ये सभी कब अयोध्या पहुंचते हैं।

ऐतिहासिक दिन पर करने जाऊंगा दर्शन : हरभजन

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और आम आदमी पार्टी के सांसद हरभजन सिंह ने राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को ऐतिहासिक दिन बताया है। पूर्व भारतीय स्पिनर ने कहा है कि दूसरे लोग कुछ भी करें, वह मंदिर जरूर जाएंगे और दर्शन करेंगे। दुबई में एजेंसी से बात करते हुए हरभजन सिंह ने प्रधानमंत्री की तारीफ की। हरभजन सिंह ने कहा कि लोग क्या सोचते हैं, इससे फर्क नहीं पड़ता। मेरी आस्था है और मैं अयोध्या जरूर जाऊंगा। उन्होंने कहा कि पार्टी से ऊपर उठकर इसका स्वागत करना चाहिए। हरभजन सिंह ने कहा, मैं निश्चित रूप से मंदिर जाऊंगा। मैं धर्म और भगवान में दृढ़ विश्वास रखता हूं। मैं आशीर्वाद लेने के लिए हर मंदिर, मस्जिद और गुरुद्वारे जाता हूं। जब भी मौका मिलेगा मैं मंदिर जाऊंगा। इसमें कोई संदेह नहीं है। देश के लोगों को मेरी शुभकामनाएं। प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। जितना संभव हो उतने लोगों को कार्यक्रम में शामिल होना चाहिए और आशीर्वाद लेना चाहिए।

रामभक्त अफ्रीका के खिलाड़ी महाराज ने दी शुभकामनाएं

दक्षिण अफ्रीका के हरफनमौला खिलाड़ी केशव महाराज ने सोमवार को होने वाली अयोध्या में राम मंदिर की 'प्राण प्रतिष्ठा' को लेकर भारतीय समुदाय को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। गौरतलब हो कि भगवान राम और हनुमान के भक्त केशव महाराज ने सोशल मीडिया पर लिखा, सभी को नमस्ते। मैं अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के लिए साउथ अफ्रीका में अपने भारतीय समुदाय को शुभकामनाएं देना चाहता हूं। सभी के लिए शांति, सद्भाव और आध्यात्मिक ज्ञान हो। जय श्री राम।

खबर संक्षेप

सानिया ने की तलाक की पुष्टि

नई दिल्ली। सानिया मिर्जा के परिवार ने रविवार को भारतीय टेनिस स्टार और शोएब मलिक के अलग होने की पुष्टि की। मलिक ने एक दिन पहले अभिनेत्री सना जावेद से दूसरे निकाह की घोषणा की थी। सानिया के परिवार द्वारा जारी बयान के अनुसार, 'सानिया ने अपनी व्यक्तिगत जिंदगी को हमेशा लोगों की नजरों से दूर रखा है। लेकिन आज उनके लिए यह बताना जरूरी हो गया है कि कुछ महीने पहले ही उनका और शोएब का तलाक हो चुका है। वह शोएब को उनके नए सफर के लिए शुभकामनाएं देती हैं।'

भारत को स्पिनर दिलाएंगे जीत

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन का मानना है कि भारत का शानदार स्पिन आक्रमण बेन स्टोक्स एंड कंपनी के खिलाफ पांच मैच की घरेलू श्रृंखला में उन्हें जीत दिलायेगा।

पहला टेस्ट गुरुवार से हैदराबाद में शुरू होगा। इंग्लैंड ने भारत में अभ्यास मैच खेलने के बजाय अबुधाबी में तैयारी करने का फैसला किया। इंग्लैंड की टीम में सिर्फ जैक लीच ही अनुभवी स्पिनर हैं जबकि टॉम हार्टले, शोएब बशीर और रेहान अहमद कम अनुभवी हैं। भारतीय टीम में आर अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव जैसे स्पिनर शामिल हैं।

लॉरेंस इंग्लैंड टीम में शामिल, ब्रुक हटे

लंदन। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को घोषणा की कि हैरी ब्रुक भारत के खिलाफ पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला में नहीं खेलेंगे और उनकी जगह मध्यक्रम बल्लेबाज डैन लॉरेंस को शामिल किया गया है।

ब्रुक निजी कारणों से तुरंत स्वदेश लौट जायेंगे। ईसीबी ने कहा कि गुरुवार से हैदराबाद में शुरू होने वाली श्रृंखला के लिए ब्रुक की जगह सर्रे के 26 वर्षीय लॉरेंस सोमवार को टीम से जुड़ेंगे और भारत जाएंगे। श्रृंखला से पहले अभ्यास शिविर के लिए ब्रुक टीम के साथ अबुधाबी पहुंचे थे।

मान सिंह ने एशियाई मैराथन में जीता स्वर्ण

हांगकांग। मान सिंह रविवार को यहां एशियाई मैराथन चैंपियनशिप में अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से स्वर्ण पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय एथलीट बने।

मान सिंह (34 साल) ने दो घंटे 14 मिनट और 19 सेकेंड का समय निकाला, इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले साल मुंबई मैराथन में दो घंटे 16 मिनट 58 सेकेंड का था जिससे वह 11वें स्थान पर रहे थे।

आस्ट्रेलियन ओपन : मानारिनो को 6-0, 6-0, 6-3 हराया

58वीं बार अंतिम-8 में पहुंचे जोकोविच फेडरर के ग्रैंडस्लैम रिकॉर्ड की बराबरी

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

सर्बियाई स्टार नोवाक जोकोविच ने रविवार को यहां एड्रियन मानारिनो पर 6-0, 6-0, 6-3 की जीत से आस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया और रोजर फेडरर के सर्वकालिक ग्रैंडस्लैम रिकॉर्ड की बराबरी की। 10 बार के आस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन जोकोविच ने एक घंटे 44 मिनट में मिली जीत के दौरान 31 विनर जमाए और मेजर में 58वीं बार अंतिम आठ में प्रवेश कर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी की। जोकोविच 14वीं दफा आस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे और उनकी निगाहें 25वें ग्रैंडस्लैम एकल खिताब पर लगी हैं।

अब उनका सामना 12वें नंबर के खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज से होगा। फ्रिट्ज पिछले साल यहां उप विजेता रहे स्टेफानोस सिटसिपास पर 7-6 (3), 5-7, 6-3, 6-3 की जीत से पहली बार आस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे।

जोकोविच 14वीं दफा आस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

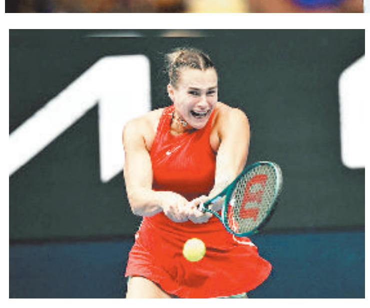

सबालेंका और गॉफ की शानदार जीत

महिलाओं के वर्ग में गत चैंपियन आर्यना सबालेंका और अमेरिकी ओपन विजेता कोको गॉफ ने शानदार जीत से क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरी रैंकिंग की खिलाड़ी सबालेंका ने पिछले साल यहां अपना पहला ग्रैंडस्लैम जीता था। उन्होंने अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 6-2 से हराया। उनका सामना 16 वर्षीय मीरा एंड्रीवा और नौवें नंबर की खिलाड़ी बारबोरा क्रेजसिकोवा के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। सितंबर में अमेरिकी ओपन में पहला मेजर जीतने वाली गॉफ ने मागडालेना फ्रेच को 6-1, 6-2 से शिकस्त दी और अब उनकी भिड़ंत सामना यूक्रेन की मार्टा कोस्तयुक से होगी जिन्होंने मारिया टोमाफीवा को 6-2, 6-1 से हराकर पहली बार मेजर के अंतिम आठ में जगह बनाई।

टी20 मैच 42 रन से जीता पाक, न्यूजीलैंड के नाम 4-1 से सीरीज

एजेंसी ▶▶| क्राइस्टचर्च

पाकिस्तान रविवार को यहां पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में न्यूजीलैंड को 42 रन से हराकर श्रृंखला में क्लीन स्वीप होने से बच गया। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 134 रन बनाए।

यह श्रृंखला में मेहमान टीम का न्यूनतम स्कोर था, इससे पहले टीम ने पिछले चार टी20 में 180, 173, सात विकेट पर 179 और पांच विकेट पर 158 रन बनाए थे। लेकिन हेगले की खराब पिच पर यह स्कोर भी काफी साबित हुआ और न्यूजीलैंड की टीम महज 92 रन के स्कोर पर सिमट गई। पाकिस्तान के लिए इफ्तिखार अहमद नायक साबित हुए जिन्होंने 11 रन देकर तीन विकेट झटके जिससे न्यूजीलैंड के विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हुआ। इफ्तिखार ने टिम सिफर्ट (19), मैट हेनरी (01) और ईश सोढी (01) को आउट किया जबकि विल यंग (12) का कैच लेकर आउट किया और मार्क चैपमैन (01) को रन आउट करने में भूमिका अदा की। इससे पाकिस्तानी टीम श्रृंखला में 0-5 से हारने से बच गयी और न्यूजीलैंड ने 4-1 से श्रृंखला जीती। पाकिस्तान की पारी में मोहम्मद रिजवान ने 38 और फखर जमां ने 33 रन बनाए।

पुजारा के 20 हजार रन, सौराष्ट्र ने दर्ज की पहली जीत

नागपुर। चिराग जानी के पांच विकेट की बदौलत गत चैम्पियन सौराष्ट्र ने रविवार को यहां रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप ए मैच के तीसरे दिन विदर्भ को 238 रन से रौंदकर सत्र की पहली जीत दर्ज की। सौराष्ट्र के अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने 66 रन की पारी के दौरान यादगार उपलब्धि हासिल की। वह सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ के बाद 20,000 प्रथम श्रेणी रन जुटाने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बने। विदर्भ की टीम 373 रन के असंभव लक्ष्य का पीछा करते हुए जरा भी चुनौती पेश नहीं कर सकी।

सात्विक-चिराग इंडिया ओपन में उपविजेता, कैंग-सियो को खिताब

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को कैंग मिन ह्युक और सियो सेयुंग जेइ की जोड़ी के खिलाफ रविवार को यहां पुरुष युगल फाइनल में इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में उप विजेता बनकर संतोष करना पड़ा।

सात्विक और चिराग की एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता जोड़ी को फाइनल में कैंग और सियो की दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी के खिलाफ एक घंटा और पांच मिनट में 21-15, 11-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। वर्ष 2018 के चैंपियन युकी ने कड़े फाइनल में हांगकांग के दुनिया के 18वें नंबर के खिलाड़ी ली च्युक यीयू को 54 मिनट में 23-21, 21-17 से हराकर दूसरी बार इंडिया ओपन जीता।

ग्रैंडमास्टर गुकेश ने वार्मरडैम को हराया

विज्क आन ज़ी। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए रविवार को यहां टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के सातवें दौर में नीदरलैंड के मैक्स वार्मरडैम को हराकर लगातार तीसरी जीत हासिल की, जिससे वह संयुक्त बढ़त पर पहुंच गए। इस जीत से गुकेश ने संभावित सात में से 4.5 अंक हासिल कर लिए हैं और अब वह उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव और नीदरलैंड के अनीश गिरी के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं।

एमबापे के दो गोल, 4-1 से जीता पीएसजी

एजेंसी ▶▶| पेरिस

किलियान एमबापे ने दो गोल करने में मदद की और दो गोल दागे जिससे पेरिस सेंट जर्मेन () ने शनिवार को यहां ओरलियांस को 4-1 से हराकर फ्रेंच कप के राउंड 16 में प्रवेश किया। एमबापे ने 16वें और 62वें मिनट में दो गोल दागे जिससे इस सत्र के 26 मैच में उनके गोल की संख्या 28 हो गई।

फिर एमबापे ने 71वें मिनट में क्रास से गोंकालो रामोस को और 88वें मिनट स्थानापन्न मिडफील्डर सेनी मायुलु को गोल करने में मदद की। अनुभवी स्ट्राइकर विसाम बेन येडर की हैट्रिक की बदौलत मोनाको ने रोडेज पर 3-1 की जीत से पीएसजी के साथ अगले दौर में प्रवेश किया। लेकिन 2022 के विजेता नानटेस को लावाल से 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। राउंड 32 के अन्य मुकाबले में नाइस ने बोर्डेक्स पर 3-2 से जीत हासिल की। ब्रेस्ट ने भी ट्रेलिसाच पर 2-1 की जीत से अगले दौर में प्रवेश किया।

रणजी ट्रॉफी: मध्य प्रदेश ने 86 रन से दर्ज की जीत

लचर प्रदर्शन से दिल्ली की एक और शर्मनाक हार

एजेंसी ▶▶| इंदौर

बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन के कारण दिल्ली को रविवार को यहां रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी में मध्य प्रदेश से 86 रन से हार का सामना करना पड़ा जो इस सत्र में उसकी दूसरी पराजय है। मध्य प्रदेश से पराजय दिल्ली को इसलिए भी ज्यादा आहत करेगी क्योंकि उसने मैच के पहले दिन मेजबान टीम को 171 रन पर आउट करके अपनी स्थिति मजबूत कर ली थी। इसके जवाब में दिल्ली ने 205 रन बनाकर पहली पारी में 34 रन की बढ़त हासिल की थी।

मध्य प्रदेश ने खेल के तीसरे दिन सुबह अपनी दूसरी पारी 5 विकेट पर 157 रन से आगे बढ़ाई और 251 रन बना कर दिल्ली के सामने 218 रन का लक्ष्य रखा। मध्य प्रदेश की तरफ से कप्तान शुभम शर्मा ने 73 रन बनाए। दिल्ली के बल्लेबाजों ने फिर से निराश किया और उसकी पूरी टीम 131 रन पर आउट हो गई। केवल वैभव कांडपाल (125 गेंद पर नाबाद 49) ही गेंदबाजों का डटकर सामना कर पाए। दिल्ली को अपने पहले मैच में पुडुचेरी से हार का सामना करना पड़ा था जबकि जम्मू कश्मीर के खिलाफ उसका मैच खराब मौसम से प्रभावित रहा था। इस ड्रॉ मैच में दोनों टीम ने अंक बांटे। पुडुचेरी से हार के बाद दिल्ली ने कप्तानी में बदलाव किया था तथा यश ढुल की जगह हिम्मत सिंह को कप्तान बनाया था, लेकिन इससे भी टीम का भाग्य नहीं बदला।

55 रन से जीता देहरादून

पुडुचेरी ने देहरादून ने खेले गए मैच में उत्तराखंड को 55 रन से हराकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। पुडुचेरी ने पहली पारी में 204 रन बनाकर उत्तराखंड को 123 रन पर आउट कर दिया था। उसने दूसरी पारी में 131 रन बनाकर उत्तराखंड के सामने 213 रन का लक्ष्य रखा था। गौरव यादव ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 53 रन देकर सात विकेट हासिल किए और उत्तराखंड को दूसरी पारी में 157 रन पर आउट करने में अहम भूमिका निभाई।

इंग्लैंड की 'बैजबॉल' का जवाब है 'विराटबॉल'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने कहा कि 25 जनवरी से हैदराबाद में शुरू होने वाली पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला में इंग्लैंड की 'बैजबॉल' का सामना करने के लिए भारत के पास 'विराटबॉल' मौजूद है। इंग्लैंड के बल्लेबाज अब बहुत ही आक्रामक शैली में खेलते हैं जो उनके मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम के खेलने के तरीके से जुड़ा है।

गावस्कर ने 'स्टार स्पोर्ट्स' से कहा, 'विराट कोहली जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं, उनका मूवमेंट अच्छा है। वह जिस फॉर्म में हैं, उसे देखते हुए 'बैजबॉल' का सामना करने के लिए हमारे पास 'विराटबॉल' मौजूद है।' कोहली टेस्ट क्रिकेट में 9000 रन बनाने वाले खिलाड़ियों के क्लब में जुड़ने से महज 152 रन दूर हैं। वह इस आगामी श्रृंखला में भारत की मुख्य कड़ी होंगे। उनके नाम 113 मैच में 29 अर्धशतक और 30 शतक हैं। गावस्कर ने कहा, 'हां, पारी को बढ़ाने का मतलब अर्धशतक से ज्यादा शतक होना है। कोहली के पास शतक और अर्धशतक समान ही हैं, इसका मतलब है कि उनकी अर्धशतक को शतक में तब्दील करने की गति काफी अच्छी है।'

जा पर कृपा राम की होई। ता पर कृपा करहिं सब कोई॥
जिनके कपट, दम्भ नहिं माया। तिनके ह्रदय बसहु रघुराया॥

जिन पर राम की कृपा होती है, उन्हें कोई सांसारिक दु:ख छू तक नहीं सकता। परमात्मा जिस पर कृपा करते है उस पर तो सभी की कृपा अपने आप होने लगती है। और जिनके अंदर कपट, दम्भ (पाखंड) और माया नहीं होती, उन्हीं के ह्रदय में रघुपति बसते हैं अर्थात उन्हीं पर प्रभु की कृपा होती है।

श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा

प्राण प्रतिष्ठा में पधार रहे वीवीआईपी को बॉक्स में मिलेगा पवित्र 'प्रसादम'

अयोध्या। आज यानी 22 जनवरी को राम मंदिर का उद्घाटन किया जाएगा. राम लला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। राम मंदिर के साथ-साथ पूरी अयोध्या को सजा दिया गया है। कार्यक्रम के लिए कई सारे वीवीआईपी को न्योता दिया गया है। इसी बीच वीवीआईपी गेस्ट को मिलने वाले प्रसाद का वीडियो सामने आया है।

क्या चीजें हैं प्रसादम में शामिल

वीडियो में प्रसाद का जो बॉक्स दिखाई दे रहा है उस पर राम मंदिर की फोटो के साथ बड़े अक्षरों में प्रसादम लिखा हुआ है। प्रसाद के बॉक्स को खोलते ही उस पर एक तरफ कंद मूल, सरजू नीर, कुंकुम और रुद्राष्टम लिखा है। नीचे श्लोक भी लिखे हुए हैं। वीडियो में प्रसाद के बॉक्स में एक छोटी सी बोतल, कुंकुम और लड्डू नजर आ रहे हैं।

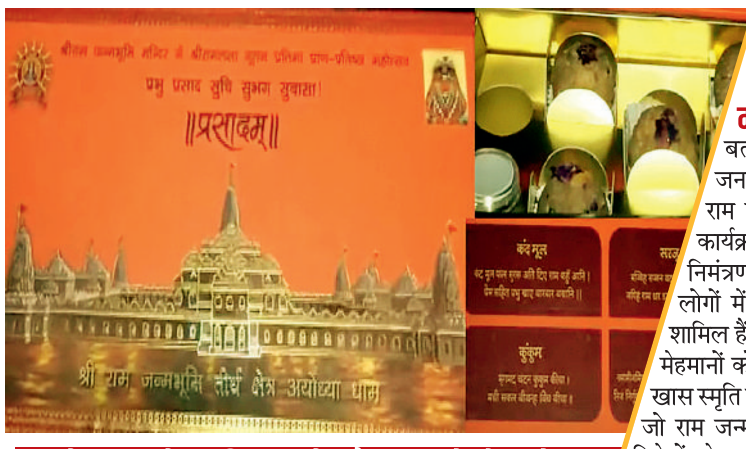

देश भर के मंदिर फूलों और लाइटों से सजे

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले देशभर के राम मंदिरों सहित अन्य मंदिरों को लाइटों और फूलों से सजा दिया गया है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट की ओर से सजे हुए मंदिर की तस्वीरें भी जारी की गई है। मंदिर को सजाने के लिए थाईलैंड और अर्जेंटीना से फूल मंगाए गए हैं।

विदेशों से भी आ रहे हैं मेहमान

बता दें कि आज 22 जनवरी को होने वाले राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में कई लोगों को निमंत्रण दिया गया है। इन लोगों में विदेशों के भी लोग शामिल हैं। ट्रस्ट की ओर से इन मेहमानों को प्रसाद के साथ एक खास स्मृति चिह्न भी दिया जाएगा जो राम जन्मभूमि से जुड़ा होगा। विदेशों से आने वाले मेहमानों के लिए भी ऐसी व्यवस्थाएं की गईं हैं ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो। जहां विदेशी मेहमान ठहरेंगे वहां बहुभाषी लोगों को भी रखा गया है ताकि वे मेहमानों की भाषा व भावनाएं समझ सकें।

थाईलैंड की मंडली ने किया रामलीला का मंचन

अयोध्या। थाईलैंड का तो राष्ट्रीय महाकाव्य रामाकीन यानी कि रामायण है। इसमें प्रभु राम की कीर्ति का गुणगान किया गया है।

यह वाल्मीकि रामायण से ली गई है और थाई भाषा में है। थाईलैंड की मंडली ने अयोध्या में रामलीला का मंचन किया। थाईलैंड की मंडली द्वारा छाया रामलीला का आयोजन किया गया जिसे नंग कहा जाता है। इसमें सफेद पर्दे के सामने पुतलियों को इस तरह नचाया जाता है कि उसकी छाया पर्दे पर पड़े। यहां के कलाकारों ने रामायण के चरित्र के मुखोटों का इस्तेमाल भी किया गया जो बहुत खास होता है।

(NABH से मान्यता प्राप्त)
सुयश हॉस्पिटल
हड्डी रोग विभाग
- HIP (कुल्हा), Knee (घुटना) रिप्लेसमेंट एवं ज्वाइंट रिप्लेसमेंट
- ब्रेन एक्सीडेंट एवं ट्रामा
- सभी प्रकार के फ्रेक्चर
- पीठ दर्द या कमर दर्द (सायटिका)
- कमर में टेढ़ापन
- आर्थोस्कोपी व्दारा घुटने के लिगामेंट का पुर्ननिर्माण

24 Hours Helpline
9926386660
कोटा–गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

कैंसर सर्जरी
पश्चात अंगों का पुन:निर्माण
(जबड़ा, स्तन व अन्य)
छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9827144371

जोड़ों के दर्द से समझौता न करें
अभी कॉल करें
7876977777

SHREE NARAYANA HOSPITAL
Quality Health Care for All..
NABH
स्पाईन केयर क्लिनिक
- मिनिमल इन्वेसिव स्पाईन सर्जरी (छोटे से चीरे द्वारा स्पाईन सर्जरी)
- सर्वाइकल स्पाईन इन्ज्यूरी
- स्पाईन टीबी
- स्पाईन रिहेबिलिटेशन सेंटर (दुर्घटना में स्पाईन की पुरानी चोट या फ्रैक्चर से परेशान)
- गर्दन, पीठ व कमर में दर्द/जकड़न
- स्कोलियोसिस (कूबड़)
- स्लिप डिस्क
- साइटिका
- स्पाईन कैंसर

डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत आयुष्मान योजना एवं सभी इंश्योरेंस कंपनियों से ईलाज की सुविधा
डॉ. मनीन्द्र भूषण
MS, DNB (Ortho), FNB(Spine Surgery)
देवेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)
www.snh.org.in
9300373737

Divisa
www.divisastore.com
INDIA'S MOST TRUSTED BRAND
No.1 BRAND
Clinically Tested*
हर बार नया क्यों?
बार बार आज़माइश छोड़िये
अपनी त्वचा पर प्रयोग करना बंद कीजिए, क्यूंकि आपका आयुर्वेदिक रूप मंत्रा ही है सर्वश्रेष्ठ जोकि आपके चेहरे की त्वचा को भीतर से निखारने एवं चमकदार बनाने में अति सहायक है, साथ ही यह डार्क सर्कल्स एवं छाइयों को कम करके आपके चेहरे को उज्जवल रखने में भी मदद करता है।
1 Paraben Free
2 Alcohol Free
3 Steroids Free
4 Silicon Free
5 Mineral Oil Free
Roop Mantra
An Ayurvedic Medicinal Cream
Helpline : 87259 66666 | www.roopmantra.com
शुद्ध आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों से निर्मित
रूप मंत्रा आयुर्वेदिक क्रीम में मौजूद ऐलोवेरा, तुलसी, द्राक्षा, हरिद्रा, चंदन, बादाम इत्यादि आयुर्वेदिक जड़ी बूटियाँ चेहरे पर प्राकृतिक नमी सुरक्षित रख एक ट्रीटमेंट की तरह कार्य करती हैं। यह कोई कॉस्मैटिक नहीं आयुर्वेदिक औषधि है।

Authorised Main Dealer:- BILASPUR- CHANDRA TVS Tel. 9109119171. CHANDRA TVS Uslapur Tel. 8982438075.JANJGIR- APRAJITA TVS Tel. 8251061855., KORBA- TULSI TVS Tel. 8305262286., RAIGARH- APRAJITA TVS Tel. 8251072536. SHRI HANUMAN TVS Tel.8527434191 PATHALGAON- PRABHU TVS Tel : 8824006076. AMBIKAPUR- SHRI MAHAMAYA TVS Tel. 8305203315., SHRI RAM TVS M.G. Road Tel. 9509338256., BAIKUNTHPUR- AGRAWAL TVS Tel. 8236914704., SURJPUR - JAI DURGA TVS Tel.7877664042.
Authorised Dealer: Katghora - Ruchi Auto Tel.8770690902. Pali - Jeet Agency Tel. 9424150294. Kartala - Sharma Auto Tel. 9981566233. Hardibazar- Durgesh Agency Tel. 9977562337. Seorinarayan - Priyadarshi Automobiles Tel. 9770096600. Gidhouri - Priyadarshi Automobiles Tel. 9770096600. Takhatpur - Kaushik Auto Tel. 7898677598. Sipat - Maa Mahamaya Auto Centre Tel. 9617077778. Kota - Vaibhav Motors Tel.9893364649. Mungeli - Shri Niranjam Motors Tel. 7000103560. Pendra - Sumeet Motors Tel. 9406007324 Ratanpur - Shri Sai Services Tel. 9827123748. Nawagarh - Rk Motors Tel. 9754422619 Lailunga - Shree Shyam Sales Tel. 9424188181. Pussore - Umesh Automobiles Tel. 9993443267. Sarangarh - Shri Ram Automobiles Tel. 9425252719. Akaltara - Bhawani Automobiles Tel. 9425230512. Baloda - Ambey Auto Agency Tel. 9977829180. Patna - Ananya Auto Agency Tel. 9993908312. Shakti - Shri Shailam Auto Tel. 9893669936. Baradwar - Maa Sharda Auto Agency Tel. 8871871872. Kusmi - Sai Auto Tel. 9691065198. Balrampur - Abhyas Automobiles Tel. 7691815794. Tapkara - Sonu Automobiles Tel 9755248064. Bhaiyathan - Prabhat Motors Tel. 7000174136. Bishrampur - Gopal Krishna Motors Tel. 7566290727. Kunkuri - Deepak Motors Tel. 8839304665. Rajpur - Mangalam Motors Tel. 7999592521. . Jarhi - Maa Mahamaya Auto Tel. 9893422986. Ramanujganj - Ganpati Automobiles Tel. 8878214520. Manendragarh - Shri Ram Sales Tel. 9406462666. Pratappur - Titan Automobiles Tel. 9753373609. Sitapur - Shankar Automobiles Tel. 8889272331. Batauli - JK Automobiles 8839756338. GAURELLA - MITTAL MOTORS Tel. 9424153222. RAJPUR - MANGALAM MOTORS Tel. 7999592521. KHARSIA - BANSAL AGENCY Tel. 7771078078, Jashpur Nagar - Shiv Shakti Auto Tel. 9302737741, Dharamjaigarh - Arjun Automobiles Tel. 7415553407.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com